@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 155 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना हाई कोर्ट ने पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा

•खेड़ा ने असम की अदालतों में जाने के लिए ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी है।

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना हाई कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने असम पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा की मांग की थी। यह मामला मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के खिलाफ कथित तौर पर मानहानिकारक और दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाने के लिए दर्ज किया गया था। खेड़ा ने असम की अदालतों में जाने के लिए ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी है। जस्टिस के सुजाना ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा। आदेश शुक्रवार को सुनाए जाने की संभावना है। खेड़ा की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत में दलील दी कि असम पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर में राजनीतिक बदले की बू आती है। असम पुलिस की ओर से पेश होते हुए असम के एडवोकेट जनरल देवजीत सैकिया ने हैदराबाद में अग्रिम जमानत याचिका की स्वीकार्यता को चुनौती दी।

भूटान नरेश से मिले मनोहर लाल, दोनों देशों की प्रगाढ़ मैत्री को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली। चार दिवसीय यात्रा पर भूटान पहुंचे केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री ने भारत सरकार और लोगों की ओर से भूटान नरेश को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने भारत और भूटान के बीच विशिष्ट और प्रगाढ़ मैत्री तथा साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ बनाने में भूटान नरेश के

निरंतर मार्गदर्शन और नेतृत्व के प्रति सराहना व्यक्त की। बातचीत के दौरान मनोहर लाल ने भूटान के राष्ट्रीय सेवा कार्यक्रम के लिए बधाई दी, जो युवाओं में कौशल एवं राष्ट्र निर्माण पर केन्द्रित सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है। उन्होंने सतत एवं नियोजित विकास के लिए भूटान नरेश के गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी दृष्टिकोण की भी सराहना की। केंद्रीय विद्युत मंत्री ने भूटान नरेश को बताया कि वे पुनात्सांगछू-I जलविद्युत परियोजना के बांध निर्माण कार्य आरंभ होने के अवसर पर उपस्थित रहेंगे, जिससे इस परियोजना के पूर्ण होने का मार्ग प्रशस्त होगा। मनोहर लाल ने भूटान नरेश को आज सुबह पुनात्सांगछू-II जलविद्युत परियोजना के निर्यात दर संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर होने की भी जानकारी दी। विद्युत मंत्री ने भूटान नरेश को यह भी बताया कि वे भूटान के ऊर्जा मंत्री के साथ 10 अप्रैल को पुनात्सांगछू-I जलविद्युत परियोजना बांध में कंक्रीट डालने के समारोह में शामिल होंगे। यह दोनों देशों के लोगों के लिए 1200 मेगावाट की पुनात्सांगछू-Iजलविद्युत परियोजना में बांध निर्माण कार्य आरंभ होने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

तेलंगाना के वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी बीआरएस में होंगे शामिल

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी अब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल होंगे। गुरुवार दोपहर बाद जगतियाल में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) से मिलने के तुरंत बाद कांग्रेस नेता जीवन रेड्डी ने अपने अगले राजनीतिक जीवन का ऐलान कर दिया। टी. जीवन रेड्डी ने कांग्रेस के साथ अपने 42 साल के रिश्ते को तोड़ते हुए गत 25 अप्रैल को इस्तीफा दे दिया था। उनकी नाराजगी पार्टी नेतृत्व से थी। रेड्डी का कहना था कि कांग्रेस पार्टी में पुराने नेताओं को उपेक्षित-अपमानित किया जा रहा है और दल बदलुओं को प्रश्रय मिल रहा है। जीवन रड्डी ने आज बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर से मुलाकात के बाद बीआरएस ओं शामिल होने की घोषणा कर दी है।

•मिथुन चक्रवर्ती ने तृणमूल पर साधा निशाना, कहा-

लोगों को सिर्फ भत्तों के सहारे रखा जा रहा है

एजेंसी

अलीपुरद्वार। पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच गुरुवार को फालाकाटा विधानसभा क्षेत्र के मेजबिल स्थित रासमेला मैदान में भाजपा उम्मीदवार दीपक बर्मन के

समर्थन में आयोजित जनसभा में मिथुन चक्रवर्ती रहे। एक बार फिर सियासी मंच पर बालीवुड अभिनेता का वही पुराना जोश देखने को मिला।

भाषण में उन्होंने तृणमूल सरकार पर जमकर निशाना साधा। कूचबिहार से सड़क मार्ग से शाम को फालाकाटा जनसभा में पहुंचे मिथुन ने कहा कि राज्य में रोजगार की कमी है और लोगों को सिर्फ भत्तों के सहारे रखा जा रहा है। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर भी सत्ताधारी दल की आलोचना की। मछली-मांस को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि तृणमूल कहती है कि भाजपा आएगी तो मछली-मांस बंद हो जाएगा, जबकि मैं पूरे देश में घूमता हूं और हर जगह इसे बिकते देखता हूं। यह सिर्फ डर फैलाने की राजनीति है।हालांकि, इस सभा में लोगों की सबसे ज्यादा उत्सुकता मिथुन को देखने और उनके मशहूर डायलॉग सुनने को लेकर थी। उन्होंने भी अपने अंदाज में निराश नहीं किया।

असम, केरल और पुदुचेरी में टूटा मतदान का पिछला रिकॉर्ड

• असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.38फीसदी वोटिंग: पुडुचेरी में 90फीसदी मतदान

केरलम में 49 साल में दूसरी रिकॉर्ड वोटिंग

•तीनों राज्यों में वोटिंग खत्म

एजेंसी

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/ पुडुचेरी। देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार (9 अप्रैल) को विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38फीसदी मतदान हुआ। असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है।

केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01फीसदी वोट डाले गए।

1977 में रिकॉर्ड 79.2फीसदी मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 89.81फीसदी मतदान हुआ। असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है। पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम ष्टरूरंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे।

केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला।

असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

ईसीआई ने मतदान प्रक्रिया देखने के लिए केरल में 23 देशों के प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। भारत की चुनावी विश्वसनीयता को दर्शाने वाले महत्वपूर्ण अवसर पर, भारतीय चुनाव आयोग ने अपने 'अंतर्राष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम- 2026' (आईवीपी) के तहत केरल विधानसभा चुनाव का निरीक्षण करने आए उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया। केरल में गुरुवार सुबह 7 बजे 140 विधायकों को चुनने के लिए मतदान शुरू हो गया। आईवीपी के पहले चरण के तहत, 23 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 43 सदस्यों वाला अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल तिरुवनंतपुरम पहुंचा। इस दौरे का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल को भारत की मजबूत और प्रौद्योगिकी-आधारित चुनावी प्रक्रिया की प्रत्यक्ष जानकारी देना है। टीम ने पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं को मिठाइयां भी बांटी। यह पहला प्रयास था वोट डालने वालों में उत्साह बढ़ाने का, जो मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू. खेलकार की पहल पर किया गया। केरल में 9 अप्रैल को मतदान के दिन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा, जो राज्य के विविध और समावेशी चुनाव प्रबंधन मॉडल को दर्शाता है। पर्यवेक्षकों ने सुबह 6 बजे ही काम शुरू कर दिया और वाझुथाकाड स्थित कॉटन हिल एलपीएस के बूथ नंबर 104 पर एक मॉक पोल किया।

बीरभूम की धरती को ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और प्रेरणा से भरी : पीएम मोदी

•बंगाल की माटी पर घुसपैठियों का कब्जा बहुत ही खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है।'

एजेंसी

बीरभूम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के बीरभूम में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने

•भाजपा सरकार में 'सबका साथ, सबका विकास' और जिन्होंने बंगाल को लूटा 'उनका हिसाब' होगा: मोदी

प्रदेश की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए बीरभूम की धरती को ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और प्रेरणा से भरी बताया। उन्होंने कहा, 'गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे, जहां हर कोई भय से मुक्त हो। टीएमसी के महाजंगलराज ने इसके बिल्कुल उल्टा कर दिया। ये मां, माटी और मानुष की बात करते थे, लेकिन मां आज रो रही है। माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत, डरा-सहमा हुआ है। टीएमसी के महाजंगलराज का साक्षी बीरभूम है। बोगतुई में जो कुछ हुआ था, वह केवल एक घटना नहीं, बल्कि मानवता के माथे पर कलंक था। निर्दोष महिलाओं और बच्चों को जिंदा जला दिया गया। यह महाजंगलराज नहीं तो क्या है? यह

घटना टीएमसी सिंडिकेट के गुंडाराज का बहुत खतरनाक सबूत है। माटी आपकी, हक आपका, लेकिन इस पर कब्जे के लिए गैंगवार चल रही है। बालू, पत्थर और कोयला की जो लूट चल रही है, यह टीएमसी के बड़े-बड़े नेताओं और उनके आलाकमान के आशीर्वाद से हो रहा है। बंगाल की माटी पर घुसपैठियों का कब्जा बहुत ही खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है।'

प्रधानमंत्री ने घुसपैठ का जिक्र करते हुए कहा, 'टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी डॉक्यूमेंट दिलवा रहा है। पड़ोस से घुसपैठिए अंदर आते हैं। पंचायत और अन्य सरकारी दफ्तर में डरा-धमकाकर गलत काम कराए जा रहे हैं। फर्जी डॉक्यूमेंट बनाने का काला खेल बंगाल की और देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है। बंगाल में भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठियों के मददगार लोगों के खिलाफ एक विशेष जांच बैठाई जाएगी। यह मेरी गारंटी है। घुसपैठियों के हर मददगार को, चाहे वह कितना भी ताकतवर क्यों न हो, उनकी पहचान की जाएगी। घुसपैठियों को भी खदेड़ा जाएगा और उनके जो आका हैं, उन्हें जेल में भरा जाएगा। सरकारी योजना हो, मजदूरी का काम हो, घुसपैठिए कम पैसे में यह काम यहां के लोगों से छीन लेते हैं।

यहां के लोकल लोगों को काम की तलाशी में कहीं और पलायन करना पड़ता है। अब यह नहीं चलेगा। रामपुरहाट की क्या स्थिति है, यह आप सभी प्रत्यक्ष देख रहे हो। मालदा में पिछले दिनों क्या हुआ, यह भी पूरे देश ने देखा, जहां अधिकारियों तक को बंधक बना लिया गया। इस भय से बंगाल के लोगों को मुक्ति दिलानी जरूरी है। मां, माटी और मानुष में से मां की स्थिति तो और भी खराब है।'

'आप' ऐसी पहली पार्टी है जिसके एजेंडे में सरकारी स्कूल शामिल हैं और आज स्कूलों को लगातार ग्रांट मिल रही हैं: हरजोत सिंह बैंस

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। पंजाब की शिक्षा क्रांति को अगले चरण में ले जाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री तथा 'आप' पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने आज मिशन समर्थ 4.0 की शुरुआत की। यह शिक्षा में वैश्विक स्तर की उत्कृष्टता लाने वाला प्रमुख बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम है। यह नई पहल राज्यव्यापी उपस्थिति ट्रैकिंग प्रणाली की सुविधा प्रदान करती है, जिसके तहत अभिभावकों को अपने बच्चे की उपस्थिति के बारे में रोजाना एसएमएस प्राप्त होंगे। यह वास्तविक समय की जवाबदेही और क्लासरूम में सीखने के लिए निरंतर सकारात्मक माहौल की ओर बढ़ रहे पंजाब का प्रतीक है। इस कार्यक्रम को पंजाब की शिक्षा क्रांति में अगली बड़ी छलांग बताते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि पंजाब, जो पहले ही परख (प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और समग्र विकास के लिए ज्ञान विश्लेषण) सर्वेक्षण में पहले स्थान पर है, अब क्लासरूम जवाबदेही को मजबूत करके और जांचे-परखे शिक्षा अभ्यासों को अपनाकर रचनात्मक नतीजों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शिक्षा बजट बढ़ाकर 19,279 करोड़ रुपए कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि

फंड फाइलों में अटके रहने की बजाय क्लासरूम तक पहुंचें। इससे सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे से लेकर नतीजों तक सार्थक बदलाव आएगा। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में पंजाब के शीर्ष स्थान का हवाला देते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने मिशन समर्थ 2026-27 के हिस्से के रूप में उपस्थिति ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत की है। उन्होंने कहा, अभिभावकों को उनके बच्चे की उपस्थिति के बारे में रोजाना एसएमएस प्राप्त होंगे और हर गैर-उपस्थिति की जानकारी भी दी जाएगी। इसका उद्देश्य नियमित उपस्थिति, सीखने की रुचि और विभिन्न गतिविधियों में बच्चे की भागीदारी बढ़ाना है। सात दिनों तक गैर-उपस्थित रहने वाले बच्चे से जिला स्तर पर अभिभावकों से संपर्क किया जाएगा, जबकि 15 दिनों से अधिक गैर-उपस्थिति पर अभिभावकों को सूबे के मुख्य दफ्तर से संपर्क करना होगा। यह सीखने की निरंतरता और बच्चों की सुरक्षा दोनों को सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम की महत्ता पर जोर देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा, मिशन समर्थ ने क्लासरूम की नुहार बदल दी है। यह चरण उपस्थिति ट्रैकिंग, बेहतर निगरानी और उत्कृष्ट अभ्यासों को साझा करके शिक्षा के मानक और जवाबदेही को बढ़ाने पर केंद्रित है।

शेष पृष्ठ 3 पर

'हम तो दिल्ली के ही थे, बीच में बिहार चले गए थे'; नीतीश ने बताया बिहार को कब मिलेगा नया सीएम

•'अब हम यहीं रहेंगे, वहां नए लोगों को मौका मिलेगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। 20 साल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा से अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। आज दोपहर वह दिल्ली के लिए रवाना हुए और अब शाम को पहुंच गए हैं। 10 अप्रैल को वह राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। सीएम नीतीश कुमार के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है। इसके लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। दिल्ली पहुंचने पर उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि अब हम यहीं रहेंगे, वहां नए लोगों को मौका मिलेगा। इससे पहले पटना एयरपोर्ट पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि 10 अप्रैल को दोपहर सवा 12 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का शपथ सांसद के रूप में सदन में होगा। खास बात यह है कि 10 अप्रैल को बिहार से केवल मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार ही शपथ लेंगे। इनके अलावा बिहार से निर्वाचित हुए नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा और शिवेश कुमार खरमास बाद शपथ लेंगे। चर्चा है कि 16 अप्रैल को यह चारों नेता शपथ लें।

•सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल

बंगाल में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। इस पीआईएल में चुनाव वाले राज्य पश्चिम बंगाल में कथित तौर पर राजनीतिक मकसद से की जा रही हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाओं से न्यायिक अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल निर्देश देने की मांग की गई है। अखिल भारत हिंदू महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष सतीश कुमार अग्रवाल द्वारा दायर इस याचिका में, संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र का हवाला दिया गया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पिछले कुछ सालों से राज्य में चुनावी हिंसा और सरकारी अधिकारियों के काम में रुकावट डालने का एक सिलसिला चल रहा है। इस याचिका में केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह 'सभी जरूरी कदम' उठाए, जिसमें अधिकारियों और आम जनता की सुरक्षा के लिए पर्याप्त केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती भी

शामिल है, ताकि पश्चिम बंगाल में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सकें। इसके साथ ही, राज्य सरकार को भी निर्देश देने की मांग की गई है कि वह चुनाव के दौरान और चुनाव के बाद के समय में भी कानून-व्यवस्था बनाए रखे।

पिछली घटनाओं का जिक्र करते हुए, याचिका में 2013 के ग्रामीण चुनावों के दौरान हुई हिंसा की रिपोर्टों का हवाला दिया गया है। इन चुनावों में कथित तौर पर 39 लोगों की जान चली गई थी, और बड़ी संख्या में सीटों पर बिना किसी मुकाबले के ही जीत हासिल कर ली गई थी, जिसके पीछे कथित तौर पर डराने-धमकाने की रणनीति काम कर रही थी। याचिकाकर्ता ने 2018 के पंचायत चुनावों का भी जिक्र किया है, जिसमें दावा किया गया है कि लगभग 20 लोगों की हत्या कर दी गई थी, और विपक्षी उम्मीदवारों को धमकियों और ज़ोर-जबरदस्ती के चलते अपना नामांकन दाखिल करने से रोक दिया गया था। याचिका में कहा गया है, 'पश्चिम बंगाल में बार-बार होने वाली राजनीतिक हिंसा की घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने में व्यवस्था पूरी तरह से विफल रही है।'

'वतन को जानो' से राष्ट्रीय एकता को मिल रही मजबूती: उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के 250 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने 'वतन को जानो' कार्यक्रम के तहत गुरुवार को उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से उपराष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति

•युवाओं को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया

ने प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं में प्रतिभा, ऊर्जा और संकल्प की झलक साफ दिखाई देती है। उन्होंने हाल ही में श्रीनगर स्थित कश्मीर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम की पहली बार रणजी ट्रॉफी जीत को युवा शक्ति और प्रगति का प्रतीक बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में युवाओं की उपलब्धियां राज्य के सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाती हैं। 'वतन को जानो' कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल युवाओं में साझा राष्ट्रीय पहचान, आत्मविश्वास और जागरूकता को बढ़ावा देती है तथा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करती है।उन्होंने जम्मू-कश्मीर को प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति की भूमि बताते हुए कहा कि यह वैश्विक पर्यटन केंद्र बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने युवाओं से

अपील की कि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहें और राज्य को शांति, समृद्धि और विकास का प्रतीक बनाने में योगदान दें। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के छात्र सिविल सेवा, आईआईटी और आईआईएम जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में जम्मू-कश्मीर में हुए विकास और युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं का उल्लेख किया।

झांसी में रूह कंपा देने वाले दोहरे हत्याकांड का खुलासा : गुजरात से लाई गई महिला की कुल्हाड़ी से हत्या, मासूम बेटे को जिंदा जलाया

झांसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से रूह को कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने सभी के दिलों को झकझोर कर रख दिया है। दरअसल एक शख्स ने अपनी प्रेमिका और उसके तीन वर्षीय मासूम बच्चे को गुजरात से झांसी लाकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। जहां महिला को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला, वहीं उसके मासूम बेटे को भूसे के ढेर में डालकर जिंदा जला दिया। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा महिला की पहचान होने के बाद बुधवार को हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उक्त घटना का पता 5 अप्रैल को चला था, जब झांसी जिले के लहचूरा क्षेत्र में सड़क किनारे एक महिला का शव बरामद हुआ। शुरुआत में शव की पहचान नहीं हो सकी। बरौटा गांव के प्रधान रामप्रसाद ने पुलिस को बताया कि जिस घर के पास महिला का शव मिला, वह चतुर्भुज का है। पुलिस ने चतुर्भुज की पत्नी हेमलता से फोन पर संपर्क किया, जिसने खुलासा किया कि वह दिल्ली में है और उसके पति चतुर्भुज के गुजरात की नीलू नाम की एक महिला से संबंध हैं। हेमलता ने बताया कि चतुर्भुज नीलू को अपनी पत्नी की तरह रखता है और उसके साथ उसका तीन साल का बेटा कृष्णा भी रहता है।

यूपी में किडनी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में किडनी तस्करी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट का लेकर खुलासा हुआ है। कानपुर पुलिस को गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले हैं, जिसमें एक में लिवर ट्रांसप्लांट की जानकारी सामने आई। इस समूह में 700 से अधिक सदस्य हैं, जिसमें किडनी और लिवर से जुड़े दलाल और आरोपी शामिल हैं। इससे पुलिस का ध्यान अब मानव अंगों की व्यापक तस्करी की ओर बढ़ गया है। किडनी कांड से जुड़े बड़े आरोपी बागपत निवासी परवेज सैफी को हाल ही में जेल भेजा गया। उसके पास से 9.05 लाख बरामद हुए। जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना गाजियाबाद का डॉ.रोहित अलग-अलग मोबाइल नंबरों के जरिए ऑपरेशन टीम, किडनी एजेंट और अन्य आरोपी सदस्यों से संपर्क करता था। उसकी सभी नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकाली जा रही हैं। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि पहले ही टेलीग्राम ग्रुप में किडनी डोनर से जुड़ी जानकारी मिली थी। अब लिवर डोनर वाले तीसरे ग्रुप की पहचान हुई है। गिरोह का दावा है कि यह लोग सिर्फ किडनी ही नहीं, बल्कि लिवर ट्रांसप्लांट भी करवा रहे थे।

फिर सामने आया महबूबा का पाकिस्तान प्रेम...संघर्ष को रुकवाने के लिए दिया धन्यवाद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को लेकर नई बहस छिड़ गई है, जिसमें पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और वर्तमान सीएम उमर अबदुल्ला के बयान चर्चा का केंद्र में हैं। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच हालिया तनाव और संघर्षविराम को लेकर दोनों नेताओं ने अलग-अलग बयान दिए हैं। जहां उमर ने कहा

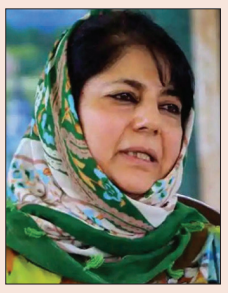

कि मौजूदा संघर्ष की असली कुंजी अब भी अमेरिका के हाथ में है। उनका मानना है कि यदि अमेरिका अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर इजराइल को नियंत्रित नहीं करता, तब संघर्षविराम लंबे समय तक टिक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि यह टकराव ईरान पर थोपा गया है और इसका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वैश्विक शक्तियां स्थिति को कैसे संभालती हैं। उमर ने लेबनान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताकर चेतावनी दी कि हालात बिगड़ने पर संघर्ष और भड़क सकता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बदलते बयानों की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि इस तरह की अस्थिर भाषा वैश्विक स्तर पर भ्रम और अस्थिरता पैदा करती है। साथ ही उन्होंने भारत-इजराइल संबंधों पर इशारा कर कहा कि इससे भारत की निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका सीमित हो सकती है। वहीं दूसरी ओर, महबूबा मुफ्ती ने संघर्षविराम को राहत भरा कदम बताया, लेकिन उनके बयान विवाद का कारण बन गए। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने संघर्ष के दौरान आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, जबकि अमेरिका पर नागरिक ठिकानों पर हमले करने का आरोप लगाया। उन्होंने ईरान की सराहना करते हुए कहा कि उसने दबाव के बावजूद मजबूती दिखाई। सबसे अधिक चर्चा उनके उस बयान पर हो रही है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ की। महबूबा के अनुसार, पाकिस्तान ने संघर्ष को विश्व युद्ध में बदलने से रोकने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शिमला में अप्रैल में दिसंबर जैसी ठंडी का अहसास... न्यूनतम तापमान .6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

शिमला(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अप्रैल माह में अभूतपूर्व ठंड दर्ज की गई है, इस ठंड ने पिछले 23 वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। बीती रात न्यूनतम तापमान गिरकर 3.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से करीब 7 डिग्री कम है। इससे पहले 22 अप्रैल 2021 को न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के 2003 से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यह अप्रैल की सबसे ठंडी रात रही। सिर्फ शिमला ही नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल में तापमान में भारी गिरावट देखी गई है। बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि के कारण मौसम जनवरी-फरवरी जैसा ठंडा हो गया है। राज्य के तीन शहरों में तापमान शून्य से नीचे चला गया, जबकि कई स्थानों पर यह 5 डिग्री से भी कम दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में भी बड़ी गिरावट आई है। राज्य का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 11 डिग्री कम रहा, जबकि कुछ जगहों पर यह गिरावट 14 डिग्री तक पहुंच गई। कांगड़ा में अधिकतम तापमान 18 डिग्री, मंडी में 18.7 डिग्री और मनाली में केवल 8.6 डिग्री दर्ज किया गया। शिमला में अधिकतम तापमान 11.4 डिग्री तक सीमित रहा। पिछले एक सप्ताह में राज्य में सामान्य से 169 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। 2 से 8 अप्रैल के बीच जहां सामान्यतः 16 मिमी वर्षा होती है, वहीं इस बार 43 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस असामान्य मौसम ने ठंड को बढ़ाने के साथ-साथ सेब के बगीचों को भी नुकसान पहुंचाया है।

समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य : भागवत

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में रेशीमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागपुर महानगर के घोष पथक के इतिहास पर आधारित 'राष्ट्र स्वराधना' नामक हस्तलिखित ग्रंथ के लोकार्पण मौके पर सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने कहा कि संघ के घोषदल में विभिन्न वाद्य यंत्र होते हैं, जिनके स्वर और ध्वनि अलग-अलग होते हुए भी स्वयंसेवक एक ही ताल पर चलते हैं। इससे समन्वय और एकता की भावना विकसित होती है। जब कोई कार्य मन और पूरी निष्ठा के साथ होता है, तब उसका परिणाम इसी रूप में प्रकट होता है और सत्यम-शिवम-सुंदरम का अनुभव होता है। समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य है। इस मौके पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, सह संघचालक श्रीधरजी गाडगे, महानगर संघचालक राजेश लोया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नागपुर महानगर घोष वादकों ने विभिन्न रचनाएँ एवं प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किए। सरसंघचालक भागवत ने कहा कि संघ के सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य संस्कारों का निर्माण करना है। सुदृढ़ शरीर और संस्कारित मन के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण जीवन की दिशा में आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य है। इस दृष्टि से 'राष्ट्र स्वराधना' का हस्तलिखित इतिहास अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय बीत जाता है, कार्य खड़ा हो जाता है, परंतु जो मौलिक गुणवत्ता शुरुआत में थी, उस गुणवत्ता को अंत तक बनाए रखना महत्वपूर्ण बात है। हमने कार्य विकट परिस्थिति में कैसे खड़ा किया और किस उद्देश्य से किया, इसका सदैव स्मरण हस्तलिखित ग्रंथ देने वाला है। स्वयंसेवक पेशेवर गायक या वादक न होते हुए भी, अपने दैनिक कार्यों को संभालते हुए, बिना सामने कागज रखे इतनी सारी रचनाएँ कैसे प्रस्तुत कर लेते हैं, इस पर लोगों को आश्चर्य होता है। परंतु चमत्कार करना संघ का उद्देश्य नहीं होता, वह स्वयं घटित हो जाता है। पूर्व स्वयंसेवकों के सदुण इन रचनाओं में मिलते हैं और दिखाई देते हैं। भाव तभी उत्पन्न होता है, जब वादक मनःपूर्वक वादन करता है। उन्होंने कहा कि संघ का काम किसी की कृपा से आगे नहीं बढ़ा और न ही किसी की अवकृपा से संघ का काम रुका है। यह सबकुछ लाखों स्वयंसेवकों के परिश्रम से साकार हुआ है। संघ को अपना मानकर संघ के विचार के अनुसार राष्ट्र का स्वरूप खड़ा करने में सभी स्वयंसेवकों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी, इसकारण संघ आज देश को दिशा दर्शन करने वाली शक्ति का रूप लेकर खड़ा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का इस वर्ष शताब्दी वर्ष है। संगठन के निरंतर कार्य को सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह कोई उत्सव (सेलिब्रेशन) नहीं है, बल्कि यह आत्मावलोकन का अवसर है पूर्वजों का स्मरण करते हुए और अधिक उन्नत स्थिति की ओर बढ़ने का प्रयास है। आज के स्वयंसेवकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने पूर्वजों के कार्यों का मूल्यांकन करें और स्वयं को उनके साथ तुलना कर आगे बढ़ें। पूर्वजों द्वारा किए गए कार्य को केवल सुरक्षित रखना ही नहीं, बल्कि उसे और अधिक उन्नत रूप में आगे ले जाना वर्तमान पीढ़ी का कर्तव्य है।

इंदौर में वंदे मातरम गाने से इंकार पर बवाल, कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख सदन से सस्पेंड

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर नगर निगम के बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्टी की महिला पार्षद ने वंदे मातरम गाने इंकार किया, इसके बाद विवाद खड़ा हो गया। यह घटना तब हुई, जब कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम बैठक में देर से पहुंचीं। बताया जाता है कि भाजपा पार्षदों ने फौजिया से वंदे मातरम गाने का अनुरोध किया, इस अनुरोध को उन्होंने अस्वीकार किया। इसके बाद भाजपा पार्षदों ने हंगामा कर नारे लगाए। बाद में, अध्यक्ष मुन्नालाल यादव ने फौजिया को एक दिन के लिए बैठक से निलंबित किया। अध्यक्ष मुन्नालाल ने बताया कि वंदे मातरम गीत को 150 वर्ष पूरे हो चुके हैं और केंद्र ने दिशानिर्देश जारी किए हैं कि इस सभी सरकारी कार्यालयों में गाया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्षद फौजिया वंदे मातरम गाने के दौरान अनुपस्थित रहीं और बाद में सदन में आकर कार्यवाही में बाधा डालने लगीं। जब सदस्यों ने बताया कि उन्हें उस समय उपस्थित रहना चाहिए था, तब उन्होंने गीत के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस बीच, कांग्रेस पार्षद रुबीना खान ने कहा कि वह पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हैं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं। उन्होंने कहा कि उस दिन क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है। रुबीना ने कहा कि फौजिया बोल रही थीं और मुझे नहीं पता कि उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने कहा कि वह वंदे मातरम नहीं गाएंगी। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया और अध्यक्ष ने उन्हें एक दिन के लिए निष्कासित कर दिया। मैं पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हूं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं, लेकिन आज क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है।

नितिन नबीन ने कहा- ममता बांग्लादेशियों की तो भाजपा बंगालियों की करती है चिंता

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों से लेकर नेताओं की बयानबाजी तक पर बेबाक टिप्पणी की है। एक विशेष बातचीत के दौरान, नबीन ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने केवल बांग्लादेशियों के हितों की चिंता की है, जबकि राज्य की आम जनता को उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता की असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी।

तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नामलाई की नाराजगी की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि पासपोर्ट के नाम पर शब्दों के साथ जो खेल खेला गया है, उसकी सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके ज्ञान का दायरा काफी सीमित है और एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा ही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गुजरात और 'सांप' वाले बयान पर भी नबीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि गुजरात सरदार पटेल और महात्मा गांधी की भूमि है, जहां से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। खड़गे के बयान को मूर्खतापूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी हार स्वीकार करने के बजाय कभी ईवीएम तो कभी जनता पर दोष मढ़ती है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'सांप' वाली टिप्पणी से खड़गे ने सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश की है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी।

जयशंकर से मिले बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा- शेख हसीना को वापस भेजो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच बीते साल उपजे कूटनीतिक तनाव के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में सुधार की नई कवायद शुरू हो गई है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बांग्लादेश के नवनियुक्त विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर भारत पहुंचे हैं। बुधवार को नई दिल्ली में उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की। इस यात्रा को ढाका की नई सरकार द्वारा भारत के साथ पारस्परिक विश्वास और सम्मान के आधार पर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। बैठक के केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का मुद्दा रहा। बांग्लादेश द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री रहमान ने शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के प्रत्यर्पण का अनुरोध दोहराया।

हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस विशिष्ट मुद्दे का कोई उल्लेख नहीं किया गया, जो इस विषय पर भारत की संवेदनशीलता को दर्शाता है। गौरतलब है कि अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और हिंसक प्रदर्शनों के बाद से शेख हसीना ने भारत में शरण ली हुई है, जबकि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

इन मतभेदों के बावजूद, दोनों पक्षों के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि शेख हसीना की उपस्थिति द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य में बाधा नहीं बननी चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उपायों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और सहयोग के नए मार्ग प्रशस्त करने का इच्छुक है। इस उच्च स्तरीय यात्रा के दौरान व्यापार, ऊर्जा और जन-संपर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी बातचीत हुई। भारत ने आश्वासन दिया है कि आने वाले हफ्तों में बांग्लादेशी नागरिकों के लिए चिकित्सा और व्यावसायिक वीजा जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। इसके अलावा, बांग्लादेश ने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपियों को पकड़ने में भारत के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कुल मिलाकर, यह यात्रा दर्शाती है कि दोनों पड़ोसी देश पिछले एक साल के तनाव को पीछे छोड़कर एक नई और स्थिर साझेदारी की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम का रक्षामंत्री बनने पर दी बधाई, रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वियतनाम में नई नियुक्तियों पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री बनने पर बधाई दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत वियतनाम के लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। वियतनाम की 16वीं राष्ट्रीय सभा ने अपने पहले सत्र के दौरान इसे मंजूरी दी, जो प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के नेतृत्व में 2026-2031 कार्यकाल के लिए नई सरकार का हिस्सा है। यह नियुक्ति 8 अप्रैल को आधिकारिक रूप से घोषित की गई थी। इसी के बाद भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को बधाई दी। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर जनरल फान वान जियांग के साथ की एक फोटो पोस्ट कर लिखा, 'सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्ति पर जनरल फान वान जियांग को हार्दिक बधाई। भारत आपके निरंतर नेतृत्व में सुरक्षा, सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उद्योग सहयोग के क्षेत्रों में अपने लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने तथा सहयोग को और गहरा करने के लिए तत्पर है। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारी साझेदारी और भी अधिक सुदृढ़ होती जाएगी।'

राघव चड्ढा के किस तरफ बढ़ रहे हैं सियासी कदम, खुद की पार्टी बनाने में दिख रही दिलचस्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच बढ़ती दूरियां अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई हैं। पार्टी की ओर से की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और चड्ढा के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दिल्ली से लेकर पंजाब तक की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। हर किसी की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या राघव चड्ढा आप से नाता तोड़कर अपनी नई राह चुनेंगे।

हाल ही में राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की, जिसने उनके भविष्य की योजनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। इस रील में एक सोशल मीडिया क्रिएटर ने सुझाव दिया है कि चड्ढा को अब अपनी खुद की पार्टी बना लेनी चाहिए, जिसे जेन-जी पार्टी जैसा कोई नाम दिया जा सकता है। क्रिएटर का तर्क है कि किसी दूसरी पार्टी में जाने के बजाय अपनी पार्टी बनाने से उन्हें युवाओं का एकतरफा समर्थन मिलेगा। चड्ढा ने इस रील को दिलचस्प विचार करार देते हुए साझा किया है, जिसे उनके संभावित विद्रोह के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

विवाद की जड़ें पिछले कुछ समय से पार्टी के भीतर पनप रहे असंतोष में छिपी हैं। करीब एक हफ्ते पहले, आप ने चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाकर उनकी जगह अशोक कुमार मित्तल को नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही उन पर संसद में पार्टी कोटे से बोलने पर भी रोक लगा दी गई। पार्टी नेताओं-अतिशी और सौरभ भारद्वाज-ने चड्ढा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनमें बीजेपी के प्रति नरम रुख अपनाना, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार करना और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के दौरान उनकी अनुपस्थिति जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। अतिशी ने तो सीधे तौर पर सवाल किया कि क्या चड्ढा प्रधानमंत्री मोदी से सवाल करने में डरते हैं?

इन आरोपों के बीच राघव चड्ढा ने एक बेहद सांकेतिक संदेश साझा किया। उन्होंने रॉबर्ट ग्रीन की प्रसिद्ध पुस्तक की तस्वीर पोस्ट की, जिसका पहला अध्याय है-नेवर आउटशाइन द मास्टर (अपने गुरु से अधिक मत चमको)। चड्ढा का यह पलटवार इशारा करता है कि पार्टी के भीतर उनकी बढ़ती लोकप्रियता ही शायद उनके खिलाफ हुई कार्रवाई का असली कारण है। फिलहाल, चड्ढा ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके दिलचस्प विचार ने यह साफ कर दिया है कि वह खामोश बैठने के मूड में नहीं हैं।

तमिलनाडु में अफसरों के तबादले पर सियासी संग्राम, स्टालिन ने चुनाव आयोग पर लगाए पक्षपात के आरोप

सीएम, बोले- डीएमके की जीत रोकने की कोशिश ; विपक्ष की शिकायतों के बाद हुई कार्रवाई

चेन्नई (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा तमिलनाडु में वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले के फैसले पर सियासी विवाद गहराता जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने इस कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी स्तर के अधिकारियों को हटाते हुए नई नियुक्तियां कीं। मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदन की जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम. साई कुमार को नियुक्त किया गया है, जबकि डीजीपी (सशस्त्र पुलिस, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक) एस. डेविडसन देवसीर्वाथम की जगह 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी संदीप मित्तल को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हटाए गए अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव-संबंधित पद पर नियुक्त न किया जाए। यह कदम विपक्षी दलों की उन शिकायतों के बाद उठाया गया, जिनमें आरोप लगाया गया था कि राज्य का प्रशासनिक तंत्र सत्तारूढ़ डीएमके के पक्ष में काम कर रहा है।

इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एमके स्टालिन ने सवाल उठाया कि हाल ही में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने तमिलनाडु की कानून-व्यवस्था को संतोषजनक बताया था, फिर अचानक ऐसा क्या बदल गया कि इतने बड़े स्तर पर तबादले करने पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ÷बीजेपी की एक शाखा÷ की तरह काम कर रहा है और यह कदम डीएमके की संभावित जीत को रोकने की कोशिश है।

स्टालिन ने यह भी दावा किया कि ये तबादले विशेष रूप से विपक्षी दल एआईएडीएमके और उसके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी को फायदा पहुंचाने के लिए किए गए हैं। उन्होंने सेलम की

कलेक्टर वृंदा रवि के तबादले का भी उल्लेख करते हुए इसे राजनीतिक रणनीति बताया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सवाल उठाया कि क्या इसी तरह की कार्रवाई बिहार चुनावों के दौरान भी की गई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदमों से डीएमके को नहीं रोका जा सकता और उनकी पार्टी चुनाव में मजबूती से उभरेगी। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति को और गरमा दिया है।

महानगरों में हर साल ट्रैफिक जाम के कारण 1.8 लाख करोड़ का नुकसान... अहमदाबाद बीआरटीएस सिस्टम समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर केवल यातायात तक सीमित नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और लोगों की उत्पादकता पर दिख रहा है। एक अनुमान के अनुसार दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में हर साल करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान ट्रैफिक जाम के कारण होता है। यदि समय रहते इसका समाधान नहीं हुआ, तब सिर्फ दिल्ली में ही 2030 तक सालाना 14.6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिसमें ईंधन और मानव संसाधन की बर्बादी शामिल है।

इस समस्या की बड़ी वजह निजी वाहनों की बढ़ती संख्या है, लेकिन मूल कारण सार्वजनिक परिवहन, खासकर बस सेवाओं की खराब स्थिति है। बसों की संख्या कम है और वे निर्धारित समय पर नहीं चल पातीं, क्योंकि उनके लिए अलग लेन नहीं होती। इससे यात्रियों को यात्रा का सही समय अनुमानित नहीं हो पाता। यदि बसों के लिए अलग लेन (लेन सिस्टम) लागू किया जाए, तब वे मेट्रो की तरह भरोसेमंद बन सकती हैं।

अहमदाबाद का बीआरटी (बस रैपिड ट्रांजिट) मॉडल इस समस्या का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। यहां बने बीआरटी कॉरिडोर में बसों की औसत गति 25-30 किमी प्रति घंटा रहती है, जो मेट्रो की औसत गति (लगभग 35 किमी/घंटा) के काफी करीब है। इससे यात्रा का समय 20-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है और ईंधन की भी बचत होती है। इसकी लागत भी मेट्रो के मुकाबले काफी कम होती है, लगभग 10 से 40 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर। इस मॉडल का एक और बड़ा फायदा यह है कि करीब 22 प्रतिशत लोगों ने निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन अपनाया है। इस तरह के सफल बीआरटी सिस्टम सूरत और राजकोट में भी देखने को मिलते हैं। हालांकि, इसतरह के कॉरिडोर उन्हीं सड़कों पर प्रभावी होते हैं जिनकी चौड़ाई कम से कम 24 से 30 मीटर हो। साथ ही, बस लेन को इस तरह डिजाइन करना जरूरी है कि उसमें अन्य वाहन प्रवेश न कर सकें।

वहीं, दिल्ली में बीआरटीएस का अनुभव असफल रहा, जिसका कारण संकरी सड़कों पर निर्माण, भीड़भाड़ वाले चौराहों पर उचित ढांचे की कमी और कमजोर एन्फोर्समेंट था। इन गलतियों से सीख लेकर यदि अन्य शहरों में बेहतर योजना और क्रियान्वयन के साथ बीआरटी सिस्टम लागू किया जाए, तब ट्रैफिक जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

'आप' ऐसी पहली पार्टी है जिसके एजेंडे में सरकारी स्कूल शामिल हैं और आज स्कूलों को लगातार ग्रांट मिल रही हैं: हरजोत सिंह बैंस

प्रथम पृष्ठ का शेष

हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चे के लिए, बुनियादी शिक्षा का आधार मजबूत हो। अपनी सफलता की यात्रा के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, मैं इस जिम्मेदारी (शिक्षा मंत्री होने) के लिए आभारी हूं। पहले हर विधायक मंत्री बनना चाहता था, लेकिन शिक्षा मंत्री नहीं। पर मेरे लिए यह एक पसंदीदा काम रहा है। पंजाब सरकार के शिक्षा में निवेश के बारे में बताते हुए मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 2021-22 में शिक्षा बजट 12,657 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 2026-27 में 19,279 करोड़ रुपए कर दिया, जो पंजाब के किसी भी क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी आवंटन राशि है। यह पैसा सिर्फ कागजों में नहीं, बल्कि हर स्कूल तक पहुंच गया है। पिछली सरकारों के दौरान शिक्षकों को शौचालय की मरम्मत या झाड़ू खरीदने के लिए चंदा इकट्ठा करना पड़ता था, लेकिन अब वे कहते हैं कि ग्रांट न भेजो, हम पिछली ग्रांट भी पूरी तरह खर्च नहीं कर पाए। उन्होंने भगवंत मान सरकार के शासन में स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार पर और जोर देते हुए कहा कि 500 से अधिक विद्यार्थियों वाले हर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अब एक समर्पित कैंपस मैनेजर है, जबकि 100 से अधिक विद्यार्थियों वाले स्कूलों को सुरक्षा गार्ड और सेनिटेशन स्टाफ प्रदान किया गया है। पहले ये सुविधाएं स्कूलों में उपलब्ध नहीं थीं। शैक्षणिक सुधारों के बारे में शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि अब विद्यार्थियों को समय पर पाठ्य-पुस्तकें पहुंच रही हैं। उन्होंने आगे कहा, पहले शिक्षक बच्चों को फोटोकॉपी करवाकर सिलेबस पूरा करवाने के लिए मजबूर थे क्योंकि उन्हें सितंबर या अक्टूबर तक किताबें नहीं पहुंचती थीं। इस साल पंजाब सरकार ने प्राइवेट स्कूल की तरह हर बच्चे को 1 अप्रैल तक पूरी पाठ्य-पुस्तकें मुफ्त उपलब्ध कराई हैं। यह सरकार की सुचारू योजना और राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण ही संभव हो सका। मिशन समर्थ 4.0 के मुख्य उद्देश्य के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि तीसरी से आठवीं कक्षा के बच्चे पढ़ने, लिखने और गणित में महारत हासिल करें। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, रोपड़ के गांव गरदले के 8वीं कक्षा के एक विद्यार्थी ने कहा, 'मैं 5वीं कक्षा पास कर चुका था, लेकिन कुछ नहीं जानता था। समर्थ का बहुत धन्यवाद, अब मैं आपसे पूरे आत्मविश्वास के साथ बात कर सकता हूं।' नतीजे अब राष्ट्रीय आंकड़ों में भी साफ दिखाई दे रहे हैं। पंजाब अब बुनियादी शिक्षा में राष्ट्रीय औसत के लिहाज से तीसरी कक्षा में 18 प्रतिशत और छठी कक्षा में 26-28 प्रतिशत से भी आगे पहुंच गया है। यही हमारा असली तमगा है। मंत्री हरजोत सिंह बैंस और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मिशन समर्थ कॉम्पेंडियम भी जारी किया, जिसमें पंजाब के शिक्षकों द्वारा विकसित किए गए 38 जांचे-परखे क्लासरूम अभ्यासों को दस्तावेज़ी रूप दिया गया है ताकि इन्हें सरकारी स्कूलों तक पहुंचाकर सीखने के नतीजों में तेजी लाई जा सके और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहायता देकर उन्हें आगे की कतार में लाया जा सके। मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि मिशन समर्थ पहले ही भारत के सबसे बड़े बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से एक बन गया है, जो लगभग 12 लाख विद्यार्थियों को कवर करता है और इसमें सालाना 70,000 से अधिक शिक्षकों की भागीदारी होती है। इसकी स्तर-आधारित शिक्षण पद्धति से विद्यार्थियों को ग्रेड की बजाय उनके सीखने के स्तर के अनुसार समूहबद्ध किया जाता है, जिसके कारण पंजाब परख में शीर्ष स्थान हासिल करने में सफल हुआ है। मनीष सिसोदिया ने कहा, पंजाब ने साबित कर दिया है कि सरकारी स्कूल देश का नेतृत्व कर सकते हैं। परख 2024 में अव्वल होना इसका स्पष्ट प्रमाण है। मिशन समर्थ 4.0 के साथ राज्य यह सुनिश्चित कर रहा है कि हर बच्चा हर रोज स्कूल जाए और पूरी लगन से कुछ सीखकर आए। यह वैश्विक उत्कृष्टता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। सुधारों के पीछे की सोच पर बात करते हुए उन्होंने कहा, हर बच्चे को आईआईटी नहीं भेजा जा सकता, लेकिन सरकार का फर्ज यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी बच्चे की कार्यगुजारी बॉटम लाइन से नीचे न जाए। क्योंकि अगर किसी भी सिस्टम में कोई बच्चा इस लाइन से नीचे चला जाता है तो इसका अर्थ सरकार की नाकामी होगी। बच्चे आंकड़ों को नहीं, उम्मीद को दर्शाते हैं और उम्मीद को बॉटम लाइन से नीचे नहीं छोड़ा जा सकता। जवाबदेही की महत्ता को उजागर करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा, देश भर में लोग शिक्षा मंत्रियों, प्रधानमंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के भाषण पढ़ते हैं। लेकिन सिर्फ भाषण जिंदगियां नहीं बदलते, यह सिर्फ कामों से बदली जा सकती हैं। कामों में लगे अभिभावकों को एक साधारण संदेश मिलता है- 'आपका बच्चा सुरक्षित रूप से स्कूल पहुंच गया है।' यह जवाबदेही वास्तविक समय का भरोसा है और हजारों बयानों से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस मौके पर स्कूल शिक्षा सचिव सोनाली गिरी ने सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर विद्यार्थी और अभिभावक सरकारी स्कूल का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस करे। पंजाब ने नया मानदंड स्थापित किया है और मिशन समर्थ इसे और ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इस अवसर पर डायरेक्टर एससीईआरटी किरण शर्मा, सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन की एडवाइजरी बोर्ड सदस्य श्वेता शर्मा कुकरेजा और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। भगवंत मान सरकार के प्रमुख कार्यक्रम मिशन समर्थ के तहत बच्चों को ग्रेड की बजाय उनके सीखने के स्तर के अनुसार शिक्षा प्रदान करने के लिए एक केंद्रित, क्लासरूम-संचालित दृष्टिकोण अपनाया जाता है, जिसमें अंतर की पहचान के लिए नियमित मूल्यांकन, गतिविधि-आधारित प्रशिक्षण और शिक्षकों के लिए निरंतर सलाह शामिल है। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में पंजाब बेहतर प्रदर्शन वाले राज्य के रूप में उभरा है, इसलिए पंजाब सरकार ने अब शिक्षा में राष्ट्रीय स्तर से वैश्विक उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए मिशन समर्थ 2026-27 की शुरुआत की है। इस चरण के अंतर्गत राज्य स्तरीय उपस्थिति ट्रैकिंग प्रणाली शुरू की गई है, जिसके तहत अभिभावकों को उनके बच्चे की उपस्थिति के बारे में रोजाना एसएमएस प्राप्त होंगे, जिसमें हर गैर-उपस्थिति की जानकारी दी जाएगी। यह प्रणाली नियमित उपस्थिति को बेहतर बनाने, सीखने की निरंतरता सुनिश्चित करने, क्लासरूम में भागीदारी बढ़ाने और स्कूल व अभिभावकों के बीच मजबूत जवाबदेही बनाने के लिए तैयार की गई है तथा यह उपस्थिति और सीखने के नतीजों के बीच संबंध को और मजबूत करेगी।

एमसीडी का बड़ा डिजिटल कदम, 1514 स्कूलों के लिए वेब एप्प लॉन्च

नई दिल्ली। एमसीडी ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा डिजिटल कदम उठाते हुए अपने 1514 स्कूलों के लिए एक अत्याधुनिक वेब एप्प लॉन्च किया है। इस एप के जरिये अब अभिभावक घर बैठे ही अपने बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति, गृहकार्य और स्कूल गतिविधियों की पूरी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने 500 प्रतिभाशाली छात्रों को 1000-1000 रुपये की छात्रवृत्ति भी एक क्लिक के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की। यह छात्रवृत्ति सनग्रो कंपनी के सहयोग से प्रदान की गई। कार्यक्रम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। महापौर ने कहा कि इस वेब एप्प के माध्यम से अभिभावक अपने बच्चों की दैनिक उपस्थिति, गृहकार्य, कक्षाकार्य और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी रियल टाइम में देख सकेंगे। इससे स्कूल और अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा और बच्चों की पढ़ाई पर अधिक प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष में शिक्षा के क्षेत्र में कई योजनाएं शुरू की गई हैं और यह वेब एप्प उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि निगम के पास समर्पित और कुशल शिक्षकों की मजबूत टीम है, जो बच्चों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और निगम इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। वहीं, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने कहा कि यह वेब एप्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल और तकनीक आधारित शिक्षा के विजन को आगे बढ़ाने वाला कदम है। उन्होंने बताया कि क्यूआर कोड के माध्यम से अभिभावक आसानी से एप्प तक पहुंच सकते हैं और स्कूल से जुड़ी हर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वर्मा ने यह भी बताया कि पीएम श्री और सीएम श्री स्कूलों की तर्ज पर 24 निगम श्री विद्यालय भी शुरू किए हैं

NAME CHANGE
I, SAHIL S/O MOHD IQBAL Residing at H No-A-19/A GALI NO-1/3 BHAGIRATHI VIHAR PHASE-1 GOKALPUR North East, Delhi-110094 have changed my name to MOHD SAHIL for all future purpose.

NAME CHANGE
I,RAVITA W/O OM KUMAR R/O MUNDA KHERA (78), JHAJJAR, HARYANA-124105, HAVE CHANGED MY NAME TO REETU FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SATYPAL VERMA S/o Chandu Lal Verma R/o H.No.2/3-C, B Block, Gopal Nagar, Najafgarh, New Delhi-110043, have changed my name to SATYAPAL VERMA for all purposes.

NAME CHANGE
I, YOGENDER MEHTA S/o Bansi Mehta R/o Part 31-A, Jwala Nagar, Ambedkar Park, Shahdara, Delhi-110032 , have changed my name to JOGINDER MEHTA permanently.

NAME CHANGE
I hitherto known as ANAND KUMAR alias MUNNA S/o RAGHUNATH residing at Khasra No.8/2/2, Sharma Enclave, Mubarak Pur Dabas, North West Delhi, Delhi-110081, have changed my name and shall hereafter be known as MUNNA.

NAME CHANGE
I, Kanishka Yadav D/o Jitender Kumar Yadav R/o 133-A DDA flats sunlight colony-2 Jungpura S.O. South Delhi, Delhi -110014 declare that in 10th class certificate my father name is wrongly mentioned as Jitendra Yadav. Now I have changed my father's name from Jitendra Yadav to Jitender Kumar Yadav for all future purpose.

NAME CHANGE
I Raj kumar s/o late sh. Suresh jindal Add. 4605-06, gali no 13 Jai mata market, Tri Nagar, North West, Delhi 110035 Changed my name to Raj kumar Jindal

NAME CHANGE
I Navin Bansal S/O Shri Amar Nath Bansal , R/O House No -171 , Sector - 19 , Faridabad, Haryana 121002 Chnaged My Name To Naveen Bansal

NAME CHANGE
I, No-15438454X Rank-L/NK Name-DABHAKUTI YUGANDHAR Father of DABHAKUTI JOSHIT Presently residing at HOUSE NO 8-30, VILL-KANAGALA, TEH-CHERUKUPALLI, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522259, have changed my minor son's name from DABHAKUTI JOSHIT to DABBAKUTI JOSHITH for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHANTA PRADHAN Mother of JC-584497N Rank-NB/SUB, Name-SAROJ PRADHAN Residing at VILL-UPPER SIRISAY AMBOOTIA, PO-KURSEONG, DIST-DARJEELING, WEST BENGAL-734203, have changed my name from SHANTA PRADHAN to SHANTA NEBARANI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 23/07/1949 instead of my correct date of birth as 01/01/1952 vide Affidavit dated 09/04/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, SABITA LEPCHA Wife of JC-584497N Rank-NB/SUB, Name-SAROJ PRADHAN Residing at VILL-UPPER SIRISAY AMBOOTIA, PO-KURSEONG, DIST-DARJEELING, WEST BENGAL-734203, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 25/08/1985 instead of my correct date of birth as 28/08/1993 vide Affidavit dated 09/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SALEEM S/O NAZEER KHAN R/O E13/R-157, T-HUTS, E-13 R, NEW SEELAMPUR, DELHI 110053. have Changed my name to SALEEM KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, TILAK RAJ S/o Ram Malik R/o 672/A, Sheetla Nagar, Rohtak, Haryana-124001 , have changed my name from TILAK RAJ to RAJ TILAK permanently.

NAME CHANGE
I, RAJESH S/O SUKHVIR R/O U-934 U BLOCK VAISHNAV ENCLAVE JAIL ROAD BADSHAHPUR GURGAON HARYANA-122101, HAVE CHANGED MY NAME TO RAJESH KUMAR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, SACHIN KUMAR GUPTA S/O ANAND KUMAR GUPTA R/O HOUSE NO-298/8, JACUB PURA,GURGAON, HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO SACHIN GUPTA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I,MANOJ TIWARI S/O GORAKH TIWARI R/O HOUSE NO-258,HUDA PLOT,NEAR KENDRIYA VIHAR,SECTOR-56,GURGAON,HARYANA-122011,HAVE CHANGED MY NAME TO MANOJ KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SACHIN KUMAR SAWANT S/O SUSHIL KUMAR SAWANT R/O 1/5790,GALI NO-13, NEAR ARWACHIN SACHOOL,OLD BALBIR NAGAR CHOWK, SHAHDARA, EAST DELHI,DELHI-110032, HAVE CHANGED MY NAME TO SACHIN SAWANT FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, BHOSALE REKHA SURESH, is legally mother of Army No. 2817629P, Rank – Nk, Name – BHOSALE HEMANT SURESH, presently residing at Vill – Borgaon, Post – Borgaon, Teh – Koregaon, Dist – Satara, State – Maharashtra, Pin – 415511, have changed my name from BHOSALE REKHA SURESH to REKHA SURESH BHOSALE for all future purposes. Vide affidavit dated 09/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, LALITABAI, is legally mother of Army No. 2814048M, Rank – Sep, Name – RAUT NILESH DINKAR, presently residing at Vill – Panaj, Post – Panaj, Teh – Akot, Dist – Akola, State – Maharashtra, Pin – 444101, have changed my name from LALITABAI to LALITA DINKARRAO RAUT for all future purposes. Vide affidavit dated 09/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I GOURI SHANKAR legally father of Army no -2804657 H, Rank - HAV, Name - JIVANLAL BIJAPARI, Presently residing At - Kanad, Post-kanad, Teh - agar malwa, Dist - agar Malwa, State- M P, Pin - 465230 have changed my name from GOURI SHANKAR to GORISHANKAR BIJAPARI and date of birth 31/03/1958 to 01/01/1956 for all future purposes Vide Affidavit Dated 09/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I KANTABAI legally monther of Army no -2804657H, Rank - Hav, Name - JIVANLAL BIJAPARI presently residing At - Kanad, Post- kanad Teh - Agar Malwa, Dist - Agar Malwa, Pin - 465230 State- M P have changed my name from KANTABAI to KANTA BAI BIJAPARI and date of birth is 31/03/1961 to 01/01/1966 for all future purposes Vide affidavit dated 09/04/2026 before Notary Delhi .

सार्वजनिक सूचना
मैं अनीस परवेज़ सुपुत्र मो. हनीफ निवासी 496 जी.एच.-9 पश्चिम विहार नई दिल्ली-110087, यह घोषणा करता हूं कि मेरे पुत्र रेहान सिद्दीकी के स्कूल रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम गलती से शगुफ्ता अली (Shagufta Ali) दर्ज हो गया है। जबकि उनका वास्तविक और सही नाम शगुफ्ता परवीन (Shagufta Parveen) है। भविष्य में सभी कार्यों व पर्यायों हेतु मेरी पत्नी को शगुफ्ता परवीन (Shagufta Parveen) के नाम से जाना जाए। मैं यह घोषणा स्कूल के दस्तावेजों में सुधार हेतु कर रहा हूँ।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती संजीवा देवी (खरीदार) ने उज्जिवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड की शाखा, पता- भूतल, दुकान संख्या 20, तहखाना, सेक्टर 14, गुड़गांव से, 237 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली कार्यालय इकाई संख्या जी-248, यूएफजी (अतिरिक्त संपत्ति) के लिए आवास ऋण की स्वीकृति और वितरण हेतु संपर्क किया। यह संपत्ति सुशांत शॉपिंग आर्केड, जी ब्लॉक, सुशांत लोक फेज-1, गुड़गांव 122009, हरियाणा में स्थित है। हरकमल जीत सिंह महल (हिंदू अविभाजित परिवार) अपने कर्ता हरकमल जीत सिंह महल (विक्रेता) के माध्यम से बिक्री विलेख/हस्तांतरण विलेख दस्तावेज़ संख्या 16738, बुक संख्या 1, दिनांक 09.03.2004 के अनुसार उक्त संपत्ति का मालिक था, जिसे मेसर्स अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा निष्पादित किया गया था। एक हिस्सेदार श्री सिमरनजीत सिंह पुत्र हरकमलजीत सिंह महल का निधन हो गया है। मृत्यु के समय अविवाहित थीं। अब उक्त संपत्ति को हरकमल जीत सिंह महल (हिंदू अविभाजित परिवार) अपने कर्ता श्री हरकमल जीत सिंह महल के माध्यम से श्रीमती संजीवा देवी, पत्नी श्री मनोज कुमार यादव को बेचना चाहता है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था/वित्तपोषक/बैंक का उक्त संपत्ति में दस्तावेजों के आधार पर या अन्यथा किसी भी प्रकार का अधिकार, दावा, हक या हित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने दावे को संबंधित दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा इसके बाद किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

दीपक मलिक (अधिवक्ता)
दुकान क्र 2, कटारिया कॉम्प्लेक्स
दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव

NAME CHANGE
I, M IRULAYAMMAL Mother of No-2617259W Rank-HAV Name-SATHEES KUMAR M residing at VILL-KODAPPARAI, PO-SIPPIPARAI, TEH-KOVIL PATTI, DIST-THOOTHUKUDI (TUTICORIN), TAMILNADU-627713, have changed my name from M IRULAYAMMAL to IRULAYIAMMAL M for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MUTHU KUMAR Father of No-2617259W Rank-HAV Name-SATHEES KUMAR M residing at VILL-KODAPPARAI, PO-SIPPIPARAI, TEH-KOVIL PATTI, DIST-THOOTHUKUDI (TUTICORIN), TAMILNADU-627713, have changed my name from MUTHU KUMAR to MUTHUKUMAR S for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-2617293W Rank-LNK Name-MURUGAN S Father of M HARIMUKUNDAN Presently residing at VPO-URMELALAGIAN, TEH-TENKASI, DIST-TIRUNELVELI, TAMILNADU-627852, have changed my minor son's name from M HARIMUKUNDAN to HARI MUKUNDAN M for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Vipin Rajpal Sharma S/o Kishan Chand R/o House No. 914, Sector 7 EXTN, Gurgaon - 122001 have changed my daughter name from Ishita to Ishita Rajpal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Laxman Prasad S/O Shri Gopichand. Residing at- Ayodhya Kunj Colony, Village- Naujheel, Mathura, Uttar Pradesh-281203. I have Changed My Name from Laxman Prasad Agarwal to Laxman Prasad in future known as Laxman Prasad for all future Purposes.

NAME CHANGE
I Nikhil Kumar S/o Rajdev Singh R/o G-19/A KUNWAR SINGH NAGAR Nangloi, West Delhi, DELHI 110041 have changed my name to Nikhil Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I Ankur Goel S/o Om Prakash Goel R/o A-189 Vikaspuri New Delhi - 110018 have changed my name to Ankur Goyal for all future purposes.

NAME CHANGE
I Jyoti Panghal W/o Veer Abhimanyu R/o H. No. 239, Gali No. 14, Village Dhirpur, Delhi 110009 have changed my name to Jyoti for all future purposes.

NAME CHANGE
I SANGITA KUMARI W/O SURENDRA RAM R/O FLAT NO 2 E ,2 ND FLOOR POCKET L SHEIKH SARAI NEW DELHI 110017 have changed my name to SANGITA DEVI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I TAANVI KAUSHAL SINGH W/O JALAJ SINGH R/O G- 284, 2nd FLOOR PREET VIHAR DELHI 110092 have changed my name to TAANVI KAUSHAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I ZIA UL HAQ S/O INAMUL HAQ R/O H.NO 15 B BLOCK -A, HARI ENCLAVE KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI -110086 have changed my name to ZIAUL HAQ Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, Rimpi Singh W/O Mithlesh Kumar R/O C-8/11, Old Modi Colony, Modipuram, Modipuram, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh - 250110, have changed the name of my minor daughter Mithi aged 11 years and she shall hereafter be known as Ishani.

NAME CHANGE
I, Amit Dabas S/O Mahender singh, R/O House no 27 First Floor, ???-1, Near Park, Sec-22, Pooth Kalan, PO: Pooth Kalan, DIST: North West Delhi, Delhi-110086, have changed the name of my minor daughter Yuvika aged 10 years and she shall hereafter be known as Yuvika Dabas.

NAME CHANGE
I, Amit Dabas S/O Mahender singh, R/O House no 27 First Floor, ???-1, Near Park, Sec-22, Pooth Kalan, PO: Pooth Kalan, DIST: North West Delhi, Delhi-110086, have changed the name of my minor daughter Gracia aged 4 years and she shall hereafter be known as Gracia Dabas.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Reeta W/o Mr. Raj Kumar is the owner and in possession of a Freehold Residential Property Municipal No. 2877-B, area measuring 50 sq. yds out of total area 100 sq. yds., part of Plot No. 105, Block, A, Street No. 1, out of Mustatil No. 115, Killa No. 23/5, 23/6, 23/7, 24/1, 24/2, 23/3 & 24/4, situated at Waka Mouja Badkhal, (Sanjay Gandhi Memorial Nagar Faridabad), SGM Nagar, Tehsil Badkhal, District Faridabad, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 23.12.2024, as Doc. No. 7423, in Book No. I, Vol. No. 9/229, on pages 66.76/22-24, SRO-Badkhal. In the chain of documents, the Original/Copy of Partition Deed executed between Mr. Mahesh Prasad Verma AND Mr. Shivnandan Verma both S/o Mr. Bakhtawar Lal Verma in respect of Plot No. 105, area 100 sq. yds. & CTC / Copy of Intekal issued by Concerned Tehsildar in favour of Mrs. Reeta W/o Mr. Raj Kumar is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. The said property is presently financed / mortgaged with Utkarsh Small Finance Bank Limited., Branch: Patel Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Rachna Chawla W/O Baldev Mitter, R/o 239, RAJDHANI ENCLAVE, Pitampura, North West Delhi, Delhi-110034 have changed my name to Rachna Rani for all future purposes.

NAME CHANGE
I Baldev Chawla S/o Chanan Ram R/o 239, Rajdhani Enclave, Pitampura, North West Delhi, Delhi - 110034 have changed my name to Baldev Mitter for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
My Client KALLU, S/O SH. AKBAR KHAN, R/O H.No.R-95, 2ND FLOOR, BACK SIDE, BATLA HOUSE, NEAR HARI MASJID, JAMIA NAGAR, NEW DELHI0110125, has severed all his relations from his son namely Shaheed & his wife Smt. Noor Saba, due to their disrespectful behaviour towards my client and debarred them from his moveable and immoveable properties, anybody dealing with them shall deal with their own risk, my client shall not be responsible in any manner whatsoever

MD HAMID HAWARI
ADVOCATE
CHAMBER NO.302
LAWYERS BLOCK SAKET
COURT, NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I, USHA YADAV W/o BHUPENDER SINGH R/o H NO-B-1, 34 FIRST FLOOR VIPUL WORLD SEC-48 SOUTH CITY-II, GURGAON HARYANA-122018 have changed my name to USHA RANI.

NAME CHANGE
I, BHARAT BHUSHAN S/o SIYA RAM R/o D-9, RAMPRASTHA, BEHIND RAGHUNATH MANDIR, SURYA NAGAR COLONY, CHANDER NAGAR, UTTAR PRADESH-201011 have changed my name to BHARAT BHUSHAN SINGHAL.

NAME CHANGE
I hitherto known as ROOP SINGH alias ROOP SINGH RATHORE S/o Late BHOGI RAM R/o A – 1/186 , Sec – 4 , VTC : Avantika , PO : Rohini Sector – 7 , Dist : Narela , North West Delhi , Delhi – 110085 have changed my name and shall hereafter be known as ROOP SINGH RATHORE .

NAME CHANGE
I, MD NASIRUL HAQ S/O MD SHARIF R/O GRAM BELHI POST BELHI CHHOATAIPATTI Darbhanga Bihar 847337, CHANGED MY NAME TO NASIRUL HAQUE.

NAME CHANGE
I TUSHAR WADHWA S/O-KAMAL WADHWA R/O-WITH FLOOR MENTIONED-776 FIRST FLOOR NITIKHAND-1 INDIRAPURAM GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201014 HAVE CHANGED MY NAME TO TUSHAR RAI WADHWA.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Pravesh Kumar S/o Mr. Mahavir Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot area measuring 50 Sq. Yds. i.e. 41.80 Sq. Mtrs. out of Khasra No.403 Situated at Village Kherli Hafizpur Pargana Sikandarabad Tehsil and District Gautam Budh Nagar, U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 12.08.2024, Vide Doc no. 24213, Vol no. 45270 Page no. 235-250 SR- Greater Noida. In the chain of documents, the (1) Original Sale Deed dated 23.04.2014 executed by Mr. Nitin Kumar Mishra in favour of Mr. Naresh Bhati Vide Doc No.13192, Book No.1, Volume No.15740, on Page Nos.189-204, in S.R-Gautam Budh Nagar & (2) Original Sale Deed dated 24.11.2015 executed by Mr. Naresh Bhati in favour of Mrs. Khuku Malakar Vide Doc No.24697, Book No.1, Volume No.19098, on Page Nos.239-254, in S.R-Gautam Budh Nagar is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Pitampura, New Delhi If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Ajay Kumar S/o Dhruva Narain R/o Kh. no. 643, Ist floor, EXTENDED LAL DORA, VILLAGE ALIPUR, ALI PUR, PO: Alipur, DIST: North West Delhi, Delhi-110036 have changed my name to Ajay Kumar Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SAIFIKAN BEGUM W/O MOHD IQBAL Residing at H No-A-19 GALI NO-1/3 BHAGIRATHI VIHAR PHASE-1 GOKALPUR North East, Delhi-110094 have changed my name to SHAFIKAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as NANDANI CHAUHAN D/o Prabhakar Chauhan R/o Flat No.GF-5 Plot No.186 B Shakti Khand 2, Indirapuram Po. Shipra Sun C, Distt Ghaziabad Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as NANDINI CHAUHAN.

NAME CHANGE
I, SURENDER KUMAR PRASAD S/o Aruna Kumari R/o House No.A-1, Plot No.219C Shakti Khand 2 Indirapuram Near D Mall Ghaziabad Po. Shipra Sun City Ghaziabad-201014 have changed the name of my minor son DISHANT aged 15 years and he shall hereafter be known as DISHANK KUMAR.

NAME CHANGE
I, VIVEK KUMAR S/O JAIPAL SINGH, R/O H NO-650, DAYANAND NAGAR, DR. SINGHAL S STREET LANE NO-3, BUDHANA ROAD, SHAMLI, UTTAR PRADESH-247776, have changed the name of my minor son YASHVARDHAN RAGHUVANSHI, aged 02 years and he shall hereafter be known as RUDRAKSH RAGHUVANSHI. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I,hitherto known as AMIT GUPTA Alias AMIT SEN GUPTA, Son of BHARAT BHUSHAN GUPTA, R/o 44/2 Nehru Road, Meerut City, Meerut, Uttar Pradesh - 250002, have changed my name and shall hereafter be known as AMIT GUPTA.

NAME CHANGE
I, MOHEMMED AMIR S/o Kamruddin R/o B-25, Third Floor, Left Side, Gali No.2, Kantinagar Extn., Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name from MOHEMMED to MOHD AMIR permanently.

NAME CHANGE
I Angoori Gupta W/o Sunder Lal, R/o B-264, Lok Vihar, VTC: Pitampura, PO Saraswati Vihar, District: North West Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110034, have changed my name to Anguri Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
it is for general information that I, Devendra Yadav S/o Chukkan Yadav, H.no. 173 Near Shiv Mandir Bahlopur Gautam Buddha Nagar Parthala khanjarpur Uttar Pradesh 201304 have changed the name of my minor daughter Chandni aged 16 years and she shall hereafter be known as Riya Yadav

NAME CHANGE
I, hitherto known as RASM W/O NASIR MALIK Residence of House No. 399, Mohalla Jeetpur, Malik Nagar-2, Modinagar, Muradnagar, PO: Murad Nagar, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201206, have changed my name and shall hereafter be known as RESHMA.

NAME CHANGE
I, Rimpi Singh W/O Mithlesh Kumar R/O C-8/11, Old Modi Colony, Modipuram, Modipuram, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh - 250110, have changed the name of my minor son Reyansh aged 7 years and he shall hereafter be known as Reyansh Singh.

Public Notice
I, AMIR KHAN S/O JAMEEL KHAN R/O SALEMPUR PATI, PO ANGAI, DIST -DHOLPUR, RAJASTHAN -328031, at present Delhi, do Hereby Solemnly declare affirm I have embraced Hinduism And renounced Islam with effect from 09.0.4.2026, have changed my name and Shall hearafter be known as Amir Khan alias Anurag Singh. We Known as Anurag Singh for We all Future Purposes.

NAME CHANGE
I, SANIYA KHAN C/O Mohd Faraz R/O House No. 2749, Second Floor, Kucha Chalan Daryaganj New Delhi-110002 have Changed my Name from Saniya to Saniya Khan for all future purposes. That Saniya and Saniya Khan Saniya and Saniya Khan both are same person i.e. myself.

PUBLIC NOTICE
(LOSS OF DOCUMENTS/ARTICLES)

We, (1) Seema Sharma W/o Prince Kumar, (2) Prince Kumar S/o Late Sh. Jagmahender Singh, (3) Santosh Devi W/o Late Sh. Jagmahinder Singh, and (4) Mancy Kumari D/o Late Sh. Jagmahinder Singh, all residents of H.No.85-A, A/B Block, Main Gopal Nagar, Nanak Piau, Near Avyaan Hospital, Najafgarh, New Delhi-110043, hereby inform the general public that our following documents and articles have been lost/missing after an incident dated 20.04.2025 at H.No.38-A, Gopal Nagar, Najafgarh, New Delhi. Details of missing documents/articles:-

- Aadhaar Card, Voter ID Card
- Bank Documents including:
  - Kotak Mahindra Bank A/c No. 9812983198
  - State Bank of India A/c Nos. 32962603779, 10370258385, 33774833823
  - Punjab National Bank A/c No. 0112020400023911
  - Union Bank of India A/c No. 378502010409602
  - Bank of Baroda, Delhi Sahkari Bank Accounts
  - Axis Bank, Canara Bank (Closed Accounts)
- School, College, Educational and Job-related Documents
- Medical Documents
- Army Service Documents & Sainik Board Documents
- Property Documents (Mehlana Gaon)
- Marriage Photographs
- SIM Card (Mob. No. 9718208904) and Mobile Bill
- Old Mobile Phones

If any person finds the above-mentioned documents/articles, kindly contact the undersigned at the number given below. Any misuse of the same shall invite strict legal action.

Sd/-
Seema Sharma
Prince Kumar
Santosh Devi
Mancy Kumari

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी अब्दुल हसन उर्फ विलायत पुत्र** सोकत अली, **पातः** बी-144, विक्रम एन्क्लेव, शालीमार गार्डन साहिबाबाद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश **FIR No. 550/2019, U/S: 77 JJ Act, पुलिस थानाः सीमापुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल हसन उर्फ विलायत,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल हसन उर्फ विलायत,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल हसन उर्फ विलायत, FIR No. 550/2019, U/S: 77 JJ Act, पुलिस थानाः सीमापुरी, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.05.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
आकांक्षा व्यास
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो)/कोर्ट नं. 80
शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4591/SHD/2026
(Court Matter)

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my clients namely SH. MAHESH, S/O NARESH, AND REKHA, W/O SH. MAHESH, both are resident of H.NO. 80, GALI NO. 03, RAMESH TAYAGI COLONY, JHARODA MAZRA, BURARI, NORTH DELHI-110084, has disowned, debarred his son namely SHUBHAM S/O SH. MAHESH, from all his moveable and immoveable properties because they are out of control of my clients. My clients have severed all relation with them. Anyone dealing with them may do so at his/her own risk, costs and consequences.

PREM SHANKAR SINGH
Advocate
CHAMBER.NO. 723, SECTORE-10,
DWARKA COURT COMPLEX
SOUTH WEST, NEW DELHI-110075
MOB. NO. 8862935286

NAME CHANGE
I Vijay S/o Ravinder Sihmar R/o H.No. 112 BLOCK 2 BADCHHAPPER, HISAR, PIN: 125042, HARYANA, INDIA have changed my name to Vijay Sihmar for all future purposes.

NAME CHANGE
I Ankur Goel S/o Om Prakash Goel R/o A-189 Vikaspuri New Delhi - 110018 have changed my name to Ankur Goyal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Neha Kathuria, W/o Nikhil Arora R/o AP-78, Shalimar Bagh, Delhi – 110088, do hereby solemnly affirm and declare as under: That I have changed my name from Neha Kathuria to Neha Arora for all future purpose

NAME CHANGE
I Neeraj Jindal S/o Nanu Ram Jindal R/o B 49, Near Oswal Bhawan, Vivek Vihar, Phase 2, Jhilmil, East Delhi - 110095 have changed my name to Neeraj Kumar Jindal for all future purposes.

NAME CHANGE
I Shafali W/o Pallav Parmar R/o House No. 635, Ground Floor, Sector 5, Gurgaon - 122001 Haryana have changed my name to Shafali Parmar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KHAN MEHSHAR MUSHEER W/O ASIF KHAN R/O B 157/1, GALI NO 8 MANDAWALI FAZALPUR, B BLOCK EAST DELHI 110092, CHANGED MY NAME TO MESHAR.

NAME CHANGE
I, PRESANNA KUMARI Mother of No-15743859L Rank-NK Name-ANOOP M Presently residing at KULANGARA HOUSE, VILL-AYROOR, PO-AYROOR NORTH, DIST-PATHANAMTHITTA, KERALA-689612, have changed my name from PRESANNA KUMARI to PRASANNAKUMARIAMMA M A for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-15743859L Rank-NK Name-ANOOP M Father of AVANI Presently residing at KULANGARA HOUSE, VILL-AYROOR, PO-AYROOR NORTH, DIST-PATHANAMTHITTA, KERALA-689612, have changed my minor daughter's name from AVANI to AVANI ANOOP for all future purposes vide Affidavit dated 09/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Subhash Chander Sethi S/O: Ram Bheja Mal Sethi, R/o 401, Starlite Appartment, Sector-14 Extension Rohini, Rohini Sector-14, PO:Rohini Sector-7, DIST:North West Delhi, Delhi, 110085 have changed my name to Subhash Sethi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR PATHAK S/o ANNANT RAM PATHAK R/o 6202, Kucha Shiv Mandir Naya Bans Delhi - 110006 have changed the name of my minor son PRINSH KUMAR PATHAK aged 13 years and he shall hereafter be known as ABHAY PATHAK .

NAME CHANGE
I hitherto known as KRISHANA DEVI W/o DHARAMPAL R/o 1449/16-D, Street No. 10, Gandhi Marg, Durga Puri, Mandoli, North East Delhi , Mandoli Saboli, Delhi - 110093 have changed my name and shall hereafter be known as KRISHNA .

NAME CHANGE
It is for general information that I GULAB SINGH S/o DAAL CHAND , Residing at B5/13 , Gali No.-5 , D-Block , Dayal Pur , Delhi - 110094 declare that the name of mine has been wrongly written as RAJU in my Aadhar No. 673297478357. The actual name of mine is GULAB SINGH which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नगर परिषद की बैठक में 113.27 करोड़ का बजट पेश, विकास कार्यों पर रहेगा फोकस

एजेंसी

कैथल। नगर परिषद कार्यालय में आयोजित हाउस की बैठक में शहर के विकास के लिए 113 करोड़ 27 लाख रुपये का बजट पेश किया गया। सभी पार्षदों की सहमति से बजट पारित किया गया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले करीब 21 करोड़ रुपये अधिक है। बीते साल 92 करोड़ 46 लाख 15 हजार रुपये का बजट पेश किया गया था, जबकि वर्ष 2024-25 में 82.76 करोड़ और 2023-24 में 61.11 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था। बैठक में 20 से अधिक पार्षद मौजूद रहे। हालांकि बजट को लेकर कुछ पार्षदों ने आपत्ति भी जताई। वार्ड नंबर 11 की पार्षद सुशीला शर्मा ने आरोप लगाया कि बैठक का एजेंडा अधूरा दिया गया और आय-व्यय का पूरा विवरण साझा नहीं किया गया। उन्होंने इसे अधिकारियों की लापरवाही बताते हुए पार्षदों की अनदेखी का मुद्दा उठाया। नगर परिषद द्वारा प्रस्तुत बजट के अनुसार कुल अनुमानित आय 79 करोड़ 35 लाख 65 हजार 701 रुपये है। इसमें प्रॉपर्टी टैक्स से छह करोड़ रुपये, स्टांप ड्यूटी से 1.65 करोड़ रुपये, डेवलपमेंट चार्ज से 7.41 करोड़ रुपये और विभिन्न फीस से 44 लाख रुपये की आय होगी। इसके अलावा किराये से 80 लाख रुपये, सरकारी ग्रांट से 49.60 करोड़ रुपये, लोन से 26 लाख रुपये और सिक्योरिटी मद से 70 लाख रुपये प्राप्त होंगे।

मौसमी बीमारियों से बचाव को लेकर प्रशासन की अपील, सावधानी बरतने के निर्देश

यमुनानगर। गर्मी और आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए यमुनानगर जिला प्रशासन ने नागरिकों से स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि इस अवधि में जलजनित और संक्रामक रोगों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है, जिन्हें सतर्कता से रोका जा सकता है। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि लोगों को स्वच्छ पेयजल का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। पानी को उबालकर या शुद्धिकरण के बाद ही सेवन करना सुरक्षित रहता है। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि भोजन से पहले और बाद में तथा अन्य आवश्यक परिस्थितियों में हाथों की सफाई अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि खुले में गंदगी, दूषित खाद्य पदार्थ और असुरक्षित जल स्रोत कई बीमारियों को जन्म देते हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे सड़े-गले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाए रखें और पेयजल स्रोतों को स्वच्छ रखें। वर्षा ऋतु के मद्देनजर जलभराव को भी गंभीर खतरा बताया गया है। उन्होंने कहा कि घरों और आसपास ऐसे स्थान न बनने दें जहां पानी लंबे समय तक जमा रहे, क्योंकि इससे मच्छरों का प्रजनन होता है और डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है।

हरियाणा विधान सभा के अधिकारियों को मिलेगी एआई की ट्रेनिंग

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा के प्रथम और द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।यह तकनीकी प्रशिक्षण हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान के पंचकूला के सेक्टर 25 स्थित केंद्र में 9 और 10 अप्रैल को करवाया जाएगा। प्रशिक्षण प्रतिदिन लगभग 4 घंटे की अवधि का होगा, जिसमें दो बैच बनाए गए हैं। पहला बैच सुबह 9:15 बजे से शुरू होगा जबकि दूसरा बैच दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा। सभी प्रतिभागियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रथम बैच के लिए सुबह 9:00 बजे तथा द्वितीय बैच के लिए दोपहर 1:00 बजे निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। इस प्रशिक्षण का निर्णय हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण तथा हिपा महानिदेशक मनोज यादव के बीच हुई बैठक में लिया गया। सभी संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे इस प्रशिक्षण अवधि के दौरान बिना किसी अत्यावश्यक कारण के अवकाश न लें, क्योंकि यह प्रशिक्षण अनिवार्य है। प्रशिक्षण के उपरांत प्रतिभागियों के लिए भोजन की व्यवस्था हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान द्वारा की जाएगी।

फीस वृद्धि पर भड़के अभिभावक, डीसी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

यमुनानगर। यमुनानगर में निजी स्कूलों की बढ़ती फीस और मनमानी नीतियों के खिलाफ बुधवार को अभिभावकों का आक्रोश सड़कों पर नजर आया। बड़ी संख्या में अभिभावक जिला उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। अभिभावकों का कहना है कि जिले के कई निजी विद्यालय हर वर्ष बिना स्पष्ट कारण के फीस में भारी वृद्धि कर रहे हैं। इसके साथ ही स्कूल प्रबंधन द्वारा बार-बार पाठ्यक्रम और किताबों में बदलाव किया जाता है, जिससे अभिभावकों को हर साल नई पुस्तकें खरीदनी पड़ती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्कूलों द्वारा एक ही निर्धारित दुकान से किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव बनाया जाता है, जिससे अभिभावकों को महंगे दामों पर सामग्री खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह स्थिति मध्यम वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। कई अभिभावक बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए कर्ज लेने को विवश हैं। इस दौरान अभिभावकों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि निजी स्कूलों की फीस पर नियंत्रण के लिए सख्त नियम लागू किए जाएं। साथ ही किताबों और यूनिफॉर्म की खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा किसी एक दुकान से खरीद की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की गई।

श्री-लेयर सत्यापन, बायोमेट्रिक और जियो-फेंसिंग से खरीद व्यवस्था हुई मजबूत : नायब सैनी

जिला उपायुक्त होंगे मंडियों में खरीद के प्रभारी, सीनियर आईएएस करेंगे निगरानी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में गेहूं खरीद के मुद्दे पर विपक्ष द्वारा किए जा रहे हंगामे पर पलटवार करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी आज खुद फ्रंट पर आए। चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष खरीद व्यवस्था को लेकर बेवजह दुष्प्रचार कर किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों को जिलों की मंडियों की नियमित निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है और उपायुक्तों (डीसी) को जिला स्तर पर खरीद व्यवस्था का प्रभारी बनाया गया है। मंत्री और विधायक भी लगातार मंडियों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने

आढ़तियों से भी अपील की कि वे किसी प्रकार की राजनीतिक मंशा से ऊपर उठकर किसानों के हित में सहयोग करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने तीन-स्तरीय फसल सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। इस व्यवस्था के तहत खरीद केंद्रों पर लाई गई फसल का किसान द्वारा पंजीकृत फसल से मिलान सुनिश्चित किया जाएगा। इससे फसल सत्यापन प्रक्रिया अधिक सटीक और विश्वसनीय बनेगी। उन्होंने कहा कि 8 अप्रैल तक मंडियों में लाई गई गेहूं का 75 प्रतिशत बायोमेट्रिक सत्यापन सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 3 नामांकित व्यक्तियों को भी बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए अनुमति दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी मंडियों और गोदामों को जियो-फेंसिंग के दायरे में लाया गया है। इससे अनधिकृत उपयोग पर प्रभावी रोक लगेगी और लोकेशन आधारित निगरानी प्रणाली और मजबूत होगी। अब तक 416 गेहूं मंडियों, 112 सरसों मंडियों तथा अधिक आवक की स्थिति से निपटने के लिए 179 अतिरिक्त स्थलों की जियो-फेंसिंग पूरी की जा चुकी है। इसके अलावा 1,344 भंडारण स्थलों (स्टोरेज प्वाइंट्स) की भी जियो-फेंसिंग की गई है, जिससे खाद्यान्नों का सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित भंडारण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि मंडियों में माल की ट्रेसेब्लिटी और जवाबदेही बढ़ाने के लिए एंट्री गेट पास जारी करते समय वाहन नंबर और वाहन/लोड की फोटो दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मंडी से स्टॉक बाहर ले जाने से पहले एग्जिट गेट पास के लिए ट्रांसपोर्ट और मार्केट कमेटी सचिव दोनों की अनिवार्य स्वीकृति सुनिश्चित की गई है।

डीसी ने किया अनाज मंडी का दौरा, खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने विस्तार अनाज मंडी का दौरा कर रबी खरीद सीजन के तहत चल रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी परिसर में सड़कों की स्थिति का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को तुरंत मरम्मत और पैचवर्क करवाने के निर्देश दिए ताकि किसानों और वाहनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही उन्होंने कंट्रोल रूम को बेहतर स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने ढेरियों पर पहुंचकर नमी मापक यंत्र से गेहूं की नमी की जांच करवाई। उन्होंने कांटे पर गेहूं के बैग का वजन भी चेक किया, ताकि खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इसके बाद उन्होंने मंडी के मुख्य द्वार पर स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। डीसी अपराजिता ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों की फसल की समय पर खरीद, उठान और भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए और कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत निर्धारित मानकों के अनुसार ही खरीद की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और फसल की तुलाई, साफ-सफाई, पेयजल, बिजली तथा किसानों के बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त रहें। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हरियाणा में पूर्व अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में अब पूर्व अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में बीस प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। पहले यह आरक्षण दस प्रतिशत था। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। हरियाणा में अग्निवीरों का पहला बैच इसी साल आ रहा है।बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि अग्निवीर नीति, 2024 को स्वीकृति प्रदान की गई। इससे पूर्व अग्निवीरों के पुनर्वास, उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने तथा वर्दीधारी सेवाओं और सुरक्षा से संबंधित पदों में उनके कौशल का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा। उन्हें हरियाणा सरकार के अधीन सेवाओं/पदों, जैसे कि फॉरेस्ट गार्ड (पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग), वार्डर (कारागार विभाग) तथा माइनिंग गार्ड (खान एवं भूविज्ञान विभाग) में वर्तमान 10 प्रतिशत हॉरिजॉन्टल आरक्षण को बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया। राज्य सरकार ने पूर्व में हरियाणा के अधिवासी पूर्व अग्निवीरों को कुछ ग्रुप 'सी' पदों, जिनमें फॉरेस्ट गार्ड, वार्डर और माइनिंग गार्ड शामिल हैं, में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया हुआ था। इसके पश्चात, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विभिन्न सेवाओं/पदों की भर्ती में, जहां उनके विशेष सैन्य प्रशिक्षण, शारीरिक क्षमता, अनुशासन और फील्ड अनुभव का प्रभावी उपयोग किया जा सकता है, पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षण को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने की सलाह दी थी। मंत्रिमंडल के इस निर्णय को सभी चालू तथा भविष्य की भर्ती प्रक्रियाओं में लागू करने के लिए संबंधित प्रशासनिक विभागों को आवश्यक संशोधन करने तथा संशोधित निर्देश जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनगणना 2027 के लिए जन-जन का सहयोग जरूरी: डीसी

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। जनगणना-2027 को सफल बनाने के लिए आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) की सुविधा की जानकारी गांव-गांव और वार्ड स्तर तक पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकें।

उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल से स्व-गणना के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया जाएगा, जहां नागरिक पंजीकरण कर अपनी जानकारी स्वयं भर सकेंगे। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल प्रणाली पर आधारित होगी। जानकारी जमा करने के बाद नागरिकों को एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से एक यूनिक सेल्फ-एन्यूमरेशन आईडी मिलेगी, जिसके बाद गणना कर्मी मौके पर पहुंचकर केवल सत्यापन करेंगे।

डीसी ने जानकारी दी कि जनगणना दो चरणों में आयोजित होगी। पहले चरण में एक मई से 30 मई 2026 तक मकानों का सूचीकरण किया जाएगा, जबकि

दूसरे चरण में नौ फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक जनसंख्या गणना की जाएगी। इसके अलावा 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिकों को स्व-गणना का विकल्प उपलब्ध रहेगा। जनगणना की ऑनलाइन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए निवासियों को आधिकारिक पोर्टल पर जाना होगा. वहां मोबाइल नंबर दर्ज करने के बाद एक ओटीपी प्राप्त होगा जिसके जरिए लॉग इन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि गणना कर्मियों के लिए विशेष मोबाइल एप तैयार किया गया है, जो ऑफलाइन मोड में भी कार्य करेगा और नेटवर्क मिलने पर डाटा अपने आप अपडेट हो जाएगा, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में भी काम सुचारू रूप से होगा।

डीसी अजय कुमार ने नागरिकों से अपील की कि वे सभी प्रश्नों के सही और स्पष्ट उत्तर दें, क्योंकि यह कानूनी रूप से अनिवार्य है। डीसी ने बताया कि जिले में एनुमरेटर्स और सुपरवाइजर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं। 6 से 8 अप्रैल तक 28 बैचों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। इसके बाद 9 से 11 अप्रैल, 15 से 17 अप्रैल और 20 से 22 अप्रैल तक भी विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि कुछ विभागाध्यक्षों से नई स्टाफ सूची मांगी गई थी, लेकिन अब तक यह सूची जमा नहीं कराई गई है। इस पर डीसी ने संबंधित विभागाध्यक्षों को सख्त निर्देश दिए कि वे जल्द से जल्द अपनी स्टाफ सूची उपलब्ध कराएं, ताकि जनगणना का काम आसानी से और बिना किसी परेशानी के पूरा हो सके।

हरियाणा में अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी अब 15,220 रुपये प्रतिमाह,कैबिनेट ने दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि राज्य सरकार ने प्रदेश के श्रमिक वर्ग के हित में बड़ा फैसला लेते हुए अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 15,220 रुपये प्रतिमाह करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से प्रदेश के लाखों अकुशल श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा के बजट सत्र में उन्होंने घोषणा की थी कि एक्सपर्ट कमेटी ने अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाने की सिफारिश की है। आज मंत्रिमंडल ने इस घोषणा को पूरा करते हुए मजदूरी 15,220 रुपये प्रतिमाह निर्धारित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। न्यूनतम मजदूरी में यह वृद्धि न केवल अकुशल श्रमिकों की आय बढ़ाएगी, बल्कि उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूती देगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज

कैबिनेट के समक्ष कुल 7 एजेंडे रखे गए, जिनमें से 6 एजेंडे पारित हुए।

प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने की मजबूत पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। बंगाल की जनता अब परिवर्तन चाहती है और वहां विकास, उद्योग, महिलाओं की सुरक्षा तथा सुशासन के लिए भाजपा पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक वामपंथी शासन और उसके बाद वर्तमान सरकार के दौरान उद्योग और रोजगार को नुकसान पहुंचा। महिलाओं पर अत्याचार, किसानों को रूस्क का लाभ न मिलना, आम जनता में असुरक्षा का माहौल और कानून-व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति के कारण वहां लोग बदलाव के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन तेजी से मजबूत हो रहा है और आने वाले समय में बंगाल में भाजपा सरकार बनना तय है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश सेवा का प्रतीक है। जब भी देश पर कोई विपत्ति आई है, संघ के कार्यकर्ता सबसे पहले सेवा के लिए खड़े दिखाई दिए हैं। संघ ने कभी प्रचार की राजनीति नहीं की, बल्कि हमेशा शांत और समर्पित भाव से समाज सेवा का कार्य किया है। लेकिन इस बारे विपक्ष द्वारा बयानबाजी करना दुर्भाग्यपूर्ण है । मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से देशभर में लाखों लोगों को उपचार का लाभ मिला है, लेकिन पश्चिम बंगाल और पंजाब सरकारों द्वारा इस योजना को लागू न किए जाने के कारण वहां के अनेक जरूरतमंद लोग इसके लाभ से वंचित रह गए।

हरियाणा सरकार का श्रमिकों को तोहफा, न्यूनतम वेतन में 35 फीसदी बढ़ोतरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने लाखों श्रमिकों की मांग को पूरा करते हुए उन्हें दिए जाने वाले न्यूनतम वेतन (मिनिमम वेजेज) की दरों में भारी वृद्धि की है। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। यह वेतन वृद्धि 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगी। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने बैठक के बाद बताया कि चार नई श्रम संहिताएं लागू होने के उपरांत श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की दरों में भारी वृद्धि की है। इस निर्णय से राज्य के लाखों श्रमिकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि अब अकुशल (अनस्किल्ड) श्रमिक का वेतन 11274.60 रुपये से बढ़कर 15220 रुपये होगा, जिसके तहत लगभग 3945.40 रुपये की बढ़ोतरी होगी और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी।

इसी प्रकार, अर्द्ध-कुशल (सेमी-स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 12430.18 रुपये से बढ़कर 16780.74 रुपये होगा, जिसके अंतर्गत इस श्रेणी के श्रमिकों का 4350.56 रुपये वेतन बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी। विज ने बताया कि कुशल (स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 13704.31 रुपये से बढ़कर 18500.81 रुपये होगा, जिसके तहत इस श्रेणी के श्रमिकों का वेतन 4796.50 रुपये बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत होगी। इस तरह, उच्च कुशल (हाई-स्किल्ड) श्रमिकों का वेतन 14389.52 रुपये से बढ़कर 19425.85 रुपये होगा, जिसके तहत इस श्रेणी के श्रमिकों का 5036.33 रुपये वेतन बढ़ेगा और यह बढ़ोतरी भी लगभग 35 प्रतिशत होगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय श्रमिकों के कल्याण के प्रति राज्य सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

रेवाड़ी में विकास कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं: राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में केंद्रीय योजना राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की सभी विकास योजनाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

बैठक में बावल-बनीपुर नेशनल हाईवे पर बन रहे फ्लाईओवर की धीमी प्रगति पर मंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कार्य में देरी के कारण आम जनता को जाम की समस्या झेलनी पड़ रही है। उन्होंने मनोज कुमार और संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य की निगरानी कर इसे तेज गति से पूरा कराने के निर्देश दिए। राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी को दो माह का समय दिया गया है, जिस पर मंत्री ने गति बढ़ाने को कहा। महेंद्रगढ़-बेरली रोड पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) और अंडरब्रिज (आरयूबी) निर्माण को लेकर भी समीक्षा की गई। मंत्री ने

रेलवे अधिकारियों को जल्द मंजूरी दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही लोक निर्माण विभाग को धारूहेड़ा में छह बेस और रेवाड़ी में 18 बेस के बस स्टैंड निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। मंत्री ने उपायुक्त अभिषेक मीणा को एम्स कनेक्टिविटी रोड अपने स्तर पर मॉनिटर करने को कहा। वहीं मसानी बैराज में जल प्रबंधन परियोजना पर करीब 268 करोड़ रुपये खर्च किए जाने की जानकारी दी गई। सीएनडी वेस्ट को लेकर भी मंत्री ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने एसपी हेमेंद्र मीणा को रात्रि गश्त बढ़ाने और अवैध कचरा डालने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में रेवाड़ी विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल के विधायक डा कृष्ण कुमार, कोसली के विधायक अनिल यादव व भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

निजी स्कूलों में किताबों और ड्रेस की मनमानी कीमतों को लेकर शिक्षा विभाग सख्त

166 निजी स्कूलों की जांच की

राकेश पंवार

बहादुरगढ़। निजी स्कूलों में किताबों और ड्रेस की मनमानी कीमतों को लेकर शिक्षा विभाग सख्त हो गया है। निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए ब्लाक स्तर पर बी ई ओ

की निगरानी मे 166 निजी स्कूलों की जांच बुधवार सांय तक पूरी कर ली जाएगी । 18 जांच कमेटियां बनाकर मैदान में उतरकर औचक निरीक्षण कर रही हैं। जांच टीम में शामिल प्राचार्या सविता,ए बी आर सी और हरीश शर्मा ने बताया कि स्कूलों में जाकर निजी प्रकाशकों की किताबों, मान्यता और दाखिला प्रक्रिया की जांच की जा रही है। खण्ड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ विभाग के उच्च अधिकारियों को वीरवार को रिपोर्ट दी जाएगी । पत्र के माध्यम से स्कूलों को पहले ही अवगत करा दिया था कि शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित पाठय पुस्तकें ही पढ़ाई जाए, बार बार ड्रेस न बदली जाए और अभिभावको पर अनावश्क आर्थिक बोझ न डाला जाए । जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजबाला मलिक ने कहा कि निजी स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी नियमों की अनुपालना अवश्य करें।

प्री-एग्जाम के बाद यूपीएससी,एचपीएससी व ज्युडिशरी की तैयारी करने पर मिलेगी वित्तीय सहायता : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि राज्य के यूपीएससी, एचपीएससी और ज्युडिशरी के प्री-एग्जाम उत्तीर्ण करने वाले युवाओं को आगे की कोचिंग फीस की प्रतिपूर्ति करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री युवा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को 25 हजार से लेकर 70 हजार रूपये तक वित्तीय मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री संघ लोक सेवा आयोग द्वारा हरियाणा के नव-चयनित युवाओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख रुपये है,उनके बच्चों को 70 हजार,1.80 लाख रुपये तक आय वाले परिवारों के बच्चों को 60 हजार,1.80 लाख रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक आय वाले परिवार के बच्चों को 50 हजार तथा 3 लाख रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक आय वाले परिवार के बच्चों को 25 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि राज्य के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में यूपीएससी ,एचपीएससी एग्जाम की कोचिंग दी

जाएगी इसके लिए सायंकालीन पारी में कक्षाएं शुरू की जाएगी ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक युवा उक्त परीक्षाओं में सफल हो सकें। सैनी ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय प्रशासनिक अधिकारी की सोच, उसकी योजनाएं और निर्णय भारत के भविष्य की दिशा तय करते हैं। इनके निर्णय से लाखों लोगों का जीवन प्रभावित होता है। उन्होंने संघ लोकसेवा आयोग की भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा परिणाम में तीसरा स्थान हासिल करने वाले एकांश ढुल समेत हरियाणा के सफल 77 होनहार युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा केवल एक नौकरी नहीं है, यह एक जिम्मेदारी है, एक कर्तव्य है, एक सेवा है। यह वह मंच है, जहां आपके निर्णय लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। अब तक आपकी यात्रा व्यक्तिगत उपलब्धियों की यात्रा थी, लेकिन अब आगे की यात्रा जनसेवा की यात्रा है। इस अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग के परीक्षा परिणाम में देश में तीसरे स्थान पर आने वाले एकांश ढुल,छठे रैंक पर आई जिन्निया अरोड़ा के अलावा नव-चयनित युवा नितीश , शगुन मेहरा , शिखा ने भी अपने लक्ष्य तक पहुंचने की अपनी यात्रा सांझा की।

अब शामलात भूमि से निजी परियोजनाओं के लिए रास्ता सुनिश्चित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में गांव की शामलात भूमि (साझा भूमि) से निजी परियोजनाओं तक पहुंच के लिए रास्ता बनाने की नीति को मंजूरी दी है। राज्य में अब यह संभव होगा कि यदि किसी निजी परियोजना के लिए ज़रूरी भूमि तक कोई उपयुक्त मार्ग नहीं है, तो ग्राम पंचायत की सहमति और ग्राम सभा के बहुमत से नया रास्ता निर्धारित किया जा सके। इस कदम का उद्देश्य निजी निवेशकों को परियोजना भूमि तक सरल पहुंच प्रदान करना है, साथ ही पंचायत और ग्रामीणों के हितों की रक्षा करना है। नीति के अनुसार यह रास्ता पूरी तरह पंचायत के स्वामित्व में रहेगा और सभी लोग इसे साझा रूप से उपयोग कर सकेंगे। रास्ता बनाने के लिए परियोजना क्षेत्र के 5 फीसद हिस्से का स्वामित्व या ग्राम पंचायत द्वारा तय की गई भूमि के चार गुना क्षेत्र का आदान-प्रदान अनिवार्य होगा। इस नई नीति से बुनियादी ढांचा, आवासीय और औद्योगिक परियोजनाओं के विकास में पारदर्शिता और सुगमता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पर सहमति बनी। बैठक में वृद्धजनों की सुविधा और कानूनी प्रक्रियाओं में सुधार की दिशा में भी अहम कदम उठाया है। रिटायरमेंट हाउसिंग नीति वृद्धजनों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएगी। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि इन फैसलों का उद्देश्य राज्य में विकास को गति देना, सामाजिक समावेशिता बढ़ाना और कानूनी व्यवस्थाओं को सरल बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नई नीतियों का सही और पारदर्शी कार्यान्वयन सुनिश्चित करें। साझा भूमि रास्ता नीति से निजी परियोजनाओं के लिए ग्राम पंचायत से मंजूरी लेकर रास्ता तय किया जा सकेगा। रिटायरमेंट हाउसिंग नीति से वृद्धजनों के लिए बेहतर सुविधाएं और अतिरिक्त एफएआर सुविधा मिलेगी। कैबिनेट ने रिटायरमेंट हाउसिंग पॉलिसी में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। राज्य के वृद्धजन अब और बेहतर सुविधाओं के साथ रिटायरमेंट कॉलोनियों में रह सकेंगे। संशोधन के अनुसार हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) के माध्यम से फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) बढ़ाकर 3.0 कर दिया गया, जो पहले 2.25 था। इस बदलाव से डेवलपर्स और वृद्धजनों दोनों को लाभ मिलेगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 931 अंक, निफ्टी 222 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक करीब 1.20 फीसदी की गिरावट के साथ 76,631.65 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 222.25 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी नीचे आकर 23,775.10 पर बंद हुआ।

बाजार में ये गिरावट बैंकिंग शेयरों के कारण आई है। निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.75 फीसदी की कमजोरी के साथ सबसे अधिक गिरा। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.41 फीसदी , निफ्टी पीएसयू बैंक 1.27 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.19 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.75 फीसदी और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.39 फीसदी नीचे आया। वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.56 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.25 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.13 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.82 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर 0.71 फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.66 फीसदी उछलकर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बीईएल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा सबसे अधिक लाभ में रहे। इंडिगो, एलएंडटी, इटरनल, एचडीएफसी बैंक,आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एमएंडएम और बजाज फिनसर्व सबसे अधिक नुकसान में रहे थे। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 179.25 अंक या 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 56,978.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.95 अंक या 0.17 फीसदी की तेजी के साथ 16,566 पर बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली से भी बाजार गिरा है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर बैंकिंग व आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 300 अंकों की गिरावट के साथ 77,319 पर खुला। वहीं` निफ्टी भी कमजोर

रुख के साथ 23,909 पर खुला और बाद में हल्की गिरावट के साथ 23,944 के आसपास कारोबार करता नजर आया।

एलपीजी की आपूर्ति सुरक्षित, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर के भाव स्थिर

- किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद भारत में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। 9 अप्रैल को घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 913 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,078.50 रुपये बनी हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को हमेशा प्राथमिकता दी जा रही है। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति संतुलित तरीके से सुनिश्चित की जा रही है ताकि घरेलू जरूरतों को पहले पूरा किया जा सके। मंत्रालय ने यह भी कहा कि अब लगभग 95 फीसदी एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन हो रही है और 91 फीसदी डिलीवरी डीएसी के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। डिजिटल बुकिंग और पारदर्शी वितरण प्रणाली के कारण सिलेंडरों की चोरी और डायवर्जन पर काफी हद तक रोक लगी है। सरकार ने सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। सिर्फ एक दिन में लगभग 4,000 छापे मारे गए और 1,000 सिलेंडर जब्त किए गए।

किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा है। देश के प्रमुख शहरों में एलपीजी की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली - घरेलू 913 रुपए, कमर्शियल 2,078.50 रुपए, जयपुर घरेलू- 916.50, कमर्शियल 2,031, पटना घरेलू- 1,011, कमर्शियल 2,365, लखनऊ घरेलू 950.50, कमर्शियल 2,201, मुंबई घरेलू 912.50, कमर्शियल 2,031, कोलकाता घरेलू 939, कमर्शियल 2,208 और चेन्नई घरेलू 928.50, कमर्शियल 2,246.50 रुपये।

भारत-अमे रिका की आपूर्ति श्रंखलाओं को मजबूत करेगा नया व्यापार सुगमता पोर्टल

नई दिल्ली ।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ नया व्यापार सुगमता पोर्टल लॉन्च किया है। यह पोर्टल दोनों देशों के बीच आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और नए व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने का काम करेगा। मिस्री ने बताया कि यह पोर्टल एक सेतु का कार्य करेगा, जो मौजूदा आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता सुनिश्चित करेगा और नए व्यापारिक अवसरों को उत्पन्न करने में मदद करेगा। पोर्टल का उद्देश्य दोनों देशों के व्यवसायियों के लिए सहयोग और संपर्क को सरल बनाना है। विदेश सचिव बुधवार से अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका में हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा सहयोग और वैश्विक घटनाक्रम जैसे मध्य पूर्व संकट पर चर्चा करेंगे। इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत समेत दोनों देशों के वरिष्ठ

अधिकारी और व्यापारिक प्रतिनिधि मौजूद थे।

भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले वर्ष मई में कुछ तनाव देखा गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विवादित दावों और वाशिंगटन द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क के बाद रिश्तों में गिरावट आई थी।

फरवरी में दोनों देशों ने आपसी लाभकारी व्यापार के लिए अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति व्यक्त की।

होर्मुज स्ट्रेट तनाव तेल बाजार में फिर उछाल, वैश्विक सप्लाई पर चिंता

स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग

नई दिल्ली ।

सीजफायर के बाद राहत की उम्मीद कर रहे तेल बाजार को नए झटके का सामना करना पड़ा है। एक दिन की गिरावट के बाद ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में तेज उछाल आया है। यह अनिश्चितता मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में होर्मुज स्ट्रेट के संचालन को लेकर बनी रही। ब्रेंट क्रूड लगभग 2.86 फीसदी बढ़कर 97.46 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.56 फीसदी चढ़कर 97.77 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। पिछले कारोबारी सत्र में दोनों बेंचमार्क 100 डॉलर के नीचे फिसल गए थे, जिसमें डब्ल्यूटीआई ने अप्रैल 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की थी। स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग है।

ईराक, सऊदी अरब, कुवैत और कतर जैसी प्रमुख तेल उत्पादक देशों के निर्यात इसी मार्ग से होते हैं। इसलिए इस मार्ग में किसी भी बाधा से पूरी दुनिया में तेल की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। सीजफायर की घोषणा के बावजूद बुधवार को इस स्ट्रेट से केवल 4 जहाज गुजर पाए। ईरान ने कहा कि वह रोजाना केवल 12

जहाजों को ही गुजरने देगा और टोल वसूलेगा, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे टोल फ्री करने का दावा किया। इस भिन्न रुख से बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल का तनाव अब तक के सबसे बड़े तेल संकटों में से एक बन सकता है। पहले यह तनाव कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक ले गया था, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर था। शिपिंग कंपनियां स्पष्टता मिलने तक आवाजाही सामान्य नहीं करेंगी, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना हुआ है।

सिग्नेचर ग्लोबल की 2025.26 में बिक्री बुकिंग घटकर 8ए220 करोड़ रही

पिछले साल कंपनी की बिक्री बुकिंग 1.620 करोड़ रुपये थी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड की वित्त वर्ष 2025.26 में बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रही।

वहीं चौथी ;जनवरी.मार्चद्ध तिमाही में बिक्री बुकिंग ;प्री.सेल्सद्ध पांच प्रतिशत घटकर 1ए540 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग 1ए620 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025.26 में उसकी बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रह गईए जो 2024.25 में 10ए290 करोड़ रुपये थी। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि कंपनी ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित आरएमजेड समूह के साथ संयुक्त उद्यम के जरिये वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में प्रवेश कर रणनीतिक कदम उठाया है। यह संयुक्त उद्यम 18 एकड़ के वाणिज्यिक परियोजना के विकास

में करीब 7ए500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। उन्होंने कहा` कि आगे बढ़ते हुए हम विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन और सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित रखेंगेए साथ ही उच्च.विकास वाले सूक्ष्म बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करेंगे। वित्त वर्ष 2025.26 की शुरुआत में सिग्नेचर ग्लोबल ने 12ए500 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा था। हालांकिए तीसरी तिमाही के बाद कंपनी ने कहा था कि गुरुग्राम के आवासीय बाजार में मांग नरम पड़ने के कारण वह यह लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगी।

सोने का भाव 1129 रुपए टूटा, चांदी में 4068 की गिरावट

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी में गुरुवार को सोने और चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में नरमी देखने को मिली, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा। गुरुवार को घरेलू वायदा बाजार में सोना और चांदी दोनों कमजोर रुख के साथ कारोबार करते नजर आए। मल्टी कमो डिटी एक्सचेंज आफ इं डिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 1,129 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,647 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,51,776 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट करीब 776 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,000 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,51,452 रुपये का उच्च और 1,50,647 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट 4,068 रुपये टूटकर 2,35,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,39,918 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह करीब 3,793 रुपये की गिरावट के साथ 2,36,125 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

दिन के दौरान इसने 2,36,187 रुपये का उच्च और 2,35,133 रुपये का निचला स्तर छुआ।

सीएनजी कारों का जलवा भारत में हर चौथी कार अब सीएनजी पर दौड़ रही

नई दिल्ली ।

भारत के कार बाजार में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। अब खरीदार पहले कितना देती है नहीं, बल्कि कितना बचाती है सवाल पूछ रहे हैं। बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों और कम रनिंग कॉस्ट के कारण सीएनजी विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2026 के आंकड़े बताते हैं कि अब देश में बिकने वाली हर चार में से एक कार सीएनजी पर चलती है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा)के अनुसार` वित्त वर्ष 2026 में देश भर में 47.05 लाख पैसेंजर व्हीकल्स बिकीं, जिनमें लगभग 10.34 लाख सीएनजी कारें थीं। इसका मतलब है कि सीएनजी की हिस्सेदारी अब 22 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि तीन साल पहले यह केवल 12-13 प्रतिशत थी। पेट्रोल का शेयर घटकर 47.48 फीसदी और डीजल का 18.08 फीसदी रह गया है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़कर 4.25 फीसदी हो गई है। सीएनजी का खर्च प्रति किलोमीटर पेट्रोल से 40-50 फीसदी तक कम है। भले ही सीएनजी कारें 80,000-1,00,000 रुपये महंगी हों, 15,000-20,000 किलोमीटर सालाना चलाने वाले लोग अतिरिक्त लागत 18 महीनों में

निकाल लेते हैं। देशभर में सीएनजी पंपों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, जिससे महंगे ईंधन की तुलना में सीएनजी भरवाना आसान हो गया है। मारुति, हुंडई और टाटा जैसे ब्रांड फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी कारें पेश कर रहे हैं। अब हैचबैक, सेडान और एसयूवी तक सीएनजी पोर्टफोलियो फैल गया है। टाटा ने`` वित्त वर्ष 26 में 1.72 लाख सीएनजी यूनिट बेचीं, जो सालाना 24 फीसदी की बढ़त है। सीएनजी की लोकप्रियता सिर्फ कारों तक सीमित नहीं रही। बजाज ने दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 लॉन्च की, जबकि टीवीएस ने जूपीटर सीएनजी पर काम शुरू किया है।

अनंत अंबानी ने कोयंबटूर के जीएसआईएफ को दिया बड़ा योगदान

- मरीजों के लिए 50 दिन तक मुफ्त रिहैबिलिटेशन सुनिश्चित

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने कोयंबटूर स्थित गंगा स्पाइन इंजरी फाउंडेशन (जीएसआईएफ) को महत्वपूर्ण योगदान देने की घोषणा की है। यह कदम स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से जूझ रहे मरीजों के लिए अमूल्य रिहैबिलिटेशन सेवा सुनिश्चित करेगा। अनंत अंबानी ने यह फैसला अपने जन्मदिन 10 अप्रैल से ठीक पहले लिया। जीएसआईएफ ने उनके उदार योगदान के लिए आभार जताया। फाउंडेशन के अनुसार, इस योगदान से मरीजों को 50 दिन या उससे अधिक समय तक पूर्ण, मुफ्त और व्यापक रिहैबिलिटेशन सेवाएं प्राप्त होंगी, जो उनकी व्यक्तिगत रिकवरी आवश्यकताओं पर आधारित होंगी। इस पहल के तहत मरीजों को मेडिकल केयर, फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, मोबिलिटी और व्हीलचेयर ट्रेनिंग, ब्लैडर और बाउल मैनेजमेंट, साइकोलॉजिकल काउंसलिंग, न्यूट्रिशनल सपोर्ट और वोकेशनल/फंक्शनल रिहैबिलिटेशन जैसी सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य मरीजों को आत्मनिर्भर, काम पर लौटने योग्य और समाज में सम्मान के साथ फिर से एकीकृत करना है। जीएसआईएफ के एक अे धिकारी ने कहा, हम इस सार्थक सहयोग के लिए गहराई से आभारी हैं। यह योगदान मरीजों

और उनके परिवारों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालेगा, उन्हें उम्मीद और सम्मान के साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा।

प्रीमियर एनर्जीज को 2,577 करोड़ के मिले ठेके

नई दिल्ली ।

प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 1,600 मेगावाट सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा इन ठेकों का निष्पादन वित्त वर्ष 2027-28 और 2028-29 के दौरान किया जाएगा।इसमें कहा गया कि बढ़ती ऑर्डर बुक कंपनी के विस्तार को दर्शाती है। सितंबर 2026 तक सौर सेल क्षमता 10.6 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है जबकि मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता हाल ही में बढ़ाकर 11.1 गीगावाट की गई है। प्रीमियर एनर्जीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि ठेकों की यह मजबूत आमद विनिर्माण क्षमताओं एवं हमारे प्रौद्योगिकी खाके पर ग्राहकों के भरोसे को दर्शाती है।

घरेलू दवा बाजार में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में तेजी रही

. मूल्य वृद्धि और स्थिर मांग से बाजार में 10ण्5 फीसदी की उच्चतम तिमाही वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली

। भारत का घरेलू फार्मास्यूटिकल बाजार वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में मजबूती के साथ बंद हुआ। बाजार अनुसंधान कंपनी फार्मारैक के अनुसारए चौथी तिमाही में लगभग 10ण्5 प्रतिशत की कुल वृद्धि दर्ज की गईए जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे ऊंची है। वृद्धि में मुख्य योगदान कीमतों की बढ़ोतरी ;5ण्4द्ध5ण्5 फीसदीद्ध का रहाए जबकि वास्तविक खपत में सुधार सीमित रहाए लगभग 1ण्7 फीसदी। मासिक डेटा में स्थिरता दिखी. जनवरी में 10ण्2ए फरवरी में 11 ;शीर्षद्ध और मार्च में 10ण्1 फीसदी। इस स्थिरता से पता चलता है कि सभी चिकित्सा क्षेत्रों में मांग मजबूत रही। विशेष रूप से पुरानी बीमारियों और स्पेशियलिटी दवाओं का योगदान लगातार वृद्धि में अहम रहा। यह संकेत है कि बाजार न केवल कीमतों पर निर्भर हैए बल्कि धीरे.धीरे वास्तविक खपत में सुधार भी आ रहा है। विश्लेषक मानते हैं कि अगर आने वाली तिमाहियों में वॉल्यूम ग्रोथ और बढ़ती हैए तो यह स्वस्थ और टिकाऊ विकास का संकेत देगा।

युद्धविराम से कच्चे तेल में नरमी, लेकिन कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर

अमेरिका-ईरान-इजरायल तनाव में अस्थायी राहत के बावजूद सप्लाई संकट से बाजार दबाव में

नई दिल्ली ।

अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि सप्लाई चेन पर पड़े असर के कारण कीमतें अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी ऊपर बनी रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में नरमी देखने को मिली है, जिसका मुख्य कारण अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच घोषित दो हफ्तों का युद्धविराम है। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट के अनुसार, 28 फरवरी 2026 से जारी सैन्य संघर्ष के दौरान यह पहली बार है जब तनाव में कुछ ठहराव आया है। उनके मुताबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2 अप्रैल को लगभग 128 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो अब घटकर 93 से 95 डॉलर के बीच आ गई है। उनका कहना है कि हमलों में कमी आने से बाजार में शामिल ÷कन्फ्लिक्ट प्रीमियम÷ घटा है, जिससे कीमतों में यह गिरावट आई है। हालांकि, स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। खाड़ी देशों के ऊर्जा ढांचे, तेल टैंकरों और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट में बाधाओं ने तेल निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे उत्पादन में कटौती करनी पड़ी। उनका कहना है कि यह संकट 1973 के तेल संकट के बाद सबसे बड़ा झटका साबित हो सकता है। संघर्ष शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में करीब 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और यह अब भी युद्ध से पहले के स्तर से लगभग 35 प्रतिशत अधिक है। विश्लेषकों के अनुसार इस स्थिति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। इससे वैश्विक विकास दर में 0.20 से 0.30 प्रतिशत तक कमी और महंगाई में 0.70 से 0.90 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में भले ही अभी राहत दिख रही हो, लेकिन कीमतों का जल्द सामान्य होना मुश्किल नजर आ रहा है।

रुपया 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। युद्धविराम के बावजूद इजराइल के लेबनान पर बमबारी जारी रखने की स्थिति में ईरान के वार्ता से बाहर निकलने की धमकी ने निवेशकों को चिंतित कर दिया है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में स्थिति नाजुक बनी रहने से बाजार मजबूत रुख अपनाने के बजाय 'प्रतीक्षा करो और देखो' की स्थिति में हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.63 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.03 पर रहा।

कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले?

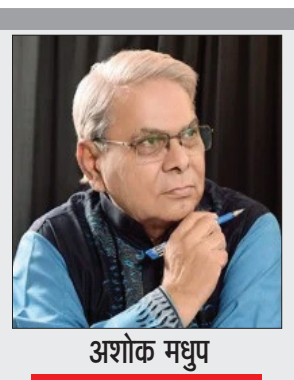

अशोक मधुप

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया।

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नहीं देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए, पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है।

विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन जमीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हजारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इजराइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो। जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिसाइल और ड्रोन दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे, जिस तरह कि करना चाहिए।

रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इजराइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज दब जाती है, वह है–एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस माँ की कराह। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत वे लोग चुकाते हैं जिनका राजनीति या सत्ता की लालसा से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन के कीव से लेकर गाजा की गलियों और ईरान के गांव तक तक, हजारों औरतें और बच्चे मौत की नींद सो चुके हैं। जो उम्र खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में बच्चे बमों के धमाकों को पहचानना सीख रहे हैं। हजारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों का भविष्य मलबे के नीचे दब गया है। युद्ध के दौरान महिलाओं को न केवल विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है, बल्कि वे शारीरिक और मानसिक हिंसा का सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं।

युद्ध केवल इंसान को नहीं मारता, वह सदियों से बनी-बनाई सभ्यताओं और बुनियादी ढांचे को भी नष्ट कर देता है। स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इमारतों पर गिरते बम यह दशार्ते हैं कि आधुनिक समाज कितना ₹असंवेदनशील₹ हो चुका है। जब एक अस्पताल पर मिसाइल गिरती है, तो वह केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं ढहती, बल्कि इंसानियत की आखिरी उम्मीद भी टूट जाती है। इन लड़ाइयों का असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया भर में अनाज की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ दिया। इससे गरीब देशों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया। ईंधन की बढ़ती कीमतें और खाद्य पदार्थों की कमी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जो खरबों डॉलर शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में खर्च होने चाहिए थे, वे आज आधुनिक हथियार और मिसाइलें बनाने में झोंके जा रहे हैं।

युद्ध का एक और खामोश शिकार हमारा पर्यावरण है। हजारों टन गोला-बारूद का इस्तेमाल वायुमंडल को जहरीला बना रहा है। जंगलों की आग, समुद्री प्रदूषण और जमीन में धंसे बारूदी सुरंग आने वाली कई पीढ़ियों के लिए मौत का जाल बिछा रहे हैं। हम जिस धरती को बचाने की कसमें खाते हैं, उसी को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं। संसाधनों को बरबाद कर रहे हैं। जब हम टीवी पर बमबारी के दृश्य देखते हैं और उन्हें केवल एक ₹न्यूज अपडेट₹ की तरह छोड़ देते हैं, तो समझ लीजिए कि हमारे भीतर की इंसानियत मर चुकी है। युद्ध हमें क्रूर बना देता है। हम मौतों को केवल 'आंकड़ों' में गिनने लगते हैं। घृणा का यह बीज जो आज बोया जा रहा है, वह भविष्य में और अधिक कट्टरपंथ और आतंकवाद को जन्म देगा।

अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बन गया है। उसने इराक पर यह कह कर हमला किया था कि उसके पास कैमिकल और अन्य घातक शस्त्र है। इराक हार गया। सद्दाम हुसैन पकड़े ही नही गए, उन्हें फांसी हो गई, किंतु अमेरिका इराक से कुछ भी बरामद नही कर पाया। उसका सब झूंठा प्रचार रहा। अब ईरान पर यह कह कर इजरायल और अमेरिका ने हमला किया कि वह परमाणु बम बनाने के नजदीक है। उसकी इस शक्ति को खत्म करना है। हमले जारी है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए अपने मन की बात कह दी कि उसे ईरान के तेल पर कब्जा करना है। तीन जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने एक सैन्य ऑपरेशन के दौरान वेनेजुयला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश (कराकस) से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नार्को-आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों के बाद की गई। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। बहाना मादक पदार्थों की तस्करी रोकना था किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं कि वेनेजुयला का तेल वे बेचेंगे। उनकी मर्जी से बिकेगा। इस सब का मतलब साफ है कि दुनिया के संसाधनों पर अमेरिका की नजर है। वह किसी ने किसी बहाने उन पर कब्जा करना चाहता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने कहा है कि अगर थोड़ा और समय मिला तो अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल सकता है और वहां से तेल लेकर बड़ा मुनाफा कमा सकता है। उनके इस बयान ने पहले से चल रहे संघर्ष को और संवेदनशील बना दिया है।

फिलहाल ईरान ने इस अहम समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है। इस कारण दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है और कीमतों में तेजी देखी जा रहीयह संघर्ष अब सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रहा है। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान और लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी कई खाड़ी देशें पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हाल के दिनों में हमलों की संख्या कुछ कम हुई है, लेकिन पूरी तरह रुकी नहीं है।

ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इन्कार करने वाले ब्रिटेन जैसे वह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की वजह से जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं। उनके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुझाव हैः पहला- अमेरिका से तेल खरीदो, हमारे पास बहुत है। दूसरा- हिम्मत जुटाओ, जलडमरूमध्य पर जाओ और उसे अपने कब्जे में ले लो।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के पूर्व महानिदेशक मोहम्मद अल बारदेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के बाद खाड़ी देशों से हस्तक्षेप करने की तत्काल अपील की है। पूर्व आईएईए प्रमुख ने विनाशकारी सैन्य टकराव की संभावना का जिक्र किया। बारदेई ने एक्स पर एक पोस्ट में पड़ोसी खाड़ी देशों को संबोधित करते हुए कहा, ₹कृपया, एक बार फिर अपनी पूरी ताकत झोंक दें, इससे पहले कि यह पागल शख्स इलाके को आग का गोला बना दे।₹ मोहम्मद अल बारदेई ने अपनी गुहार को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हुए युद्ध को रोकने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। संयुक्त राष्ट्र के साथ रूस-चीन-फ्रांस को संबोधित एक अलग पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या इस पागलपन को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है?

युद्ध किसी समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास ने बार-बार सिखाया है कि युद्ध के मैदान में कभी कोई नहीं जीतता, बस जो कम हारता है वह खुद को विजेता घोषित कर देता है। रूस, यूक्रेन, इजराइल, ईरान या अमेरिका–शक्ति का प्रदर्शन किसी को महान नहीं बनाता। महानता इस बात में है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया दें जहाँ बारूद की गंध नहीं, बल्कि भाईचारे की मिठास हो। एक बार और अमेरिका वियतनाम और अफगानिस्तान में जाकर अपना अंजाम देख चुका है। बाद में बहुत कुछ गंवाकर वहां से भाग आया। ये ईरान है। यहां के गांव वाले, युवाओं और बच्चों ने भी अब शस्त्रों से दोस्ती कर ली है। हथियार संभाल लिए है। अमेरिका के दो हेलिकॉप्टर को मार गिराने वाला एक मामूली गडरिया है। इस गडरिए को तो युद्ध कला भी नही आती। सिर्फ इतना जानता है कि ये हेलिकॉप्टर हमलावर अमेरिका के है। जिस देश की जनता इतनी जुझारू और लड़ाका हो, जिसके गडरिये अमेरिका जैसे देश के दो-दो आधुनिकतम हेलिकॉप्टर गिरा दें, उसे हराना संभव नहीं।

आज दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्हें युद्ध के उन्माद को रोकना होगा। नहीं रोका, तो वह दिन दूर नहीं जब 'इंसान' तो बचेगा, लेकिन उसके भीतर की 'इंसानियत' पूरी तरह दफन हो चुकी होगी। हमें यह समझना होगा कि धरती पर सरहदें हमने खींची हैं, कुदरत ने नहीं। शांति की मेज पर बैठकर बात करना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी बहादुरी है। वक्त आ गया है कि हम ₹हथियारों की होड़₹ को छोड़कर ₹मानवता की जोड़₹ पर ध्यान दें। वरना इतिहास हमें उन लोगों के रूप में याद रखेगा, जिनके पास सब कुछ था, बस एक-दूसरे के लिए दया और प्रेम नहीं था।

संपादकीय

नाजुक युद्धविराम

तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा से दुनिया को उस युद्ध से राहत मिली है, जिसने संघर्षरत पक्षों के अलावा पूरी दुनिया के लोगों के जीवन यापन को गहरे तक प्रभावित किया। निस्संदेह इस युद्ध ने पश्चिम एशिया के रणनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने के साथ ही वैश्विक कूटनीति पर असर डाला है। एक माह से अधिक समय तक चले इस युद्ध में विनाशकारी हवाई हमलों, होर्मुज जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी और सभ्यता के विनाश के खतरों के बाद अब एक अस्थायी विराम ने पूरी दुनिया को राहत दी है। युद्ध भले ही अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच लड़ा जा रहा था, लेकिन इसने दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों, वैश्विक बाजारों और ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरे तक प्रभावित किया। उनके लिये अस्थायी युद्ध विराम होना निस्संदेह राहतकारी खबर है। लेकिन इसके बावजूद हकीकत यह है कि इस नाजुक शांति के पीछे कई चिंताजनक सच्चाइयां छिपी हैं। यह सर्वविदित है कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इस्राइल ने यह युद्ध शुरू किया था, वे कहीं से पूरे होते नजर नहीं आते। वह बात अलग है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार लक्ष्य पूरे होने की दलील देते रहते हैं। वहीं ईरान भी युद्ध विराम को अपनी सफलता के रूप में दर्शा रहा है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व के प्रमाण और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को खत्म करने के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान इसे अपनी एक रणनीतिक जीत बताता है। उसकी दलील है कि उसने दुनिया की सुपरपॉवर अमेरिका व आक्रामक इस्राइल की सेनाओं के हमलों का अकेले ही मुकाबला किया और वैश्विक तेल आपूर्ति पर अपने प्रभाव को प्रदर्शित किया है। ऐसे में कूटनीति के जानकार आशंका जता रहे हैं कि ये परस्पर विरोधी बयानबाजी स्थायी शांति की दिशा में एक कारगर कदम नहीं, बल्कि महज रणनीति में बदलाव का संकेत है।

चिंतन-मनन

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है। इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

होम्योपैथीः मीठी गोलियों में छिपा आरोग्य का महासागर

दिलीप कुमार पाठक

आज के दौर में जब हम सुबह उठते हैं, तो हमारा सामना प्रदूषण, मिलावट और तनाव से होता है। ऐसे में बीमारियां हमारे जीवन का हिस्सा बन गई हैं। आज दुनिया में चिकित्सा की कई पद्धतियां हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के कुछ आंकड़े हमें चौंकाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, होम्योपैथी आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति बन चुकी है। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता हर साल करीब 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है। अकेले हमारे देश भारत की बात करें, तो यहाँ लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए पूरी तरह होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं। यह भरोसा यूँ ही नहीं बना है, इसके पीछे इस पद्धति की सादगी और बिना किसी नुकसान के ठीक करने की ताकत छिपी है। अक्सर शरीर के अनजाने रोगों के लिए लोग सालों-साल इलाज कराते हैं। लाखों रुपए अस्पतालों और जांचों में खर्च कर देते हैं परिणाम के नाम सिर्फ चंद घंटों की राहत मिलती है। ऐसे में होम्योपैथी सस्ता और पक्का विकल्प बनकर सामने आती है। आयुष मंत्रालय की मानें तो होम्योपैथी का इलाज अन्य पद्धतियों के मुकाबले काफी किफायती है, जो भारत के हर आम और गरीब आदमी की पहुँच में है। लेकिन इसका सस्ता होना इसकी कमजोरी नहीं, बल्कि इसकी खूबी है। यह शरीर को रसायनों की भट्टी बनाने के बजाय उसे अंदर से मजबूत बनाने का काम करती है।

होम्योपैथी के बारे में एक बात बहुत मशहूर है कि यह असर दिखाने में बहुत वक्त लेती है। लोग अक्सर कहते हैं कि यह बहुत धीमी है। लेकिन हकीकत यह है कि यह धीमी नहीं बल्कि गहरी है। जब कोई बीमारी पुरानी हो जाती है, तो वह शरीर की जड़ों में बैठ जाती है। उस जड़ तक पहुँचने में दवा को थोड़ा समय तो लगता ही है। कई बार ऐसा देखा गया है कि इलाज शुरू करने के पहले पंद्रह दिनों तक मरीज को कोई खास फर्क महसूस नहीं होता। मरीज को लगता है कि शायद ये गोलियां काम नहीं कर रही हैं। लेकिन असल में वह पंद्रह दिन का समय शरीर के अंदर की सफाई और मरम्मत का होता है। जैसे ही वह आधार तैयार होता है, पंद्रह दिन बाद अचानक बीमारी ऐसे गायब होने लगती है जैसे कभी थी ही नहीं। आजकल एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होना एक बड़ी वैश्विक चिंता बन गया है। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 30 प्रतिशत लोग अब पुरानी बीमारियों के लिए सबसे पहले होम्योपैथी का चुनाव कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इन दवाओं का लीवर, किडनी या पेट पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। यही वजह है कि आज कई बड़े एलोपैथी डॉक्टर भी दबी जुबान में मानने लगे हैं कि जहाँ आधुनिक विज्ञान की सीमाएं खत्म होती हैं, वहाँ होम्योपैथी का अनुभव और असर कमाल कर जाता है।

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व होम्योपैथी दिवस दरअसल इस पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि मरीज का इलाज करते समय केवल उसके अंगों को नहीं, बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को देखना चाहिए। होम्योपैथी में दवा देते समय डॉक्टर केवल आपकी बीमारी नहीं पूछते, बल्कि आपकी पसंद-नापसंद और आपके स्वभाव को भी समझते है। क्योंकि विज्ञान मानता है कि हर इंसान की बनावट और उसकी तकलीफ अलग होती है, इसलिए उसका इलाज भी अलग और विशेष होना चाहिए। भारत में अब 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड होम्योपैथी डॉक्टर दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। सरकार ने भी इसे नेशनल हेल्थ मिशन का हिस्सा बनाकर इसकी ताकत को पहचाना है। यह पद्धति हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज नहीं जिसे आप दुकान से खरीद लें, यह तो एक संतुलन है जो कुदरत के करीब रहने से मिलता है। आज के महंगाई के दौर में, जब एक मामूली बीमारी भी घर का बजट बिगाड़ देती है, तब होम्योपैथी एक राहत भरी सांस की तरह लगती है। यह न केवल शरीर को ठीक करती है, बल्कि मरीज के मन से उस बीमारी का डर भी निकाल देती है। अंत में, बस इतना ही कहना काफी होगा कि आरोग्य का रास्ता हमेशा कड़वा या महंगा हो, यह जरूरी नहीं है। कभी-कभी मीठी गोलियों का छोटा सा सफर भी बड़े-बड़े रोगों को मात दे सकता है। जरूरत है तो बस थोड़े से धैर्य की और अपनी कुदरती ताकत पर विश्वास रखने की। यदि हम होम्योपैथी को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो हम न केवल बीमारियों से बचेंगे बल्कि एक खुशहाल और दुष्प्रभाव मुक्त जीवन जी पाएंगे।

महिला आरक्षण से कानून-निर्माण में भागीदारी - लोकतंत्र का शुभसंदेश

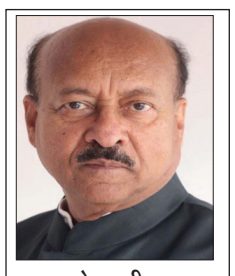

ब्रजमोहन श्रीवास्तव

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन राष्ट्रीय कानून निर्माण में उनकी भागीदारी नगण्य रही है। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, उन्हें विधानसभा और लोकसभा में अवसर तो मिले, परंतु उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक कानून-निर्माण के मंच पर उनकी उपस्थिति राजनैतिक परिस्थितियों और दलों की प्राथमिकताओं व नेताओं की मेहरबानी पर निर्भर रही।

तीन दशकों से अधिक समय के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं आया बल्कि महिलाओं द्वारा परिणाम की चिंता किये वगैर निरंतर प्रयासों और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका की छाप छोड़ने का परिणाम है। महिला आरक्षण संविधान-106वां संशोधन अधिनियम, 2023 के पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं

रहेगा, बल्कि वे राष्ट्र के नीति-निर्माण व कानून बनाने में बराबरी से भागीदार होंगी ।

यह ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। श्री मोदीजी का मानना है कि आरक्षण देने में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है इसलिए इसे अब और नहीं टाल सकते । हालांकि, इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है इसलिए यह 2029 के आम चुनावों में भी लागू हो सकता है।

महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों की यात्रा के यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीस वर्ष लगे है। 1992-93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगरीय निकायों में 33% आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं की भागीदारी का मार्ग कानूनी रूप से प्रशस्त हुआ। इसके बाद कई राज्यों ने इसे 50% तक बढ़ाया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50% महिला आरक्षण लागू है फलस्वरूप आज महिलाएँ अध्यक्ष, महापौर तथा पार्षद या नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व दे रही हैं।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है।

यह स्पष्ट है कि पिछले 30 वर्षों में महिलाओं का नेतृत्व क्रमिक रूप से विकसित हुआ है। इसी क्रमिक मजबूत आधार के कारण 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करना पड़ा, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है । यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है जिससे कुल आबादी का 50 प्रतिशत जो अभी तक मतदान तक सीमित था आने वाले समय में कानून निमार्ता की श्रेणी में आ जाएगा।

दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखते हुए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना किसी राजनैतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का नैतिक दायित्व है जिसे पूरा करने के लिये एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ रही है फिर विपक्ष चाहे कैसी भी पैंतरेबाजी करें ।

पिछले वर्षों में अधिकांश नीतियाँ पुरुष-प्रधान दृष्टिकोण से बनीं, उदाहरणार्थ, जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिये निर्माण की अनदेखी हुई। स्थानीय निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया क्योंकि यह उनकी भी जरूरत से जुड़ा था। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि जब नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो निर्णय अधिक संवेदनशील, समावेशी और व्यावहारिक होते हैं जिसमें सारी जनता की जरूरतों का समावेश होता है। महिला आरक्षण कानून की आलोचना करने वालों को इसे संकीर्ण राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए क्योंकि यह भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। आँकड़े बताते हैं कि जब महिलाएँ बराबरी से भागीदारी करती हैं, तो शासन अधिक प्रभावी, नीतियाँ अधिक संतुलित और समाज अधिक सशक्त बनता है।

आज महिलाएँ केवल सामाजिक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्योग, वित्त, तकनीक और प्रशासन के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि वे सक्षम प्रशासक, दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता और संवेदनशील निर्णयकर्ता हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वे उत्कृष्ट कानून-निमार्ता भी बनेंगी।

देश की महिलाओं ने हर स्तर पर अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में समान अवसर दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय केवल एक कानून नहीं, बल्कि नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने श्रीमती सुनेत्रा पवार को पहले महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री और फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित कर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। वह दिन दूर नहीं जब राज्यों में हम बड़ी संख्या में महिला मुख्यमंत्रियों को सरकार चलाते हुए देखेंगे ।

(पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता, राकांपा है)

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से ईरान संग युद्धविराम पर की बात : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्तों के युद्धविराम पर सहमति बनी है। इजरायल ने भी इस फैसले का समर्थन किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की थी, जिसके बाद ईरान के साथ युद्धविराम ढांचे पर समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाया। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, 'राष्ट्रपति ने डील पक्की करने के लिए पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। उन्होंने युद्धविराम पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी बात की थी।' यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमलों को रोकने और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने से जुड़ी वार्ताओं के लिए दो सप्ताह का समय देने का निर्णय लिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह दो हफ्ते के लिए हमले रोक देंगे, बशर्ते ईरान इस अहम समुद्री रास्ते को पूरी तरह तुरंत और सुरक्षित तरीके से फिर से खोलने पर सहमत हो जाए। ईरान ने इस रोक को कुछ शर्तों के साथ मंजूरी दी और कहा कि अगर हमले रुक जाते हैं, तो वह भी अपनी गतिविधियां रोक देगा और इस दौरान स्ट्रेट से सीमित और सुरक्षित आवाजाही की इजाजत देगा। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि इजरायल भी दो हफ्ते की इस रोक पर सहमत हो गया है। यह अमेरिका के रुख के मुताबिक ही है, क्योंकि हालात को स्थिर करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस युद्धविराम को सैन्य अभियानों के बाद अपनाई गई एक बड़ी रणनीति का हिस्सा बताया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह अमेरिका की जीत है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और हमारी शानदार सेना ने मुमकिन बनाया है।

ट्रंप के बेटे ने यूरोपीय संघ की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने बोस्निया के दौरे के दौरान यूरोपीय संघ की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप में बहुत सारी उदार और 'वोक' नीतियां निवेश को रोक रही हैं और यह यूरोपीय संघ के पूर्वी और पश्चिमी देशों के बीच बड़े मतभेद पैदा कर रही हैं।ट्रंप जूनियर ने कहा कि पूर्वी यूरोपीय देशों में कामकाजी मानसिकता अब भी बनी हुई है, जबकि पश्चिमी यूरोप राजनीतिक मामलों में भ्रमित है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप की इस स्थिति को सुधारने का तरीका है कि वे अपने रास्ते से हटें।उनका यह दौरा बोस्निया के सेर्ब रिपब्लिका स्र्स्का क्षेत्र में हुआ, जहां के नेताओं ने लंबे समय से अमेरिकी और रूसी नेताओं का समर्थन किया है। यह दौरा वहां की सेर्ब अलगाववादी राजनीति को भी समर्थन देने वाला माना गया।

बांग्लादेश में पहली महिला स्पीकर शर्मिन चौधरी ढाका से गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश संसद की पूर्व और पहली महिला स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी को राजधानी ढाका में गिरफ्तार कर लिया गया है। चौधरी को ढाका महानगर पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने लालबाग पुलिस स्टेशन में जन आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं से संबंधित एक मामले में गिरफ्तार किया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने कहा, उन्हें गिरफ्तार कर कार्यालय लाया गया और गहन पूछताछ की जा रही है। वह कई जगहों पर छिपी हुई थीं और हाल ही में वह धानमंडी में एक रिश्तेदार के घर पर रह रही थीं।

तनाव के बीच चीन पहुंचीं ताइवान की नेता प्रतिपक्ष चेंग ली वुन

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान जलडमरूमध्य में जारी तनाव के बीच ताइवान की नेता प्रतिपक्ष चेंग ली-वुन छह दिवसीय दौर पर मंगलवार को शंघाई (चीन) पहुंचीं। वुन के साथ उनकी बीजिंग समर्थक पार्टी- चीनी कुओमिन्तांग (केएमटी) का एक प्रतिनिधिमंडल भी चीन की यात्रा पर है। इस यात्रा के दौरान वुन राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर जलडमरूमध्य में तनाव कम करने पर चर्चा करेंगी। वुन की चीन यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर है।

इस्लामाबाद वार्ता के लिए पाक जाएंगे जेडी वेंस? स्टीव विटकॉफ, जेरेड कुशनर भी होंगे साथ

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया में चल रहे भारी तनाव और संघर्ष को कम करने की दिशा में एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। बुधवार को पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान को शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद आने का न्योता दिया। यह अहम बैठक शुक्रवार, 10 अप्रैल को होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में शामिल होने के लिए ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, उनके दामाद जेरेड कुशनर और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस्लामाबाद का दौरा कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस फिलहाल हंगरी के दौरे पर हैं और उनके मौजूदा विदेशी दौरे के कार्यक्रम में इस्लामाबाद को भी शामिल किए जाने की संभावना है।

इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया को इस बड़े घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिका, ईरान और उनके सहयोगी देश मौजूदा संघर्ष के बीच तत्काल युद्धविराम के लिए तैयार हो गए हैं। प्रधानमंत्री शरीफ ने अपनी पोस्ट में लिखाः अत्यंत विनम्रता के साथ, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इस्लामी गणराज्य ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका, अपने सहयोगियों के साथ, लेबनान और अन्य सभी स्थानों पर तत्काल युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं, जो तुरंत प्रभाव से लागू होगा।

इस्लामाबाद वार्ता' का उद्देश्य : शहबाज शरीफ ने जानकारी दी कि पाकिस्तान ने दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) के प्रतिनिधिमंडलों को 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में आमने-सामने की बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। इस वार्ता का मुख्य लक्ष्य एक निर्णायक समझौते पर पहुंचना और दोनों देशों के बीच सभी विवादों को सुलझाना है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद वार्ता' क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अहम शांति वार्ता में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक उच्च-स्तरीय दल इस्लामाबाद जाएगा। इस दल में शामिल प्रमुख नाम हैंः जेडी वेंसः अमेरिका के उपराष्ट्रपति, स्टीव विटकॉफः राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत, जेरेड कुशनरः वाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार और राष्ट्रपति के दामाद, पाकिस्तान के सरकारी टेलीविजन ने पुष्टि की है कि अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधियों के बीच यह बातचीत आमने-सामने होगी।

ईरान की पहली पसंद बने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस : रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने ट्रंप प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया है कि वे स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ बातचीत के पक्ष में नहीं हैं। सूत्रों के हवाले से सीएनएन ने बताया कि पिछली वार्ताओं के विफल होने और उसके बाद अमेरिका-इजरायल द्वारा की गई सैन्य कार्रवाइयों के कारण ईरान में इन दोनों अमेरिकी अधिकारियों के प्रति विश्वास की भारी कमी है।

इसके विपरीत, ईरान का मानना है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस युद्ध को समाप्त करने के प्रति अधिक सहानुभूति रखते हैं। वेंस के कूटनीतिक रुख को देखते हुए ईरान को लगता है कि उनके नेतृत्व में होने वाली बातचीत अधिक फलदायी और संघर्ष को निर्णायक रूप से खत्म करने वाली साबित हो सकती है।

इससे पहले, फरवरी 2026 में जेनेवा में ओमान की मध्यस्थता में विटकॉफ और कुशनर ने ईरान के साथ अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता की थी। उस समय प्रगति हुई थी, लेकिन उसके दो दिन बाद अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमले कर दिए और सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई नेताओं की हत्या कर दी, जिससे युद्ध शुरू हो गया। ईरान ने इसे धोखा माना और विटकॉफ व कुशनर के साथ आगे बातचीत से इनकार कर दिया।

ईरान को पाई पाई चुकाएगा अमेरिका, जो नुकसान किया उसका देगा मुआवजा

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम का ऐलान हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान से मिले 10 बिंदु बातचीत आगे बढ़ाने का आधार हैं। खबर है कि इसमें ईरान ने एक शर्त यह भी रखी है कि उसे हुए नुकसान का मुआवजा भी दिया जाएगा। सबसे बड़ी राहत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का खुलना मानी जा रही है, जिसपर दुनिया का तेल वितरण टिका हुआ था। सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, जिसमें लेबनान के 'इस्लामिक रेजिस्टेंस' के खिलाफ युद्ध भी शामिल है। ट्रंप ने लिखा, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर से हुई बातचीत के आधार पर, जिसमें उन्होंने मुझसे ईरान पर आज रात होने वाले विनाशकारी हमले को रोकने का अनुरोध किया था। साथ ही ईरान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरा, तत्काल और सुरक्षित तरीके से खोलने के मद्देनजर मैं दो सप्ताह के लिए ईरान पर दो हफ्ते के लिए बमबारी और हमले रोकने के लिए तैयार हो गया हूं।' ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच पिछले विवाद के लगभग सभी बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है, लेकिन दो हफ्तों का संघर्ष विराम समझौते को अंतिम रूप देने और लागू करने में मदद करेगा।' पाकिस्तान ने बुधवार को अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद में वार्ता के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान ने तत्काल संघर्षविराम पर सहमति जताई है। शरीफ ने बताया कि पाकिस्तान ने दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में आमने-सामने बातचीत के लिए आमंत्रित किया है, ताकि 'सभी विवादों का समाधान' निकाला जा सके। एपी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि चीन ने ईरान के नेताओं से बातचीत करके उन्हें अमेरिका से युद्धविराम का रास्ता तलाशने के लिए राजी करने की कोशिश की। दो अधिकारियों ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा कि बातचीत के दौरान चीनी अधिकारी ईरानी अधिकारियों के संपर्क में थे।

ऑस्ट्रेलिया में पूर्व सैनिक पर युद्ध अपराध का केस दर्ज

डरबन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में एक और पूर्व सैनिक पर युद्ध अपराध का केस दर्ज किया गया है। उस पर आरोप है कि उसने 2009 से 2012 के बीच अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान पांच निहत्थे नागरिकों की हत्या की थी। पुलिस ने अभी तक आरोपी के नाम की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उसे जल्द ही सिडनी की एक अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। 47 वर्षीय यह सैनिक अफगानिस्तान अभियान में शामिल होने वाला दूसरा ऑस्ट्रेलियाई पूर्व सैनिक है, जिस पर युद्ध अपराध का आरोप लगा है।

वकील से मिल सकेंगे इमरान खान इस्लामाबाद हाईकोर्ट का आदेश

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अल-कादरी ट्रस्ट मामले में जल्द ही अपने वकील से मिल सकेंगे। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को अधिकारियों को आदेश दिया कि वे खान और उनके अधिवक्ता की मुलाकात का इंतजाम करें। दरअसल, सुनवाई के दौरान अधिवक्ता सलमान सफदर ने कहा कि उन्हें अपने मुवक्किल (खान) से केस के सिलसिले में परामर्श करने की जरूरत है। इस पर मुख्य न्यायाधीश सरफराज डोगर और न्यायमूर्ति मोहम्मद आसिफ की पीठ ने उन्हें इजाजत दे दी।

लेबनान पर लागू नहीं होगा युद्धविराम, शहबाज शरीफ के दावों को नेतन्याहू ने किया खारिज

येरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए कूटनीति का रास्ता खुल चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ हमलों को रोकने के साथ बातचीत के लिए दो सप्ताह के युद्धविराम का एलान किया है। इस्राइल ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले का समर्थन किया है। हालांकि, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ किया है कि यह युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। नेतन्याहू के बयान ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस दावे की पोल खोल दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह युद्धविराम ईरान के साथ ही लेबनान पर भी लागू होगा।

लेबनान पर लागू नहीं होगा युद्धविराम : नेतन्याहू : इस्राइली पीएम ने आगे कहा, ''अमेरिका ने इस्राइल को बताया है कि वह आगामी वार्ता में अमेरिका, इस्राइल और पश्चिम एशिया के क्षेत्रीय सहयोगियों द्वारा साझा किए गए इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। दो सप्ताह का यह युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। तुरंत होर्मुज खोले ईरान :इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान के खिलाफ दो सप्ताह के लिए हमले निलंबित करने के फैसले का समर्थन करता है, बशर्ते ईरान तुरंत जलडमरूमध्य खोल दे। उन्होंने कहा कि अमेरिका, इस्राइल और क्षेत्र के देशों पर सभी हमले बंद कर दे। उन्होंने कहा कि इस्राइल, अमेरिका द्वारा यह सुनिश्चित करने के प्रयासों का भी समर्थन करता है कि ईरान अब अमेरिका, इस्राइल, ईरान के अरब पड़ोसियों और दुनिया के लिए परमाणु, मिसाइल और आतंकवादी खतरा न बने। शहबाज शरीफ ने किया था क्या दावा? पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा करते हुए कहा था कि ईरान और अमेरिका, अपने सहयोगियों सहित लेबनान और अन्य सभी क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस दूरदर्शी कदम का स्वागत करता हूं और दोनों देशों के नेतृत्व के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। शरीफ ने कहा,''मैं दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 को इस्लामाबाद में सभी विवादों के समाधान के लिए एक निर्णायक समझौते पर आगे की बातचीत के लिए आमंत्रित करता हूं। दोनों पक्षों ने उल्लेखनीय बुद्धिमत्ता और सूझबूझ का प्रदर्शन किया है और शांति एवं स्थिरता के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में रचनात्मक रूप से लगे रहे हैं।

सीजफायर को बाद तेहरान में जश्न का माहौल, खुशी से झूम रही ईरानी अवाम

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट के लिए आज की सुबह एक बड़ी राहत लेकर आई है. अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण जंग पर 40 दिनों के बाद सीजफायर हो गया है. दोनों देशों ने आधिकारिक तौर पर दो हफ्तों के सीजफायर यानी युद्धविराम की घोषणा कर दी है. इस खबर के आते ही तेहरान में लोग इसे अपनी बड़ी जीत मानकर ढोल-नगाड़ों के साथ खुशियां मना रहे हैं.वहीं ईरान से सटे इराक में भी लोग जश्न में डुबे हैं. बगदाद के तहरीर स्क्वायर पर इराकियों का हुजूम जश्न मनाने सड़कों पर उतर आया है.

ईरान की तरफ से दावा किया जा रहा है कि यह अमेरिकी-इजरायली ताकतों के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक जीत है. भारत में मौजूद ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्क' पर इस जीत का संदेश साझा किया है. हालांकि, दूसरी तरफ वाशिंगटन की तस्वीर बिल्कुल अलग है. ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिका की जीत बता रहे हैं.

पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुआ सीजफायर : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस पूरे घटनाक्रम की बारीकियों को साझा किया है. ट्रंप ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ लंबी बातचीत की. ट्रंप के मुताबिक, पाकिस्तान ने अमेरिका से गुजारिश की थी कि ईरान पर होने वाले उस भीषण हमले को फिलहाल टाल दिया जाए, जो आज रात ही अंजाम दिया जाना था. इसके बाद ट्रंप ने ईरान के सामने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को तुरंत और सुरक्षित तरीके से खोलने की शर्त रखी. ईरान के राजी होने के बाद अब दो हफ्तों के लिए बमबारी और हमले रोक दिए गए हैं. 'हमने 38 दिनों में पूरा किया अपना मिशन' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस युद्धविराम को राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी सेना की एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है. उन्होंने कहा कि युद्ध की शुरुआत में ट्रंप ने अनुमान लगाया था कि यह जंग चार से छह हफ्ते चलेगी और ठीक 38वें दिन अमेरिका ने अपने मुख्य सैन्य उद्देश्यों को न केवल हासिल किया, बल्कि उनसे आगे निकल गया. अब वाशिंगटन का ध्यान 'दीर्घकालिक शांति' की ओर है. क्या अब हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी ईरान अमेरिका की दुश्मनी? युद्धविराम की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी वह '10 सूत्रीय प्रस्ताव' है जो ईरान की तरफ से अमेरिका को भेजा गया है. राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि पुराने विवादों के लगभग सभी बिंदुओं पर दोनों देशों के बीच सहमति बन चुकी है।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने डोनाल्ड ट्रंप से की मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इन दिनों अमेरिका में हैं। मंगलवार रात उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका-भारत संबंधों पर चर्चा की।

गोर ने मुलाकात को बताया यादगार : सर्जियो गोर ने इस मुलाकात को बहुत यादगार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रात्रिभोज का अनुभव शानदार रहा। हमने वैश्विक स्थिरता लाने के उनके अटूट संकल्प, उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की ऐतिहासिक उपलब्धियों, भारत-अमेरिका संबंधों के उज्ज्वल भविष्य और कई अन्य विषयों पर चर्चा की! इतिहास को अपनी आंखों के सामने घटते हुए देखना एक बेहद यादगार शाम थी'

वाणिज्य सचिव से हुई भी मुलाकात : इससे पहले सर्जियो गोर ने अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक से भी मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने के रोडमैप पर बात हुई। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक नए समझौते पर चर्चा की। इसके अलावा, भारतीय दवा कंपनियों के अमेरिका में निवेश को लेकर भी बातचीत हुई। इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और सामान की सप्लाई चेन मजबूत होगी। गोर ने भारतीय कंपनियों को आने वाले समिट में हिस्सा लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

गोर काश पटेल की तारीफ की : सर्जियो गोर ने एफबीआई के निदेशक काश पटेल से भी मुलाकात की। उन्होंने साइबर अपराध, नशीली दवाओं की तस्करी और अवैध नेटवर्क जैसे अंतरराष्ट्रीय खतरों से निपटने के लिए आपसी सहयोग पर चर्चा की। गोर ने सुरक्षा के मामले में काश पटेल के काम की सराहना की। उन्होंने बताया कि काश पटेल के नेतृत्व में अमेरिका में कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है। साल 2025 में हिंसक अपराधों में गिरफ्तारियां 112 प्रतिशत बढ़ी हैं, जबकि हत्या और लूटपाट की घटनाओं में 20 प्रतिशत की कमी आई है।

सर्जियो गोर ने जेडी वेंस से भी की मुलाकात : अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान सर्जियो गोर ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से भी मुलाकात की। उन्होंने वेंस के साथ भारत और अमेरिका के संबंधों को और बेहतर बनाने पर विचार-विमर्श किया। राजदूत की इन मुलाकातों से साफ है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच सहयोग और गहरा होगा।

ईरान से सीजफायर कर घर में ही घिरे डोनाल्ड ट्रंप, कट्टर समर्थक हो गए नाराज

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को तबाह करने की धमकी देने के बाद अब सीजफायर का ऐलान कर दिया है। इस युद्धविराम के तहत अमेरिका ईरान पर अपने हमले रोक देगा। वहीं दूसरी तरफ ईरान ने कहा है कि उसने दो हफ्ते के लिए सीजफायर पर सहमति जरूर जताई है, लेकिन युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। ऐसे में युद्धविराम को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। इस बीच सीजफायर के ऐलान के बाद डोनाल्ड ट्रंप घर में ही घिर गए हैं। उनके समर्थकों ने खुलकर ट्रंप के इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। रिपब्लिकन पार्टी आपस में भी बंट गई है।

बुधवार को ट्रंप की नीतियों की बड़ी समर्थक रहीं लारा लूमर ने कहा कि इस युद्धविराम से अमेरिका के लिए जीत जैसा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से अमेरिका को कुछ हासिल नहीं हुआ और ईरान के लोग जश्न मना रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'हमें इससे असल में कुछ भी हासिल नहीं हुआ और ईरान में आतंकवादी जश्न मना रहे हैं।

क्या बोलीं लारा लूमर : लारा लूमर ने आगे लिखा, 'मुझे नहीं पता कि लोग ऐसा क्यों बर्ताव कर रहे हैं जैसे यह कोई जीत हो। मुसलमान, वोक राइख और ट्रंप से नफरत करने वाले इस 'समझौते' का इस्तेमाल राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला करने के लिए कर रहे हैं। वे टकर कार्लसन के सहयोगियों की तारीफ कर रहे हैं और राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ 25वें संशोधन का इस्तेमाल करने की मांग कर रहे हैं। यह सीजफायर नाकाम होगा।' लारा लूमर ने कहा कि ट्रंप सही साबित होंगे कि ईरानी शासन को जड़ से मिटाने की जरूरत है, लेकिन फिलहाल ट्रंप गुमराह हो चुके हैं।

समीक्षा की मांग : दूसरी तरफ सीनेटर रिक स्कॉट ने इस युद्धविराम को सही दिशा में उठाया गया कदम बताया। उनका कहना है कि ट्रंप की यह नीति दर्शाती है कि मजबूत नेतृत्व के जरिए शांति की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है, न कि कमजोर नीतियों के जरिए। वहीं रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने इस पूरे मामले को लेकर सावधानी बरतने की बात कही। उन्होंने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि क्या सच है और क्या गलत, इसलिए इस समझौते की गहराई से समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जैसे पहले ईरान से जुड़े समझौतों की जांच की गई थी, वैसे ही इस बार भी संसदीय समीक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि हर पहलू को ठीक से समझा जा सके।

ट्रंप ने किया था ऐलान : इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार देर रात ईरान पर बड़े हमलों की अपनी धमकी से पीछे हटते हुए युद्धविराम की घोषणा की। ट्रंप को तेहरान को समझौते के लिए दी गई तय समयसीमा खत्म होने से लगभग दो घंटे पहले यह ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान दो सप्ताह के संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं, और इस वजह से वह ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों पर हमले को अपनी योजना फिलहाल टाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष विराम में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना भी शामिल है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने कहा है कि उसने संघर्षविराम को स्वीकार कर लिया है और वह शुक्रवार से पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका से बातचीत करेगा। हालांकि, ना तो ईरान और न ही अमेरिका ने यह बताया कि संघर्षविराम कब से लागू होगा। ईरान ने युद्धविराम के लिए एक 10 सूत्री संघर्षविराम योजना भी जारी की है। इस बीच बुधवार सुबह इजरायल, ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हमले जारी रहे।

बाजार में बिकने वाली कुछ सब्जियों-फलों और कुछ मसालों व सूखे मेवे में काफी बीमारियों को दूर करने के गुण छुपे हुए हैं। इनमें हाई ब्लडप्रेशर को कम करने में काफी गुण पाए गए हैं। इनको अपने जीवन में शामिल कर लें। हाई ब्लडप्रेशर से होने वाली सम्पूर्ण विश्व में हृदयाघात और दिल की बीमारियों का मुख्य कारण है। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि अधिक समय तक बल्ड प्रेशर का स्तर सामान्य से अधिक रहता है तो इसके कारण रक्त वाहिनियां कमजोर हो जाती हैं जिसके कारण खून के थक्के बन सकते हैं। बल्ड प्रेशर के अधिक होने से केवल हृदय पर ही प्रभाव नहीं पड़ता बल्कि इससे आपके मानिसक स्वास्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। अभी भी हम में से अधिकांश लोग इस बीमारी के प्रति पूरी तरह सचेत नहीं हैं। हाई ब्लड प्रेशर वाले क्या करें और क्या नहीं क्योंकि इस बीमारी के प्रति लोगों में बहुत गलतफहमियां हैं अत- इस बीमारी के बारे में मूलभूत परंतु महत्वपूर्ण बातें जानकर आप अपनी और अपने प्रिय लोगों की मदद कर सकते हैं। इसके बारे में पूरी जानकारी रखें ताकि आप इसकी रोकथाम कर सकें या यदि आवश्यक हो तो इस गंभीर स्थिति का उपचार कर सकें।

हाई बीपी हृदयाघात-दिल की बीमारियों का मुख्य कारण

- हाई ब्लडप्रेशर स्वास्थ्य की एक ऐसी समस्या है जिसके कोई लक्षण नहीं हैं
- जो लोग इस बीमारी से ग्रसित हैं उन्हें यह बीमारी होने से पहले चेतावनी के कोई संकेत नहीं दिखते
- नियमित तौर पर अधिक अल्कोहल का सेवन करना भी इस बीमारी के होने की संभावना बढ़ा देता है
- शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, संतुलित आहार लेना, नमक कम खाना आदि के द्वारा ब्लडप्रेशर को सामान्य रखा जा सकता है

कैसे रखें अपना ध्यान

इसके कोई लक्षण नहीं : हाई ब्लडप्रेशर स्वास्य की एक ऐसी समस्या है जिसके कोई लक्षण नहीं हैं। जो लोग इस बीमारी से ग्रसित हैं उन्हें यह बीमारी होने से पहले चेतावनी के कोई संकेत नहीं दिखते। परंतु कुछ मामलों में जब ब्लडप्रेशर बहुत अधिक बढ़ जाता है तो सिर दर्द, सांस लेने में परेशानी आदि तकलीफें होने लगती हैं।

इन लोगों को दिल की बीमारी होने की संभावना : जिन लोगों को हाई ब्लडप्रेशर की समस्या होती है उन्हें दिल की बीमारी होने की संभावना अधिक होती है। कई विशेषज्ञों ने हाई ब्लडप्रेशर को हार्टअटैक और जीवन के लिए घातक कई बीमारियों का कारण माना है। यही कारण है कि हाइपरटेंशन को हलके में नहीं लेना चाहिए तथा इसे नियंत्रित रखने के लिए इसकी समय-समय पर इसकी जांच की जानी चाहिए।

अल्कोहल न लें : कुछ अध्ययनों के अनुसार वे लोग जिनके परिवार में किसी को हाई ब्लडप्रेशर है तथा उनका वजन आवश्यकता से अधिक है, उन्हें यह तकलीफ होने की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा शारीरिक रूप से सक्रिय न होना, नियमित तौर पर बहुत अधिक अल्कोहल का सेवन करना भी यह बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है।

भारत में प्रतिवर्ष लाखों मामले : हाल के वर्षों में हाइपरटेंशन से ग्रसित लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि भारत में प्रतिवर्ष लाखों मामले सामने आ रहे हैं। वास्तव में यह पूरे विश्व में सबसे अधिक आम बीमारी है तथा बहुत तेजी से बढ़ रही है।

इसको अनदेखा नहीं करना चाहिए : ब्लडप्रेशर को समान्य बनाए रखने के कई तरीके हैं। डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाई लेना, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, संतुलित आहार लेना, नमक कम खाना, स्वास्य के लिए नुकसानदायक गतिविधियों से दूर रहना आदि के द्वारा ब्लडप्रेशर को सामान्य रखा जा सकता है। परंतु इस समस्या की अनदेखी करने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं और यही कारण है कि आपको इस बीमारी की गंभीरता को अनदेखा नहीं करना चाहिए।

अदरक व दूध से सफेद बालों से पाएं छुटकारा

बढ़ते प्रदूषण का असर और तनाव भरी जिंदगी के दवाब में अच्छों-अच्छों के बाल सफेद हो रहे हैं। दूसरा फास्ट फूड आपको बीमार कर आपके बालों का रंग उड़ा देता है। आम डाई और कलर से इन्हें कम करने की कोशिश कुछ ही दिनों तक काम आती हैं बाद में फिर सफेद बालों को देख लोग की समस्या वही के वही रहती है। क्योंकि कुछ समय बाद डाई या मेहंदी का कलर छूट जाता है और आपके बाल फिर से सफेद हो जाते हैं। जबकि आपके घरेलू उपचार के जरिए सफेद बालों को जड़ से हटाने के बारे में आपकी मदद हो सकती है।

आपके घरेलू उपचार

- फास्ट फूड आपको बीमार कर आपके बालों का रंग उड़ा देता है
- आम डाई और कलर से इन्हें कम करने की कोशिश कुछ ही दिनों तक काम आती हैं

1. अदरक-दूध : अदरक को पीसकर उसमें दूध मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को अपने बालों में 10 से 15 मिनट तक लगाकर फिर सिर धो लें। इसे सप्ताह में दो बार अपनाएं।

2.प्याज का रस : नहाने से 10 मिनट पहले प्याज के पीसकर उसका रस और गूदे को बालों की जड़ों में लगाएं। बालों का झड़ना रुकेगा और बाल काले होने की प्रक्रिया शुरू होगी।

3.नारियल-नींबू व करीपत्ता : नारियल तेल में थोड़ा सा नींबू का रस और करी पत्ता मिलाकर इसे तब तक गर्म करें जब तक करी पत्ता काला न हो जाए। नहाने के 10 मिनट पहले इससे रोज बालों में मालिश करें।

4.काली मिर्च-दही : एक चम्मच काली मिर्च में आधा कप दही मिलाकर सिर की मसाज करें।

5. बादाम के तेल में आंवले का रस : बादाम के तेल में आंवले का रस मिलाकर लगातार लगाने से बाल काले होते हैं।

6. गाय का घी : हफ्ते में दो बार गाय के घी से सिर पर मसाज करें।

7.लौकी रस-ऑलिव ऑइल : लौकी के रस में ऑलिव ऑइल या तिल के तेल मिलाएं और सिर में लगाएं।

8. मेंहदी-दही : मेंहदी पॉउडर और दही को समान मात्रा में मिलाकर बालों में मसाज करें। हफ्ते में एक बार ये करें।

9. ब्लैक टी-कॉफी : ब्लैक टी या कॉफी के पानी से बाल धोने से बालों का रंग गहरा होता है।

10. एलोवेरा जेल-नींबू रस : एलोवेरा जेल में नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों में लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्यवकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

काकुरो पहेली -4021

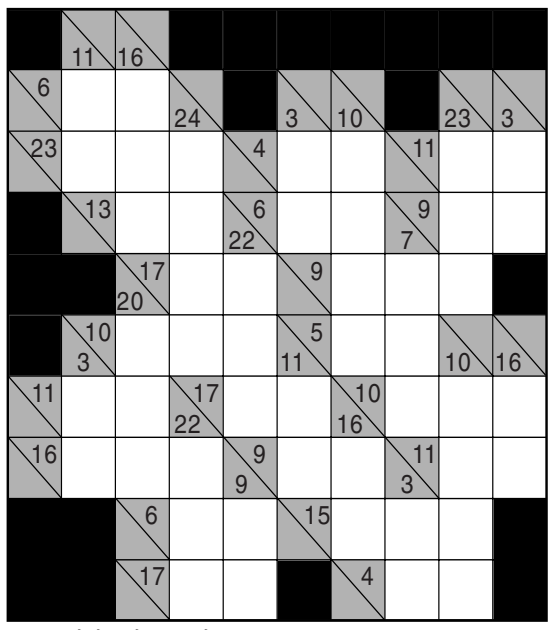

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

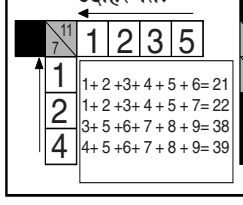

काकुरो -4020 का हल

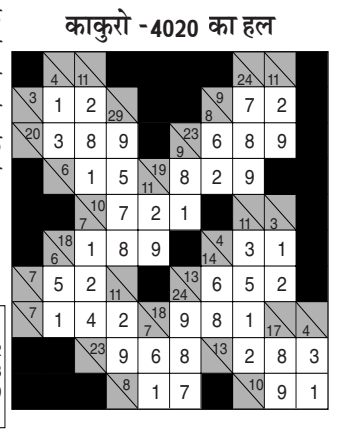

फिल्म वर्ग पहेली- 4021

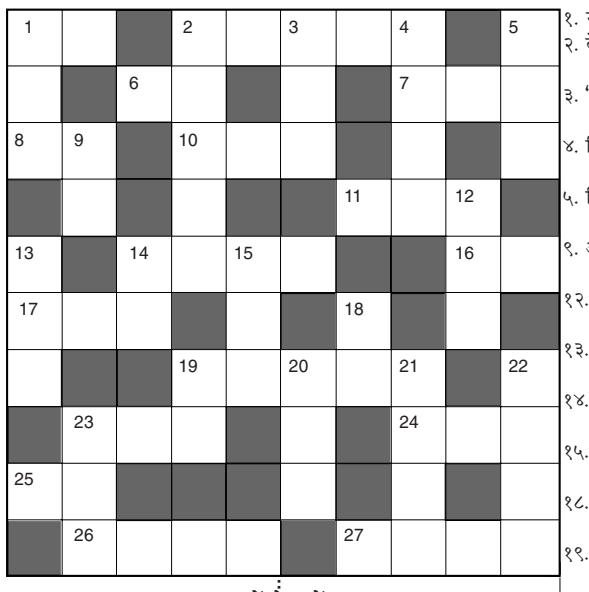

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4020

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		श
गा		ल		गिं		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ल्ला	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	श		भा	

सूडोकु -4021

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4020 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 4021

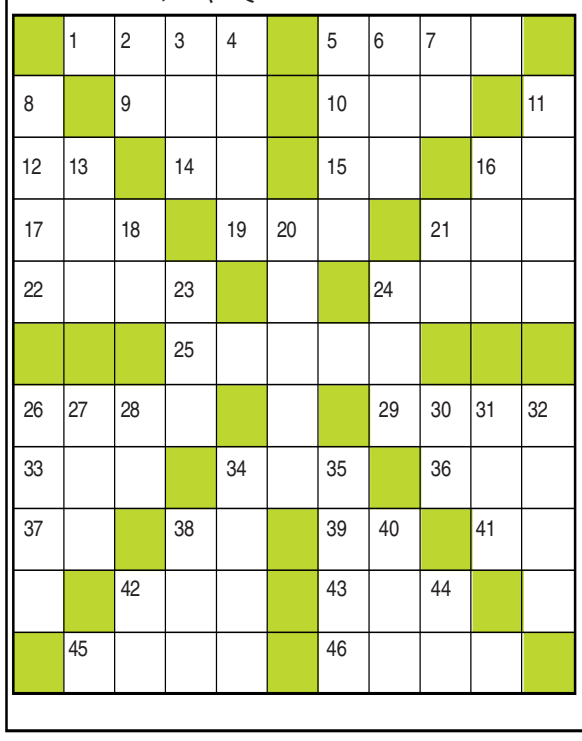

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इशक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली - 4020 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	व	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

राजकोट में पत्रकार की कथित प्रताड़ना का आरोप पुलिस पर, मानवाधिकार आयोग ने डीजीपी को जारी किया नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुजरात के राजकोट में एक पत्रकार को कथित तौर पर अवैध हिरासत में लेने और प्रताड़ना के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इसे मानवाधिकार उल्लंघन का गंभीर बताते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया है। एनएचआरसी ने अनुसार, आयोग ने डीजीपी, गुजरात से दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट में मामले की जांच की वर्तमान स्थिति और पीड़ित पत्रकार के स्वास्थ्य की जानकारी शामिल करने को कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 22 मार्च को राजकोट क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक पत्रकार को कथित तौर पर अवैध तरीके से हिरासत में लिया। आरोप है कि पुलिस ने उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया, उसे निर्वस्त्र कर उल्टा लटकाया गया और शारीरिक यातनाएं दी गईं, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पुलिस ने राजकोट सिविल अस्पताल के स्टाफ पर दबाव डालकर पीड़ित को भर्ती न करने की कोशिश की। साथ ही पत्रकार को झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने और उसका घर गिराने की धमकी भी दी गई।

कांग्रेस की तरफ से जारी वीडियो में बोले पवन खेड़ा- सरकार तमाम सवालों के जवाब दे

नई दिल्ली। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा का असम पुलिस द्वारा उनके आवास पर मंगलवार को की गई छापेमारी के बाद पहली बार वीडियो आया है। जिसमें उन्होंने कहा कि वह पुलिस से बच रहे हैं क्योंकि उन्हें सरकार से सवाल पूछने हैं और डराने की कोशिशों से वह चुप नहीं होंगे। कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर उनका साढ़े आठ मिनट का वीडियो जारी किया गया। वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली स्थित उनके फ्लैट पर बहुत सारे पुलिसकर्मी पहुंचे जबकि वह और उनका परिवार वहां मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा कि पुलिस उनके घर से उनकी दिवंगत बहन का एक पुराना फोन, एक लैपटॉप जिसे वह इस्तेमाल नहीं करते थे, एक आईपैड और दो पेनड्राइव लेकर चली गई। उन्होंने कहा कि पेन ड्राइव कहां से आई उन्हें नहीं पता। खेड़ा ने कहा कि जहां भी उन्हें लगता है कि वह मौजूद हैं, वहां पुलिस छापेमारी कर रही है। उन्हें विभिन्न सरकारी वेबसाइटों से जानकारी मिली है जिसमें हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा से जुड़ी कंपनियों और संपत्तियों का विवरण है।

खड़गे के खिलाफ भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने भारत निर्वाचन आयोग से मुलाकात शिकायत दर्ज कराई है। सात पन्नों की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष ने चुनावी रैली में धार्मिक और राजनीतिक तनाव भड़काने वाले बयान दिए। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा कि खड़गे ने नीलांबजार, असम की रैली में मुस्लिम समुदाय के लोगों के सामने कहा, 'अगर नमाज़ के दौरान जहरीला सांप आए, तो उसे मारना चाहिए। आरएसएस और भाजपा ऐसे जहरीले सांप हैं, अगर आप उन्हें नहीं मारेंगे तो बच नहीं पाएंगे।' ये बयान मुस्लिम वोटरों के धार्मिक भावनाओं का चुनावी लाभ के लिए इस्तेमाल है। क़ुरआन का हवाला देकर राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा को सही ठहराने की कोशिश है। धार्मिक समुदायों के बीच सीधी और खतरनाक दूरी पैदा करता है। सीधे तौर पर हिंसा भड़काने वाला बयान है। भाजपा ने कहा कि यह पूरी तरह से चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। यह बयान भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत गंभीर अपराधों के अंतर्गत आता है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर 'आरोग्य वन' विकसित करेगा एनएनएआई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) राजमार्गों के किनारे खाली जमीन पर औषधीय पौधे लगाएगा। एनएचएआई ने इसे 'आरोग्य वन' परियोजना नाम दिया है। इसके पहले चरण में 17 भूमि खंडों पर 62.8 हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 67,462 औषधीय पौधे लगाए जाएंगे।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि इन पौधारोपणों में नीम, आंवला, इमली, जामुन, नींबू, गूलर और मौलसरी सहित 36 औषधीय गुणों वाले पौधे शामिल होंगे। इन्हें देश में सभी राज्यों के कृषि-जलवायु क्षेत्रों के अनुसार लगाया जाएगा। प्राथमिकता उन स्थानों को दी जाएगी जो टोल प्लाजा, वे-साइड सुविधाओं, इंटरचेंज और प्रमुख हिस्सों के पास स्थित हैं ताकि जन-जागरूकता अधिकतम हो। एनएचएआई ने बताया कि प्राधिकरण की योजना आगामी मानसून सीजन में लगभग 188 हेक्टेयर खाली भूमि पर वृक्षारोपण की योजना है। इससे राजमार्गों पर हरित गलियारों का निर्माण होगा जो पारिस्थितिकी को सुदृढ़ करेंगे।

अब रामायणकालीन विरासत का होगा संरक्षण, अयोध्या के 41 पौराणिक तीर्थों के कायाकल्प की तैयारी

एजेंसी

अयोध्या। रामायण की पावन भूमि अयोध्या अब अपने प्राचीन गौरव को पुनः प्राप्त करने की राह पर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के तहत रामायण कालीन 41 पौराणिक तीर्थों के संरक्षण और कायाकल्प की व्यापक तैयारी चल रही है। इसके अंतर्गत 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र को चार जिलों अयोध्या, गोंडा, बस्ती और अंबेडकरनगर के प्राचीन तीर्थ स्थलों को जोड़ते हुए विकसित किया जाएगा। यह पहल न केवल धार्मिक महत्व को बढ़ाएगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती भी प्रदान करेगी। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि श्रद्धालु रामायण से जुड़े इन स्थलों पर पहुंचकर प्राचीन काल की स्मृतियों को महसूस कर सकें। सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है और चिह्नित स्थलों को पौराणिक स्वरूप में लौटाने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के निर्देश पर ग्रामीण अंचलों के इन प्राचीन तीर्थों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, ताकि लाखों श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के इन पावन स्थलों का दर्शन कर सकें। सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि योजना के तहत सभी तीर्थ स्थलों पर कुंडों का सौंदर्यीकरण, शेड, चेंजिंग रूम, पर्याप्त लाइटिंग और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। तीर्थों तक पहुंच को सुगम बनाने के लिए मार्गों को सुदृढ़ किया जाएगा। 14 प्रमुख कुंडों का विकास मनरेगा के माध्यम से कराया जाएगा, जबकि सड़क निर्माण, शेड निर्माण और विद्युत व्यवस्था के कार्य संबंधित विभागों द्वारा प्रस्तावित हैं। इस परियोजना में अंगी ऋषि आश्रम, वाल्मीकि आश्रम, विल्वहरि, त्रिपुरारी, पुण्यहरि, हनुमान कुंड दराबगंज, विभीषण कुंड, सुग्रीव कुंड, राम कुंड, सीता कुंड, दुग्धेश्वर कुंड, भैरव कुंड, तमसा नदी, प्रमोद वन लखनीपुर, श्रवण क्षेत्र बारुन, पाराशर आश्रम देवराकोट, व्यवन आश्रम कुंदुर्खाकला, गौतम आश्रम रुदौली, मानस तीर्थ, पिशाच मोचन, गया कुंड भरत कुंड, भरत कुंड, नंदीग्राम, कालिका देवी नंदीग्राम, जटा कुंड, शत्रुघ्न कुंड, अजित आश्रम, आस्तीक आश्रम आस्तीकन, रमणक स्थान पंडितपुर, घृताची कुंड और थरेरू जैसे दर्जनों महत्वपूर्ण स्थल शामिल हैं। यह विकास कार्य मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित है। रामायणकालीन विरासत का संरक्षण सिर्फ धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आर्थिक विकास का माध्यम भी है। इन तीर्थों के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। होटल, ढाबे, गाइड, हस्तशिल्प और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों की आय बढ़ेगी। ग्रामीण अंचलों में पर्यटन विकास से युवाओं का पलायन रुकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

पश्चिम बंगाल के आसनसोल में प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा, तैयारियां तेज

एजेंसी

आसनसोल। पश्चिम बंगाल के चुनावी महासंग्राम के बीच नौ अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से आसनसोल के पोलो ग्राउंड स्टेडियम में एक बड़ी चुनावी जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। इस जनसभा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री की इस रैली को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। जनसभा को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। पोलो ग्राउंड स्थित स्टेडियम परिसर को बड़े पैमाने पर सजाया और व्यवस्थित किया जा रहा है ताकि हजारों की संख्या में पहुंचने वाले लोगों के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। मंच निर्माण, बैठने की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग और मीडिया कवरेज के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। भाजपा के स्थानीय नेताओं के अनुसार, इस जनसभा के जरिए पार्टी आसनसोल क्षेत्र और आसपास की विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

पार्टी को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी की इस रैली से कार्यकर्ताओं में जोश बढ़ेगा और मतदाताओं पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री के आगमन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

आयोजन स्थल से लेकर हेलीपैड तक पूरे क्षेत्र को हाई सिक्योरिटी जोन में तब्दील कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आसनसोल कोर्ट क्षेत्र से लेकर गैलेक्सी मॉल इलाके तक को आंशिक रूप से नो-एंट्री जोन घोषित किया गया है। इस दौरान आम आवाजाही पर निगरानी रखी जा रही है और जरूरत के अनुसार यातायात व्यवस्था में बदलाव किए जा रहे हैं।

उत्तर बंगाल की जनसभा में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का तृणमूल सरकार पर निशाना, परिवर्तन का किया आह्वान

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और आगामी विधानसभा चुनाव में परिवर्तन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दार्जिलिंग की पहाड़ियों से लेकर सुंदरबन के द्वीपों तक तथा उत्तर बंगाल के चाय बागानों से लेकर कोलकाता की गलियों तक राज्य में बदलाव की मांग उठ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार के शासन में भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और अपराध बढ़े हैं। भाजपा अध्यक्ष ने अपने भाषण में तृणमूल कांग्रेस पर कट मनी, घोटालों और कानून व्यवस्था की खराब स्थिति को लेकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा बन गया है और कई चर्चित घटनाओं ने राज्य की छवि को प्रभावित किया है। नितिन नवीन ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार की नीतियों के कारण श्रमिकों और युवाओं को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने

दावा किया कि राज्य के कई इलाकों में श्रमिकों को प्रतिदिन 150 से 200 रुपये तक की मजदूरी पर काम करना पड़ता है, जबकि अन्य राज्यों में इससे अधिक भुगतान होता है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा, खाली सरकारी पदों को भरा जाएगा तथा भर्ती घोटालों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भर्ती विवाद से प्रभावित युवाओं को आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट देने पर विचार किया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि चाय बागान क्षेत्रों के विकास, श्रमिकों के कल्याण और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी राज्य के लोगों तक पूरी तरह पहुंचाया जाएगा। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने उत्तर बंगाल के मतदाताओं से भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने और राज्य में भाजपा सरकार बनाने की अपील की।

सिक्किम के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मिलकर विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यहां मुलाकात कर राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण और सार्थक बातचीत हुई। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री तमांग ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस मुलाकात की जानकारी देते हुए इसे सम्मानजनक बताया। तमांग ने बैठक के दौरान सिक्किम की प्रमुख विकास प्राथमिकताओं और उभरती जरूरतों से प्रधानमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, सतत विकास और राज्य के लोगों के समग्र कल्याण के लिए केंद्र से सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने जून 2026 से फिर से शुरू होने वाले नाथुला दर्रा (सिल्क रूट) व्यापार मार्ग को फिर से खोलने के फैसले के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय समुदायों और

व्यापारिक गतिविधियों को बड़ा लाभ मिलेगा। इसके अलावा तमांग ने सिक्किम राज्य स्थापना के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास और समृद्धि के लिए केंद्र द्वारा लगातार मिल रहे मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और समर्थन के लिए भी आभार जताया।

जलवायु-प्रतिरोधी और पोषक तत्वों से भरपूर फसल किस्मों के विकास पर केंद्रित है आईसीएआरः डॉ एम एल जाट

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट ने कहा कि संस्थान गेहूं की ऐसी किस्मों तैयार करने की ओर अग्रसर है, जिसमें सिंचाई के पानी में 85 प्रतिशत तक की बचत, उर्वरक के उपयोग में 28 प्रतिशत की कमी, ईंधन की खपत में 51 प्रतिशत की बचत और फसल अवशेषों को जलाने में 95 प्रतिशत तक की कमी संभव है। इन किस्मों से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 46 प्रतिशत की कमी, प्रणाली उत्पादकता में 33 प्रतिशत तक की वृद्धि और घरेलू आय में लगभग दोगुनी वृद्धि में भी होगी, जो राष्ट्रीय खाद्य और पोषण सुरक्षा मजबूत करेगा। बाहरी निवेश और अस्थिर वैश्विक बाजारों पर निर्भरता की बेहद कम करेगा। करनाल स्थित आईसीएआर-भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान (आईआईडब्ल्यूबीआर) और आईसीएआर-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान

(सीएसएसआरआई) में जारी अनुसंधान एवं विकास पहलों की समीक्षा करते हुए ये बातें कही। डॉ. जाट ने इस दौरान, भारत-गंगा के मैदानों में उत्पादकता बढ़ाने, निवेश लागत कम करने और जलवायु परिवर्तनशीलता के प्रति अनुकूलन सुधारने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रमुख अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की और जलवायु-अनुकूल तथा संसाधन-कुशल कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। डॉ. जाट ने भारत की गेहूं की नई किस्मों पर चल रहे कार्यों के बारे में कहा कि आईसीएआर का ध्यान जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जलवायु-प्रतिरोधी और पोषक तत्वों से भरपूर फ सल किस्मों के विकास पर केंद्रित है, ताकि किसानों की आय और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार हो सके।

उन्होंने कहा कि जैविक नाइट्रिफिकेशन अवरोधन (बीएनआई) जैसी नवाचार तकनीकों से उत्पादकता में कमी किए बिना उर्वरक के उपयोग में 25 प्रतिशत तक की कमी संभव हो रही है, जिससे किसानों और पर्यावरण दोनों को लाभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीएआर ने पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में लौह, जस्ता और प्रोटीन से समृद्ध गेहूं की 55 जैव-संरक्षित किस्में जारी की हैं। गेहूं की खेती का लगभग 45 प्रतिशत क्षेत्र अब जैव-संरक्षित किस्मों के अंतर्गत है, जो किसानों द्वारा इन्हें अपनाने में वृद्धि और किस्मों के उच्च प्रतिस्थापन दर को दर्शाता है।

साइबर स्लेवरी गिरोह का सक्रिय सदस्य मुंबई से गिरफ्तार

एजेंसी

रांची। झारखंड के अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की साइबर क्राइम ब्रांच की टीम ने मुंबई के डोंगरी इलाके से दाऊद अहमद नामक एक मुख्य एजेंट को गिरफ्तार किया है। वह मूल रूप से बिहार के पटना का निवासी है। वह साइबर स्लेवरी गिरोह का सक्रिय सदस्य है, जो झारखंड के युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर बंधक बनाकर म्यांमार स्थित एक फर्म में उनसे ऑनलाइन ठगी करवाता था।

आरोपित के पास से कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड, पासपोर्ट और अन्य डिजिटल सबूत बरामद किए गए हैं। सीआईडी के डीएसपी नेहा बाला ने बताया कि पूरा मामला युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर बंधक बनाकर ऑनलाइन ठगी कराने का है। आरोपित विदेश के साइबर अपराधियों के साथ मिलकर साजिश रचता था। वह भारत के युवाओं को विदेश में आकर्षक नौकरी का प्रलोभन देकर उन्हें भर्ती करता था। उसके बाद सभी को विदेश भेजकर निवेश घोटाले, डिजिटल अरेस्ट और अन्य प्रकार की साइबर ठगी कराता था। यह नेटवर्क झारखंड के भोले-भाले युवाओं को म्यांमार के साइबर पार्क भेजता था, जहां युवाओं को जबरन ऑनलाइन धोखाधड़ी गतिविधियों में भाग लेने के लिए मजबूर किया जाता था। गहन और विस्तृत जांच के आधार पर इस कांड में लिप्त मुख्य एजेंट दाऊद अहमद को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। इसी मामले में पूर्व में उसके एक मुख्य सहयोगी जमशेदपुर के मानगो थाना क्षेत्र निवासी सरताज को गिरफ्तार किया गया था।

पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज और राष्ट्र सशक्त होगा : आलोक कुमार

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का कार्यक्रम निर्धारित किया है। ये पांच परिवर्तन हैं- स्व का बोध तथा स्वदेशी का उपयोग, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य बोध। इन पंच परिवर्तनों के माध्यम से समाज और राष्ट्र सशक्त होगा। उक्त विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने पटना के विजय निकेतन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

पटना के विजय निकेतन में संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत प्रमुख जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा निर्धारित बद्रीनाथ उपभाग के प्रमुख जन उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के सह सरकार्यवाह ने कहा कि प्रकृति के विकास में ही सबका विकास है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को माता का स्थान दिया गया है। प्रकृति को छोड़कर कोई विकास संभव नहीं है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। हम लोगों का नारा है- वृक्ष लगाओ, जल बचाओ और प्लास्टिक हटाओ। उन्होंने कहा कि

संस्कारों की प्रथम पाठशाला अपना परिवार होता है। यदि परिवार सशक्त है तो समाज सशक्त होगा। आज एकल परिवार, पीढ़ियों का टकराव और नैतिक शून्यता चिंता का विषय है। भारतीय संस्कृति में परिवार केवल सुविधा नहीं बल्कि संस्कारों की प्रयोगशाला है। डॉक्टर हेडगेवार स्वयं कहते थे अच्छा स्वयंसेवक वही है जो का निर्माण होता है। पंच परिवर्तन के माध्यम से ही आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना की जा सकती है। इसी प्रकार सामाजिक समरसता पंच परिवर्तन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। भारत की विविधता- जाति, भाषा, पंथ, क्षेत्र हमारी शक्ति है; यदि उसमें भेद नहीं भाव हो। सामाजिक समरसता का तात्पर्य हर व्यक्ति को सम्मान देना है। घर, समाज और राष्ट्र तीनों के प्रति उत्तरदायी हो। यदि परिवार सुसंस्कृत है तो व्यक्ति को अलग से चरित्र निर्माण की पाठशाला की आवश्यकता नहीं पड़ती। वास्तव में कुटुंब प्रबोधन वह आधार है, जहां से चरित्रवान नागरिक बल्कि मानवीय गुणों के आधार पर मूल्यांकन होना चाहिए। जब समाज समरस होता है तभी राष्ट्र एकजुट होकर चुनौतियों का सामना कर सकता है। उन्होंने बताया कि स्व के बोध का तात्पर्य अपने अस्तित्व, अपने कर्तव्य और अपनी भूमिका को सही रूप से समझना है। इसके साथ स्वदेशी वस्तुओं के बारे में आग्रह भी करना है। स्व आधारित जीवन का तात्पर्य है कि आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी आयामों में हमें स्वयं के पैरों पर खड़ा होना है। आत्मनिर्भरता के अभाव में दूसरों के ऊपर हमारे निर्भरता बढ़ जाएगी और हम सुरक्षा के शिकार बने रहेंगे। और सबसे महत्वपूर्ण है नागरिक कर्तव्य बोध। हर व्यक्ति राष्ट्र सेवक है। पूरा समाज अपना परिवार है, इसीलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक किसी भी राष्ट्रीय आपदा में हमेशा सबसे आगे रहते हैं। कोरोना के काल में जब बड़ी-बड़ी संस्थाओं ने हाथ खड़े कर दिए तब संघ के स्वयंसेवकों ने अपने कर्तव्य बोध को समझते हुए सेवा के लिए तत्पर दिखे।

सारधा चिटफंड प्रमुख सुदीप्त सेन 13 वर्ष बाद निकलेंगे जेल से बाहर, सभी मामलों में मिली जमानत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित सारधा चिटफंड घोटाले के मुख्य आरोपित सुदीप्त सेन को सभी लंबित मामलों में जमानत मिल गई है और लगभग 12 वर्ष और 11 माह जेल में रहने के बाद उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। फिलहाल वह कोलकाता के प्रेसिडेंसी जेल में बंद हैं और संभावना है कि वह गुरुवार को रिहा हो सकते हैं।

कलकत्ता उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज की खंडपीठ ने राज्य पुलिस के अधीन दो मामलों में भी उन्हें जमानत दे दी। इसके साथ ही उनके जेल से बाहर आने में कोई कानूनी बाधा नहीं रह गई है। हालांकि, अदालत ने जमानत के साथ कुछ शर्तें भी लगाई हैं। बताया गया है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के पास कुल 76 मामले थे, जिनमें सुदीप्त सेन को पहले ही जमानत मिल चुकी थी। इसके अलावा बारासात थाने के दो मामलों में वह अब तक जेल में थे और इन्हीं मामलों में जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई संभव हो पाई है। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने

अदालत को बताया कि सारधा समूह के खिलाफ कुल 389 मामले दर्ज हुए थे। सुदीप्त सेन को 27 अप्रैल, 2013 को बिधाननगर थाने में दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में केंद्रीय एजेंसी ने 76 मामलों की जांच अपने हाथ में ली और कई मामलों में आरोपपत्र दाखिल किया गया। शेष मामलों में दो मामलों के कारण उनकी रिहाई अटकी हुई थी। उच्च न्यायालय में सुनवाई के बाद उन मामलों में भी जमानत दे दी गई।

इस बीच तृणमूल कांग्रेस के नेता और बेलियाघाटा सीट से उम्मीदवार कुणाल घोष ने कहा कि किसी को जमानत मिलना या नहीं मिलना पूरी तरह अदालत का विषय है और यह कानून की प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सुदीप्त सेन ने जमानत की अर्जी दी थी और अदालत ने उसे मंजूर किया है, इसलिए इस पर अलग से टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है।

उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2013 में सारधा घोटाला सामने आने के बाद सुदीप्त सेन अपनी सहयोगी देवयानी मुखर्जी के साथ कश्मीर के सोनमर्ग में छिप गए थे।

उसी वर्ष उन्हें वहां से गिरफ्तार किया गया था। तब से दोनों जेल में थे, हालांकि 2023 में देवयानी मुखर्जी को कुछ घंटों के लिए पैरोल मिली थी। सारधा निवेश योजना के खिलाफ राज्य के विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में शिकायतें दर्ज हुई थीं। बाद में सीबीआई ने भी जांच शुरू की। इसके अलावा प्रवर्तन निदेशालय और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भी सुदीप्त सेन के खिलाफ मामले दर्ज किए थे।

केंद्र सरकार ने शुरू किया 'कौशल परिणाम निधि' अभियान, युवाओं को मिलेंगे रोजगार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के युवाओं को रोजगार देने के लिए 'कौशल परिणाम निधि' अभियान की शुरुआत की है। इस निधि से देश के निम्न आय वर्ग के युवाओं को स्थायी और सम्मानजनक रोजगार दिया जाएगा। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने यहां अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत की कौशल विकास यात्रा अब परिणामों पर केंद्रित नए चरण में प्रवेश कर रही है। यह फंड युवाओं को वास्तविक अवसर, स्थायी रोजगार और काम की गरिमा दिलाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सरकार, उद्योग और परोपकारी साझेदारों को एक साथ लाकर बड़े पैमाने पर असर पैदा किया जा सकता है। 'कौशल परिणाम निधि' राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के तहत लागू की जाएगी और इसमें परोपकारी व गैर-लाभकारी संगठनों का सहयोग लिया जाएगा। कौशल विकास मंत्रालय की वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार मनीषा सेंसरमा ने कहा कि भारत का कौशल विकास इकोसिस्टम परिपक्व हो रहा है और नीति विमर्श इनपुट से परिणाम की ओर बढ़ रहा है। परिणाम आधारित वित्तीय मॉडल जवाबदेही को मजबूत करेगा और निवेश को सीधे रोजगार परिणामों से जोड़ेगा। एनएसडीसी के सीईओ अरुण कुमार पिल्लई ने कहा कि कौशल प्रभाव बांड के अनुभव से साबित हुआ है कि जब प्रशिक्षण प्रदाताओं, नियोक्ताओं, निवेशकों और सरकार के प्रोत्साहन रोजगार परिणामों पर केंद्रित होते हैं तो पूरा स्किलिंग इकोसिस्टम अधिक प्रभावी हो जाता है। कौशल परिणाम निधि इसी मॉडल को बड़े पैमाने पर लागू करने की अगली कड़ी है। उल्लेखनीय है कि कौशल परिणाम निधि भारत के पहले परिणाम आधारित कार्यक्रम 'स्किल इम्पैक्ट बॉन्ड' की सफलता पर आधारित है। साल 2021 में शुरू हुए इस बॉन्ड के तहत 21 राज्यों में 34,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें 74 प्रतिशत महिलाएं हैं। स्वतंत्र सत्यापन के अनुसार 92 प्रतिशत प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणित किया गया, 76 प्रतिशत को नौकरी मिली और 62 प्रतिशत नौकरी में बने रहे। नए फंड का मॉडल ब्लेंडेड फाइनेंस पर आधारित होगा जिसमें सरकार और निजी क्षेत्र दोनों का निवेश होगा। यह मांग आधारित कौशल विकास मॉडल आईटी-आईटीईएस, बीएफएसआई, ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स, ग्रीन जॉब्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित होगा।

आईपीएल में आज होगी आरसीबी और रॉयल्स में टक्कर

गुवहाटी (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मैच में रॉयल्स टीम को घरेलू मैदान होने का लाभ मिलेगा। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स ने अब तक अपने तीन मैच जीते हैं और इस समय 6 अंक के साथ ही वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी ने दो मैच जीते हैं जिससे उसके चार अंक हैं और वह तालिका में तीसरे नंबर पर है।

राजस्थान ने जहां चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस को हराया है। वहीं आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को पराजित किया है। दोनो ही टीमों के बल्लेबाज और गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में ये मुकाबला कांटे का होना तय है। दोनो की ही बल्लेबाज मजूबत है। राजस्थान के पास यशस्वी जायस्वाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं वहीं आरसीबी के पास विराट कोहली और रजत पाटीदार जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में हालांकि रॉयल्स ज्यादा मजबूत नजर आती है। आरसीबी के पास जैकब डफी और भुवनेश्वर कुमार जबकि रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर जैसे तेज गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल में अब तक हुए कुल 34 मुकाबलों में से राजस्थान ने 14 मैच जीते हैं, जबकि बेंगलुरु ने 17 मैच जीते हैं। वहीं 3 मैचों का परिणाम नहीं निकला। बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच यह बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी

जाती है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर वाला मैच प्रशंसकों को देखने को मिलना तय है। गेंदबाजों को विकेट के लिए यहां काफी मेहनत करनी होगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज कर अपना हौंसला बढ़ना चाहेंगी।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी - रजत पाटीदार (कप्तान), फिलिप सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह और जैकब डफी।

राजस्थान रॉयल्स - रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, पीवी सिंधु और एचएस प्रणय बाहर

निंगबो (एजेंसी)। निंगबो, 09 अप्रैल (वेब वार्ता)। आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गुरुवार को यहां ताइपे के चिन यू जेन को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। आयुष ने 41 मिनट तक चले मैच में ताइपे के शटलर पर 21-16, 21-12 से आसान जीत दर्ज की।

आयुष ने अपने कैंपेन की शुरुआत चीन के ली शि फेंग पर शुरुआती राउंड में 21-13, 21-16 से शानदार जीत के साथ की। वह क्वार्टर फाइनल में इसी लय को बनाए रखना चाहेंगे, जब उनका सामना इंडोनेशिया के तीसरी सीड जोनाथन क्रिस्टी से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और एचएस प्रणय अपने-अपने मुकाबले हारकर चैंपियनशिप से बाहर हो गए।

प्रणय, जो गुयेन है डांग पर सीधे गेम में 24-22, 21-12 से जीत के साथ दूसरे राउंड में आए थे, उन्हें हांगकांग की वेंग होंग यांग के हाथों 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में सिंधु को दो बार की एशियन चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी वांग जी यी से भी सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ अपना महिला एकल ओपनर 15-21, 21-11, 21-19 से जीतकर दूसरे राउंड में वापसी की थी। मिश्रित डबल्स में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जब तनीषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी टोह ई वेई और चांग टेन जी की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 14-21 से हार गई।

बाद में, उन्नति हुड्डा, जिन्होंने पहले राउंड में थाईलैंड की दुनिया की 11 नंबर की खिलाड़ी सुपनिडा कटेथोंग को एक गेम से पीछे रहकर हराया था, अब दुनिया की 9 नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से भिड़ेंगी।

महिला डबल्स में, प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए पांचवीं सीड जापानी जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से भिड़ेंगी।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

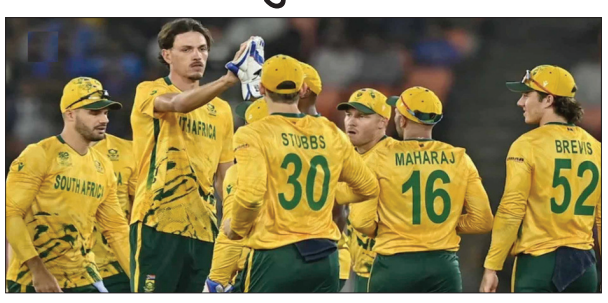

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है।

यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं? हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरू करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे। आईसीसी अगले साल नवंबर से पहले नए भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के जारी होने की उम्मीद है।इससे पता चलेगा कि अगले पांच साल दक्षिण अफ्रीका टीम का कार्यक्रम कैसा रहने वाला है। उसी के बाद अफ्रीकी टी20 टूर्नामेंट को लेकर फैसला होगा।

कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं : ग्रीम स्मिथ

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। महान सचिन तेंदुलकर के बाद से भारतीय क्रिकेट ने ऐसा कोई टीनेजर नहीं दिया है जिसने पूरी क्रिकेट दुनिया को हैरान कर दिया हो। इस बीच कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए हैं, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं। 15 साल और 12 दिन की उम्र में, सूर्यवंशी एक असाधारण पीढ़ी का टैलेंट है। साथ ही, वह मॉडर्न गेम के लिए एकदम सही प्रोटोटाइप हैं, जो टी20 क्रिकेट में ऑर्डर में ऊपर लगभग अपनी मर्जी से छक्के मारते हैं।

मंगलवार शाम को सूर्यवंशी की काबिलियत का एसिड टेस्ट हुआ। राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में एक बड़े IPL मैच में मुंबई इंडियंस का सामना कर रही थी। इस टीनएजर, जिसने टी20 क्रिकेट में 378 गेंदों पर 68 छक्के लगाए थे, गेम में आने से पहले दुनिया के बेस्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए तैयार था। सूर्यवंशी का सामना पहले कभी बुमराह से नहीं हुआ था। क्या वह प्रेशर झेल पाएगा? क्या बुमराह अपनी फेमस स्लोअर बॉल या यॉर्कर में से कोई एक डालने वाला था, जिसने कहीं ज़्यादा एक्सपीरियंस और पेडिग्री वाले बैट्समैन को धोखा दिया है? नतीजा: 131.2 किमी प्रति घंटे की लेग-स्टंप हाफ-वॉली।

सूर्यवंशी इससे ज्यादा टेस्टी कुछ नहीं मांग सकता था क्योंकि उसने बॉल को स्टैंड्स में छक्के के लिए जमाकर डिलीवरी का एक हिस्सा खा लिया। इस यंगस्टर ने अपना टेस्ट पास कर लिया है। उसने अब दुनिया के बेस्ट बॉलर को भी मैक्सिमम हिट किया है। यही वह हिम्मत वाला टैलेंट है जिस पर IPL20 कमिश्नर ग्रीम स्मिथ IPL के शुरुआती हफ्तों के दौरान कड़ी नजर

रख रहे थे।

स्मिथ ने अपने ब्लॉग पर कहा, 'IPL ठीक वैसे ही शुरू हुआ है जैसा मैंने सोचा था, सपाट पिचों और हाई-स्कोरिंग मैचों के साथ। हमेशा की तरह, यह देखना दिलचस्प है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुराने स्कूल के सुपरस्टार कैसा परफॉर्म करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के इस युवा खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी पर शुरुआती कुछ हफ्तों में नजर रखनी चाहिए।उसने पहली ही गेंद से पावरफुल होने की अपनी काबिलियत दिखा दी है। एक जवान आदमी के तौर पर, वह टूर्नामेंट के दौरान एक असली सुपरस्टार बन सकता है और मैं यह देखने के लिए सच में बहुत एक्साइटेड हूं कि वह कैसा करता है।'

स्मिथ, जो 2008 में पहला IPL जीतने वाली पहली राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा थे, का मानना है कि दुनिया के सबसे पॉपुलर टी20 टूर्नामेंट ने ग्लोबल क्रिकेट माहौल में क्रांति ला दी है। उनका मानना है कि आईपीएल की सफलता का एसए20 के ज़रिए असर पड़ा है, जिसने साउथ अफ्रीका में क्रिकेट को फिर से जिंदा कर दिया है और अनछुए टैलेंट को सामने आने का मौका दिया है।

स्मिथ ने कहा, 'हमारी छह फ्रेंचाइजी एसए20 की ग्रोथ का एक बहुत बड़ा, ज़रूरी हिस्सा हैं। हम बहुत खुशकिस्मत थे कि हमें हाई क्वालिटी वाली छह आईपीएल टीमें मिलीं, और वे दुनिया के सबसे अनुभवी फ्रेंचाइजी मालिक हैं। वे बहुत कॉम्पिटिटिव हैं, वे जीतना चाहते हैं, और वे कोचिंग से लेकर मेडिकल केयर तक, हर जगह क्रिकेट और बिज़नेस में बेहतरीन काम करते हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी के पास शानदार स्काउट्स हैं - उन्हें जो टैलेंट मिलता है वह हमेशा सिस्टम से नहीं आता है। जब आप क्रिकेट इकोसिस्टम को फिर से बनाने और बढ़ाने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो ऐसे पार्टनर होना कमाल की बात है।'

उन्होंने कहा, 'IPL से मुकाबला करना लगभग नामुमकिन है, लेकिन हम खुशकिस्मत हैं कि वे हमारे साथ बहुत खुले रहे हैं, और शुरुआती दौर में हमें बड़ी सफलता दिलाने में मदद की है। हम सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है, लेकिन टी20 ग्रोथ फॉर्मेट है। यह खेल में प्राइवेट ओनरशिप ला रहा है और हम अब बहुत ज़्यादा वैल्यूएशन देख रहे हैं। दुनिया भर के लोग क्रिकेट को गंभीरता से ले रहे हैं, इस पर बहुत ज्यादा लोग नजर रख रहे हैं और यह सभी खास मार्केट में बढ़ रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले चार से पांच सालों में यह कहाँ तक जा सकता है, जब खेल में प्राइवेट ओनरशिप होगी और 2028 के ओलंपिक आने वाले हैं।'

बीसीसीआई ने आईपीएल को लेकर नियमों को सख्त किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में अनुशासन बनाये रखने के लिए सख्त नियम बनाये हैं। नए नियम के तहत अब केवल वही 16 खिलाड़ी मैदान पर प्रवेश कर सकेंगे, जिनका नाम आधिकारिक टीम शीट में दर्ज होगा। इससे साफ है कि जो खिलाड़ी इस सूची में शामिल नहीं हैं, वे किसी भी स्थिति में मैदान पर कदम नहीं रख सकेंगे। ड्रिंक्स ले जाना,खिलाड़ियों तक रणनीतिक संदेश पहुंचाना, बैट या अन्य उपकरण मैदान में देना, इन सभी कार्यों पर अब प्रतिबंध रहेगा। यदि खिलाड़ी नामित 16 में शामिल नहीं है। इसके अलावा, बाउंड्री लाइन के आसपास मौजूद खिलाड़ियों की संख्या भी सीमित कर दी गई है। अब एक समय में अधिकतम पांच खिलाड़ी ही बिब पहनकर बाउंड्री के पास रह सकते हैं। ये पांच खिलाड़ी नामित 16 में से भी हो सकते हैं या बाकी स्क्वॉड से, लेकिन संख्या पांच से अधिक नहीं होगी। वहीं अब तक आईपीए टीमों की स्क्वॉड में लगभग 25 खिलाड़ी होते हैं और उनमें से कई खिलाड़ी मैच के दौरान बाउंड्री लाइन के पास सक्रिय रहते थे लेकिन अब नए नियम के बाद अब मैदान के पास भीड़ कम होगी, गैर-खेलने वाले खिलाड़ियों की भूमिका सीमित हो जाएगी। ऐसे में टीमों को अपनी रणनीति और संचार के तरीकों में बदलाव करना होगा। टीम अधिकारियों के अनुसार, यह निर्देश हाल ही में सभी फ्रेंचाइज़ियों को भेजा गया है। ऐसे में अब मैदान के किनारे खिलाड़ियों का वार्म-अप करना, सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों का ड्रिंक्स लेकर दौड़ना, और हर ओवर के बीच रणनीतिक संदेशों का आदान-प्रदान जैसे काम अब नहीं होंगे।

शमी की भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में वापसी होनी चाहिये। गांगुली के अनुसार शमी जैसे गेंदबाज की भारतीय टीम को जरुरत है। जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने के लिए उनसे बेहतर कोई भी नहीं है। शमी ने आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन किय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए थे। गांगुली ने कहा, हमने देखा कि उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ क्या शानदार ओवर किया। साथ ही कहा किक ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं है। इनके खिलाफ 4 ओवर में 9 रन देना उनके गेंदबाजी कौशल को दिखाता है। गांगुली ने कहा कि शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि रणजी ट्रॉफी में शमी ने लगातार बेहतरीन गेंदबाजी की है। उन्होंने सेमीफाइनल में 8 विकेट लिए थे ।गांगुली का मानना है कि शमी पूरी तरह फिट हैं और लगातार खेलने से उनकी फॉर्म और बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, जब कोई गेंदबाज लगातार गेंदबाजी करता है, तो वह अपनी बेस्ट फॉर्म में होता है। नेट्स से ज्यादा मैच अभ्यास मायने रखता है ।गांगुली को उम्मीद है कि चयन समिति उनके ऊपर जरुर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शमी को भारत के लिए खेलना चाहिए। उम्मीद है कि उनका समय फिर आएगा, क्योंकि वह इसके योग्य हैं।

अपनी विविधता भरी गेंदबाजी से तेज गेंदबाज वैशाख ने बनायी अलग पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स के युवा तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। वैशाख की खासियत ये है कि उनकी गेंदों में काफी विविधता है और रफ्तार भी 140 से 145 किलोमीटर/प्रतिघंटा की है। जिसका सामना करना बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन हो रहा है।वैशाख अपना चौथा आईपीएल सीजन खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 19 मुकाबलों में 29.45 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं। इससे पहले वैशाख ने साल 2023 आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए 7 मुकाबलों में 9 विकेट लिए थे।

विजयकुमार ने साल 2024 सत्र में 4 मुकाबलों में 4 विकेट लिए ले। वहीं आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीदा था पर वह फिट नहीं होने के कारण काफी कम मुकाबले खेल पाये थे। तब वैशाख ने 5 खेलते हुए 4 विकेट लिए थे।

वहीं इस सत्र में इस गेंदबाज ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए है। वैशाख ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पहले मैच में 34 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं दसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 38 रन देकर 2 विकेट लिए। इस सत्र में उनके गेंदबाजी कौशल को काफी सुधार आया है। उनकी वाइड यॉर्कर और स्लो बाउंसर का जवाब बल्लेबाजों के पास नहीं हैं। वह गेंद की गति को अचानक कम करते हुए बल्लेबाजों को हैरान कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उनके नाम फर्स्ट क्लास करियर के 31 मुकाबलों में 25.14 की औसत के साथ 116 विकेट हैं। । वहीं, लिस्ट-ए करियर के 29 मुकाबलों में विजयकुमार ने 40 विकेट निकाले हैं। 52 टी20 मुकाबलों में यह गेंदबाज 66 विकेट अपने नाम कर चुका है।इस गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय कर्नाटक के घरेलू क्रिकेट और अपने कोच को दिया है। उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट में खेलते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ गेंदबाजी से उनका मनोबल बढ़ा है। इस गेंदबाज की प्राथमिकता रफ्तार नहीं बल्कि फिटनेस और तकनीक को बेहतर बनाना है।

डॉक्टर की बात नहीं मानी, भारत के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं राशिद खान

नई दिल्ली - कमर के ऑपरेशन के बाद टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की डॉक्टर की सलाह के बाद अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने संकेत दिए हैं कि वह जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। राशिद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए फिट रहने की है। 27 वर्ष के राशिद ने 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है लेकिन इसके बावजूद पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर डाले और 11 विकेट लिए थे। राशिद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को गुजरात टाइटंस की एक रन से जीत के बाद कहा, 'यह काफी कठिन सवाल है। डाक्टर ने मुझे सबसे पहले टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था। इसके बावजूद मैने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला।' उन्होंने कहा, 'डॉक्टर ने मुझसे कहा कि अगर क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हो तो टेस्ट क्रिकेट खेलते रहो।'

उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं। लेकिन एहतियात बरतनी होगी कि खुद पर अधिक बोझ नहीं डालूं।' आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'आप काफी कठिन सवाल पूछ रहे हैं। मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। अगर उस टेस्ट में कमर में फिर तकलीफ हो गई तो? मैं 100 टेस्ट नहीं खेल सकता। अगर मैं साल में एक टेस्ट खेल रहा हूं तो 100 साल तक तो खेलूंगा नहीं। लिहाजा टेस्ट क्रिकेट में कोई लक्ष्य नहीं है।'

राहुल के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाज केएल राहुल के अर्धतक के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस से हार गयी। इस मैच में राहुल ने 92 रनों की शानदार पारी खेलकर दिल्ली को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था पर इसके बाद भी टीम उसका लाभ नहीं ले पायी और उसे केवल 1 रन से हार झेलनी पड़ी। राहुल ने अपनी इस पारी के दौरान 52 गेंदों पर 11 चौके और 4 छक्के लगाए। हालांकि इस आक्रामक पारी के बाद भी उनके नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिससे वह भूलना चाहेंगे। ये रिकार्ड है किसी बल्लेबाज के सबसे अधिक रन बनाने के बाद भी उसकी टीम को मिलने वाली हार। इससे पहले ये रिकार्ड आरसीबी के विराट कोहली और मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा के नाम है।

अब राहुल भी इस क्लब में शामिल हो गये हैं। राहुल ने मैच में 92 रनों की शानदार पारी खेली पर इसके बाद भी उनकी टीम हारी। राहुल इसी के साथ आईपीएल में टीम की हार में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-5 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। राहुल के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने इस रंगारंग लीग में अभी तक खेले 153 मैचों में 45.21 की औसत और 136.41 के स्ट्राइक रेट के साथ 5335 रन बनाए हैं। इसमें से 2515 रन टीम की हार में आए। इसका मतलब है कि राहुल के आईपीएल करियर में 47 फीसदी रन तब बने जब उनकी टीम हारी है। वहीं विराट के नाम टीम की हार में भी सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। कोहली ने अपने आईपीएल करियर में 269 मैचों में 8758 रन बनाए हैं, जिसमें से 3731 रन ऐसे हैं जिनके बाद भी उनकी टीम हारी है। वहीं रोहित के 2764 रन तब बने जब टीम हारी है। वहीं शिखर धवन 2768 और डेविड वॉर्नर

के 2768 रनों के बाद भी टीम हारी है। राहुल 2515 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं। राहुल शुरुआती दो मैचों में रन नहीं बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत के करीब ला दिया था पर अंतिम ओवरों में डेविड मिलर की एक गलती से मैच टीम के हाथों से फिसल गया।

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने लिवरपूल एफसी को 2-0 से हराया

पेरिस। पेरिस सेंट-जर्मन (पीएसजी) ने लिवरपूल एफसी को 2-0 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। पेरिस के पार्क डेस प्रिंसेस में खेले गए इस मुकाबले में मेजबान टीम पूरी तरह हावी नजर आई। मैच की शुरुआत से ही पीएसजी ने आक्रामक अंदाज अपनाया। डेसिरे डोउए ने 11वें मिनट में बॉक्स के अंदर से शानदार शॉट लगाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनका यह शॉट डिफ्लेक्शन लेकर गोलकीपर के ऊपर से निकल गया। पहले हाफ में पीएसजी लगातार मौके बनाता रहा। ख्विचा क्वारत्सखेलिया और उस्मान डेम्बेले ने कई खतरनाक हमले किए, लेकिन लिवरपूल के गोलकीपर जियोर्जी ममारदाश्विली ने कुछ बेहतरीन बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा। इसके बावजूद लिवरपूल एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लगा सका। दूसरे हाफ में भी मैच का रुख नहीं बदला। पीएसजी लगातार दूसरे गोल की तलाश में रहा। टीम को 65वें मिनट में सफलता मिली। जोआओ नेवेस के शानदार पास पर क्वारात्खेलिया ने आसान फिनिश करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। लिवरपूल की डिफेंस पर लगातार दबाव बना रहा और पीएसजी को पेनल्टी मिलने की स्थिति भी बनी, लेकिन वीएआर के फैसलों ने इंग्लिश टीम को राहत दी। अशरफ हकीमी और डेम्बेले ने अंत में और मौके बनाए, लेकिन स्कोरलाइन में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस जीत के साथ पीएसजी ने पिछले सीजन की हार का बदला भी ले लिया है और अब वह दूसरे लेग के लिए एनफील्ड में 2-0 की मजबूत बढ़त के साथ उतरेगा। वहीं, लिवरपूल के सामने वापसी की बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि सेमीफाइनल में जगह दांव पर लगी है।

प्रीति, मीनाक्षी, प्रिया और अरुंधति ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

उलानबटोर (मंगोलिया) (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार की अगुवाई में भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

मीनाक्षी (48 किलोग्राम) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किलोग्राम) के साथ प्रिया घंघास (60 किलोग्राम) और विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) ने शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत को हालांकि सबसे बड़ा झटका 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रुएनरोस (पूर्व नाम जुटामास जितपोंग) से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की अल्फिया पठान (80 किलोग्राम से अधिक) ने भी रजत पदक हासिल किया। चैंपियनशिप में अपने एकमात्र मुकाबले में उन्हें कजाकिस्तान की दीना इस्लम्बेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ कुल 10 पदक जीते। कुछ भार वर्गों में हालांकि सीमित भागीदारी के कारण लवलीना बोरगोहेन (75 किलोग्राम), पूजा रानी (80 किलोग्राम) और अल्फिया जैसी खिलाड़ियों को सिर्फ भाग लेने के लिए ही पदक मिल गए। इन भार वर्गों में केवल तीन प्रतियोगी ही थे। मीनाक्षी ने मंगोलिया की नोमुंडारी एन्ख-अमगलान को 5-0 से हराकर भारत के लिए दिन का पहला स्वर्ण पदक जीता और शानदार शुरुआत की। प्रीति ने एक और दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी बेहतरीन लय को बरकरार रखा। उन्होंने तीन बार की विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हुआंग शियाओ-वेन को 5-0 से हराया। इसके बाद प्रिया ने उत्तर कोरिया की वॉन उन-ग्योंग को 3-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जबकि अरुंधति ने फाइनल में कजाकिस्तान की बकित सेइडिश को 4-1 से हराकर प्रभावित

किया।

इससे पहले दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (54 किलोग्राम), अंकुशिता बोरो (65 किलोग्राम), लवलीना (75 किलोग्राम) और पूजा (80 किलोग्राम) को सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्वनाथ सुरेश (48 किलोग्राम) और सचिन सिवाच (60 किलोग्राम) शुक्रवार को पुरुष वर्ग में अपने-अपने फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

मुझे एयरोफोबिया है और मैं थेरेपी लेने पर विचार कर रहा हूं

टाइगर श्रॉफ की गिनती इंडस्ट्री के एक्शन एक्टर्स में से होती है। वो जबरदस्त स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन अब टाइगर ने भी अपने एक डर के बारे में बात की, जो उनकी ऑन-स्क्रीन इमेज से बिलकुल अलग है। टाइगर का मानना है कि असल जिंदगी में उन्हें इस एक काम से बहुत डर लगता है और वो इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने की भी सोच रहे हैं।
बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने खुलासा किया कि उन्हें एयरोफोबिया है। एक्टर ने बताया कि उन्हें हवाई यात्रा से डर लगता है और वे इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं दरअसल एक थेरेपिस्ट के पास जाने की योजना बना रहा हूं, क्योंकि मुझे एयरोफोबिया है। कुछ साल पहले मैं एक बहुत ही टर्बुलेंट फ्लाइट में था और टर्बुलेंट फ्लाइट पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं होता, है ना? मैं क्या करूं? तब से, जब भी मुझे फ्लाइट में चढ़ना होता है, तो मुझे कुछ दिन पहले से ही घबराहट होने लगती है। पता नहीं क्यों, मैं अभी तक इससे उबर नहीं पाया हूं।
हालांकि, टाइगर ने माना किया हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित यात्राओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि हवाई यात्रा परिवहन का सबसे सुरक्षित साधन है। मैंने कई पायलटों से बात की है, जिन्होंने कहा कि टर्बुलेंस कुछ और नहीं बल्कि ऊबड़-खाबड़ सड़कों जैसी होती है। वे मुझे यही उदाहरण देते रहते हैं। लेकिन मेरे दिमाग को यह कौन समझाएगा? जब ऐसा होता है, तो कहानी बिल्कुल अलग होती है। काश, मेरा इस पर कंट्रोल होता। मुझे अपने शरीर के हर हिस्से को कंट्रोल करना अच्छा लगता है। मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि मैं क्या कर रहा हूं।
अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि अत्यधिक सोचने की आदत उनके जीवन के अन्य पहलुओं पर भी असर डालती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी यह बहुत निराशाजनक होता है, क्योंकि मैं कई बार बहुत कन्फ्यूज हो जाता हूं और कोई भी फैसला नहीं ले पाता। यहां तक कि अपने दिन की योजना बनाने को लेकर भी ताकि मैं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकूं।

आज भी 'खल्लास गर्ल' कहे जाने पर खुशी होती है

ईशा कोप्पिकर किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। इस हसीन एक्ट्रेस को लोग आज भी 'खल्लास गर्ल' के नामे से पहचानते हैं। ईशा कोप्पिकर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1997 में तेलुगू फिल्म से की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल सिनेमा और बॉलीवुड में भी खूब काम किया। ईशा ने बीच में फिल्मों से ब्रेक लिया था, पर अब वह फिर से एक्टिव हैं। साल 2024 में वह तमिल फिल्म 'ऐलान' में नजर आईं और वेब सीरीज का भी हिस्सा रही हैं। बीते दिनों जब एक इवेंट में ईशा कोप्पिकर पहुंचीं तो मंच पर आते ही सभी ने 'खल्लास गर्ल' का शोर मचाना शुरू कर दिया। अपनी वही पुरानी मुस्कान के साथ ईशा ने कहा, 'सच कहूं तो, यह सुनकर आज भी बहुत खुशी होती है। खल्लास गाना (2002) हर किसी के लिए एक यादगार पल था। जब यह रिलीज हुआ था, तब लोगों की दीवानगी देखने लायक थी। आज भी लोग मुझे देखकर खल्लास गर्ल कहकर बुलाते हैं। हर कलाकार को ऐसा प्यार नहीं मिलता, इसलिए यह मेरे लिए गर्व की बात है।'

बदलाव लाने के लिए राजनीति में आई

एक समय ईशा ने राजनीति में भी हाथ आजमाया था। 2019 में राजनीति से जुड़ने के सवाल पर ईशा ने कहा, 'मेरा मकसद ग्लैमर या पावर पाना नहीं था, बल्कि समाज में योगदान देना था। मैं महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाना चाहती थी। आज भी मैं सक्रिय हूं और आसपास की चीजों पर नजर रखती हूं। भविष्य में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी या नहीं, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन मैं स्पष्ट तौर पर यह कह सकती हूं कि मेरी नीयत साफ है।'

मुश्किल वक्त ही आपका शिक्षक होता है

ईशा का मानना है कि मुश्किलें ही इंसान को गढ़ती हैं। उन्होंने कहा, 'मुश्किल दौर आपको किसी भी गुरू या किताब से ज्यादा सिखाता है। मेरे करियर और जीवन में ऐसे कई दौर आए, जब चीजें आसान नहीं थीं और मुझे अपनी जगह बनाए रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्हीं पलों ने मुझे मजबूती और एक स्पष्ट सोच दी। आज मैं जो कुछ भी हूं, अपने संघर्षों की वजह से ही हूं। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाएं सिर्फ मुश्किलों से बचती नहीं हैं, बल्कि उनसे लड़कर खुद को बदल लेती हैं।'

ओटीटी पर मिलती है काम करने की आजादी

ईशा कोप्पिकर का कहना है कि ओटीटी कलाकारों के लिए आजादी लेकर आया है। साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुकीं ईशा कहती हैं, 'हर प्लेटफॉर्म ने मुझे कुछ नया सिखाया है। साउथ इंडियन फिल्मों में अनुशासन और काम के प्रति समर्पण कमाल का है। बॉलीवुड ने मुझे पहचान और शोहरत दी। वहीं, ओटीटी पर कंटेंट बहुत बेबाक है। यहां आप किसी तरह की समयसीमा में बंधे बिना, असल और मुश्किल कहानियां दिखा सकते हैं। एक कलाकार के तौर पर यह आजादी बहुत मायने रखती है।'

रामायण में भगवान परशुराम के रोल में भी दिखेंगे रणबीर

एक्टर रणबीर कपूर ने कन्फर्म किया है कि वह फिल्म रामायण में भगवान राम के साथ भगवान परशुराम के किरदार में भी दिखेंगे। इंटरव्यू में जब रणबीर से सवाल पूछा गया कि वह भगवान राम और परशुराम जैसे दो अलग-अलग स्वभाव वाले किरदारों को बॉडी लैंग्वेज और आवाज से कैसे अलग दिखा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के कई अवतार रहे हैं, जिनमें भगवान राम एक अवतार हैं, जबकि उनसे पहले भगवान परशुराम भी अवतार थे। रणबीर ने कहा कि भगवान राम का किरदार निभाने का मौका मिलना ही बड़ी बात थी, लेकिन साथ ही भगवान परशुराम का रोल निभाना उनके लिए और भी खास अनुभव

रहा। उन्होंने आगे कहा कि एक एक्टर के रूप में केवल बॉडी लैंग्वेज ही नहीं, बल्कि रोल की आध्यात्मिकता और उसकी भावनाओं को गहराई से समझना जरूरी होता है। उनका मानना है कि एक्टिंग की शुरुआत यहीं से होती है। रणबीर ने यह भी कहा कि फिल्म रामायण की शूटिंग से पहले उन्होंने पूरे एक साल तक इन किरदारों को समझने पर काम किया।

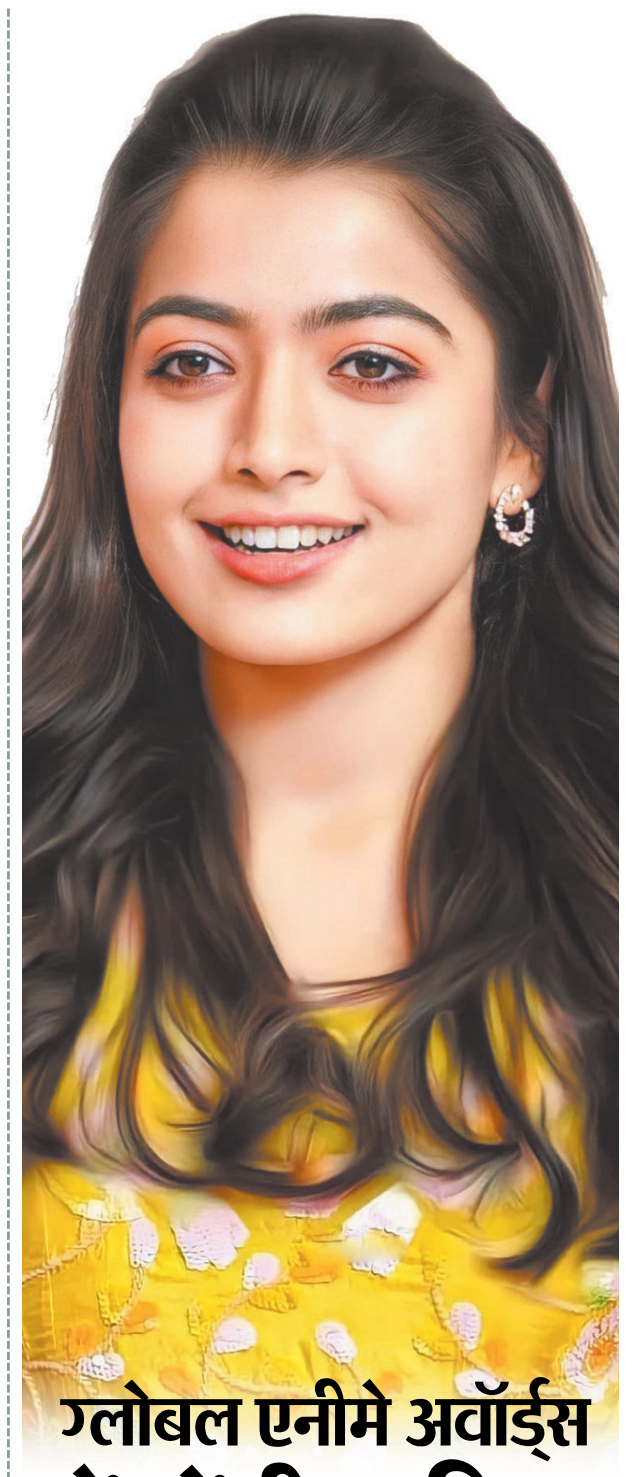

ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में होंगी शामिल

फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से बॉलीवुड और साउथ में अपना नाम कमाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर एक बार फिर इंडिया को प्रस्तुत करने वाली हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना 'एनिमल' और 'पुष्पा' जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। खबर है कि वह इस साल टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। यह बड़ा इवेंट 23 मई को जापान के टोक्यो शहर में आयोजित किया जाएगा। खास बात यह है कि रश्मिका इससे पहले भी 2024 में इस अवॉर्ड शो का हिस्सा रह चुकी हैं और उस समय वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेजेंटर बनी थीं। रश्मिका ने खुद इस खबर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि वह एक बार फिर जापान जाकर एनीमे से जुड़े टैलेंटेड लोगों के साथ इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।

एनीमे लवर्स को साथ लाने वाला प्लेटफॉर्म

बता दें कि एनीमे अवॉर्ड्स दुनियाभर के कलाकारों, क्रिएटर्स और एनीमे लवर्स को एक साथ लाने वाला बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहां बेहतरीन काम को सम्मानित किया जाता है। रश्मिका का एनीमे और जापान से खास कनेक्शन भी रहा है। 2024 में पहली बार जापान जाने का उनका सपना पूरा हुआ था और तब उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के सबसे खास पलों में से एक बताया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका 'रणबाली' और 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी।

आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है

अभिषेक बच्चन के बॉलीवुड करियर को 26 साल हो चुके हैं। अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। लेकिन वह ऐसे परिवार में आते हैं, जहां तीन बड़े नामी स्टार मौजूद हैं। पिता अमिताभ बच्चन सदी के महानायक हैं। मां जया बच्चन एक उम्दा अभिनेत्री रही हैं। वहीं पत्नी ऐश्वर्या विश्व सुंदरी और बॉलीवुड की सबसे हिट एक्ट्रेस में शामिल रही हैं। अक्सर ही अभिषेक बच्चन के करियर की तुलना उनकी पत्नी के करियर से होती है। हाल ही में इस मुद्दे पर अभिषेक ने फिर मन की बात कही है। अभिषेक बच्चन से पूछा गया कि शादी के बाद ज्यादा सफल पार्टनर के साथ रहने पर कुछ लोग असुरक्षित महसूस करते हैं। इस पर अभिषेक कहते हैं, 'मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो सिर्फ इसलिए जीतना चाहता हो क्योंकि किसी और ने हार मान ली। मुझे बचपन से यही सिखाया गया है कि आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है।' वह आगे कहते हैं, 'मेरी सोच ऐसी ही है। मैं किसी ऐसी पार्टनरशिप या शादी में नहीं रहना चाहता हूं, जहां मेरी पत्नी को कोई काम करना इसलिए बंद करना पड़े क्योंकि मुझे खुद को ज्यादा मर्द जैसा महसूस कराना है। शुक्र है कि मेरी पत्नी भी ऐसी ही है, जो इस तरह से नहीं सोचती हैं।'

हॉलीवुड सीरीज में नजर आएंगी सनी लियोनी

सनी लियोनी हाल ही में रिलीज हुई अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस पर पॉजिटिव रिव्यू मिलने के बाद वह हॉलीवुड प्रोजेक्ट की ओर चल पड़ी हैं। इस एक्ट्रेस ने हॉलीवुड सीरीज द जाइंट की कास्ट को जॉइन कर लिया है। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी। प्रोजेक्ट को लेकर सनी लियोनी ने कहा, यह मेरे पहले किए गए काम से बहुत अलग है। उन्होंने आगे कहा पूरी तरह से एक नई दुनिया में कदम रखना मेरे लिए हमेशा एक रोमांचक अनुभव होता है। वह बोलीं मैं इस सफर का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं और इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। इस सीरीज में अभिनेत्री थोड़ा अलग रोल कर रही हैं। सनी लियोनी इसमें रिजर्वेशन शेरिफ क्वानाह डियरलीफ के किरदार में होंगी। सीरीज की कास्टिंग में थोड़ी विविधता है। इसमें लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी अमेरिकी और एशियाई मूल के एक्टर्स शामिल होंगे।

'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं, स्क्रीन का मामला था

पहले अदिवि शेष अभिनीत 'डकैत' फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ रिलीज होने वाली थी। लेकिन इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया। अब 10 अप्रैल को यह फिल्म रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, जिसमें मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में अदिवि शेष ने फिल्म 'धुरंधर 2' से टकराव, स्क्रीन की कमी के अलावा करियर से जुड़ी कई बातें की हैं।

'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं था

फिल्म 'डकैत' की रिलीज टलने के सवाल पर अदिवि शेष साफ कहते हैं, 'जहां तक 'धुरंधर 2' की बात है, मेरे हिसाब से आर्टिस्ट और आर्ट के बीच कोई रेस नहीं होती है। आर्ट की दुनिया में कॉम्पिटिशन नहीं होता है। 19 मार्च की तारीख 'डकैत' के लिए बहुत जरूरी थी, खासकर हिंदी वर्जन के लिए। हमारे लिए जरूरी था कि फिल्म को अच्छा शो और स्क्रीन मिले। इसलिए यह डर का नहीं बल्कि स्क्रीन का फैसला था।' वह आगे कहते हैं, 'जब इंडिया की इतनी बड़ी फिल्म रिलीज होती है तो स्क्रीन मिलना मुश्किल हो जाता है। इसलिए हमने रिलीज को आगे बढ़ाया जिससे तेलुगु और हिंदी दोनों वर्जन को सही स्पेस और बेहतर शो मिल सकें। 'धुरंधर 2' मैंने देखी है और मुझे बहुत पसंद आई। इसमें कोई शक नहीं कि यह इंडिया की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है।'

अक्षय कुमार से खास है कनेक्शन

अदिवि शेष की फिल्म 'डकैत' अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' के साथ रिलीज हो रही है। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं पता कि अक्षय सर के साथ क्या कनेक्शन है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। मेरी फिल्म 'मेजर' भी उनकी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' के साथ क्लैश हुई थी। अब 'भूत बंगला' के साथ 'डकैत' के साथ रिलीज हो रही है। मैं खुश हूं कि किसी न किसी तरह से उनके साथ कनेक्शन बना रहता है।'
साउथ सिनेमा से शुरुआत करने वाले अदिवि शेष अब हिंदी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। इस बदलाव पर वह कहते हैं, 'मुझे लगता है पहले जो दूरी थी, वो अब धीरे-धीरे कम हो रही है। जब लोग एक-दूसरे से कम बात करते हैं तो गैप बढ़ जाता है। लेकिन अब आना-जाना बहुत बढ़ गया है। हिंदी इंडस्ट्री के कई एक्टर्स हैदराबाद आते हैं और हम भी मुंबई-दिल्ली जाते रहते हैं। इस वजह से एक क्लोजनेस आ गई है। मुझे लगता है कि खासकर अगली जनरेशन शायद यह फर्क ही नहीं करेगी कि यह हिंदी फिल्म है या साउथ की है। सबको इंडियन फिल्म्स के तौर पर देखा जाएगा।' एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए वह कहते हैं, 'मैं हाल ही में दिल्ली में था, वहां एक टैक्सी ड्राइवर बता रहा था कि उसने मलयालम फिल्म हिंदी डबिंग में देखी। मेरा खुद का ड्राइवर हिंदी शोज देखता है। इससे साफ है कि जो दूरी पहले थी, वो अब कम हो रही है।'

खुद को 'मेजर' के बाद नहीं दोहराया

बॉलीवुड से मिले ऑफर्स पर अदिवि शेष का जवाब काफी साफ है। वह कहते हैं, 'मुझे 'मेजर' के बाद वॉर फिल्मों के काफी सारे ऑफर्स आए। लेकिन मुझे कहीं न कहीं लगा कि 'मेजर' में संदीप का रोल करने के बाद फिर से वही किरदार करना सही नहीं होगा। मैंने उनके पैरेंट्स से भी वादा किया था। साथ ही यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट था। उसके बाद अगर मैं बार-बार उसी तरह के रोल करता रहता, तो उसका असर कम हो जाता। यही वजह है कि मैंने ऐसे कई ऑफर्स ठुकरा दिए।' अदिवि शेष आगे कहते हैं, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि जो भी काम करूं, उसमें कुछ खास हो। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि प्रोड्यूसर कौन है? डायरेक्टर कौन है? या कितने पैसे मिल रहे हैं? अगर वह चीज मुझे अंदर से टच नहीं करती, तो मैं उसे नहीं करता।'

बॉलीवुड एंट्री को लेकर साफ है नजरिया

बॉलीवुड में एंट्री को लेकर चल रही बहस पर अदिवि शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो किसी भी इंडस्ट्री में एंट्री आसान नहीं होती। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड में भी जाकर देख लीजिए। संघर्ष हर जगह है। पूरे देश में गिने-चुने हीरो होते हैं, उनमें से भी बहुत कम ऐसे होते हैं जिनकी फिल्में सच में बिकती हैं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि यहां तक पहुंच पाया। यह सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री की बात नहीं है। आप किसी भी फील्ड में चले जाइए। हर जगह कॉम्पिटिशन है, हर जगह स्ट्रगल है। यह कहना कि सिर्फ बॉलीवुड में एंट्री मुश्किल है, पूरी तरह सही नहीं है।'

क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्मं किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरूषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन-अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व'

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट्र, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमांए विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रह्माण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमांए टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: '

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: ' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

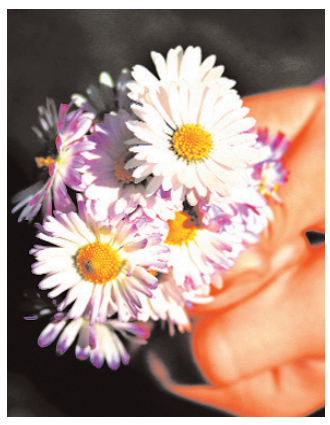

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावत : भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंत :प्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

महर्षि अरविन्द के सत्य विचार हमें सतही बौद्धिकता से परे चेतना के दिव्य आध्यात्मिक लोक में ले जाते हैं। उनके विचार उपनिषद के सूत्रों की तरह सघन अर्थों से भरे होते हैं। प्रत्यक्ष और गहन अनुभूति से उत्पन्न होने के कारण उनके कथन अमूल्य रहे हैं।
आइए जानते हैं ऑरोविला के नायक इस महान दार्शनिक के सुविचार ...

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंत : प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशत : अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्राय : आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंत :प्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से नि :स्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंत :प्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंत :प्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णत : अंत :प्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुन : जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक असंतोषजनक कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं — मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।